THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

आर्मी ने बदली सोशल मीडिया पॉलिसी : इंस्टाग्राम चला सकते हैं सैन्यकर्मी, लेकिन एक शर्त है

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने अपनी सोशल मीडिया पॉलिसी में एक और बड़ा बदलाव किया है। अब सेना ने अपने सैन्यकर्मियों को इंस्टाग्राम चलाने की इजाजत दे दी है। लेकिन, शर्त ये है कि वे इसका इस्तेमाल सिर्फ व्यू-ऑनली मोड में कर सकेंगे। सेना के जवानों और अफसरों पर इस बात की पाबंदी रहेगी कि वे न तो इंस्टाग्राम पर मेलजोल बढ़ाएं और न ही उन्हें किसी भी कंटेंट को पोस्ट करने, लाइक या कमेंट करने की ही इजाजत मिलेगी, जैसा कि आम सोशल मीडिया यूजर्स कर सकते हैं।

वर्ष-30 अंक : 270 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.6 2082 शुक्रवार, 26 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'हमने 370 की दीवार गिराई'

> आजादी के बाद सभी उपलब्धियां एक ही परिवार के नाम होती थीं, लखनऊ में प्रेरणा स्थल का उद्घाटन

लखनऊ, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। यहां उन्होंने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियों का अनावरण करके पुष्पांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी ने कहा- हमारी सरकार ने आर्टिकल 370 की दीवार गिराई। पहले एक परिवार की मूर्तियां लगती थीं, आज हर विभूति को सम्मान मिल रहा है। आजादी के बाद सभी उपलब्धियां एक ही परिवार के नाम होती थीं। भाजपा ने हर किसी के योगदान को सम्मान दिया।

मोदी ने ये भी कहा कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ है। अंडमान में नेताजी ने जहां पर तिरंगा फहराया, वहां उनकी प्रतिमा है। कोई नहीं भूल सकता है कि अंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास किया गया। दिल्ली के शाही परिवार ने इसे मिटाने का प्रयास किया। यहां सपा ने भी ऐसा किया, लेकिन भाजपा ने इसे मिटने नहीं दिया।

प्रेरणा स्थल पर 65-65 फीट ऊंची दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियां लगाई गई हैं। हर एक प्रतिमा 42 टन वजनी है। प्रेरणा स्थल 65 एकड़ क्षेत्र में 230 करोड़ रुपये की लागत से बना है। साल 2022 में इसका निर्माण शुरू हुआ था।

पीएम मोदी की बड़ी बातें-

> दिल्ली के एक शाही परिवार ने बाबा साहब आंबेडकर का जिक्र इसलिए नहीं किया कि कहीं उनके महत्व में कमी न आ जाए। प्रदेश में यही काम सपा ने किया।

> कांग्रेस ने बीजेपी को अछूत बनाए रखा, लेकिन बीजेपी के संस्कार सभी का सम्मान करना सिखाते हैं। हमारी सरकार ने प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न दिया, मुलायम सिंह को भी सम्मानित किया।

पीएम मोदी ने दी क्रिसमस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में गुरुवार को क्रिसमस का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। वहीं, क्रिसमस के त्योहार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यीशु मसीह की शिक्षाएं समाज में सद्भाव को मजबूत करती रहेंगी।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, सभी को शांति, करुणा और आशा से भरे आनंदमयी क्रिसमस की शुभकामनाएं। यीशु मसीह की शिक्षाएं हमारे समाज में सद्भाव को मजबूत करें। दुनिया की सबसे बड़ी ईसाई आबादी यीशु मसीह के जन्म के उपलक्ष्य में क्रिसमस मनाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रिसमस के मौके पर दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में सुबह की प्रार्थना सभा में शामिल हुए। यहां प्रार्थना, कैरोल, भजन का आयोजन हुआ।

पुलिस नहीं तो सेना भेजो : शशि थरूर

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बांग्लादेश में हिंदू युवक की लिंचिंग की निंदा करते हुए बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि हिंसा रोकना उसकी जिम्मेदारी है, अगर पुलिस नहीं रोक पा रही है तो सेना का इस्तेमाल करे, लेकिन हर हाल में हिंसा रुकनी चाहिए। उन्होंने बांग्लादेश की हिंसक घटनाओं के खिलाफ भारत में हो रहे प्रदर्शनों का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदर्शन अहिंसक भी हो सकते हैं। उन्होंने इस बात की तारीफ की है कि भारत में हो रहे प्रदर्शन में कहीं से भी हिंसा की जानकारी नहीं है, लेकिन बांग्लादेश में इसी के नाम पर बवाल किया जा रहा है।

केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में ईशनिंदा के आरोपों में कट्टरपंथी मुसलमानों की भीड़ द्वारा एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग और फिर जला देने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। इस घटना के विरोध में भारत में हो रहे राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का भी उन्होंने समर्थन किया और कहा कि विरोध प्रदर्शन करना उनका अधिकार है। थरूर बोले कि भारत में भी कुछ ग्रुप ने जवाबी प्रदर्शन किए हैं। हमारे लोकतंत्र में उनको यह अधिकार है। मुझे नहीं लगता है कि किसी को लगा हो कि यह प्रदर्शन नियंत्रण से बाहर जा रहे हैं।

कहीं भी हिंसा नहीं है, कोई लिंचिंग नहीं और निश्चित तौर पर हिंसा की किसी भी कोशिश से हमारी पुलिस निपट लेगी और निपटना चाहिए। थरूर ने कहा कि वह बांग्लादेश से भी ऐसी ही उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम देखना चाहते हैं कि बांग्लादेशी भी ऐसा ही करें। उन्हें हिंसा रोकना होगा। बांग्लादेश सरकार की ओर से सिर्फ खेद जताने या निंदा करने से काम नहीं चलेगा। क्योंकि, सरकार के तौर पर सड़कों पर हो रही हिंसा रोकने के लिए कार्रवाई करना, उनकी जिम्मेदारी है।

'गडकरी हमास चीफ की हत्या से पहले उनसे मिले थे'

ईरानी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में मुलाकात हुई, कुछ घंटे बाद इजराइल ने मार दिया

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पूर्व हमास चीफ इस्माइल हानिया से उनकी मौत से कुछ घंटे पहले ही मुलाकात की थी। उन्होंने यह जानकारी हाल ही में एक बुक लॉन्चिंग ईवेंट के दौरान दी। गडकरी ने कहा कि साल 2024 में जब वे ईरान के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने गए थे, तब उनकी मुलाकात हमास के बड़े नेता से हुई थी। कुछ ही घंटों बाद उन्हें पता चला कि उसी नेता की हत्या कर दी गई है। हानिया 2024 में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए तेहरान गए थे। यहां उनकी मिसाइल हमला करके हत्या कर दी गई। वह हमास का सबसे बड़े चेहरे थे। गडकरी ने बताया कि उन्हें पीएम मोदी ने भारत की तरफ से ईरान भेजा था। जुलाई 2024 में वे तेहरान पहुंचे थे, जहां मसूद पेजेशकियन ईरान के नए राष्ट्रपति बने थे और उनका शपथ ग्रहण समारोह हो रहा था। इस मौके पर दुनिया के कई देशों के नेता वहां मौजूद थे। सभी मेहमानों को एक 5-स्टार होटल में ठहराया गया था और उनके लिए खाने-पीने का पूरा इंतजाम किया गया था।

भारत ने के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

पनडुब्बी से 3500किमी की रेंज तक मार करेगी, 2 टन न्यूक्लियर पेलोड ले जा सकेगी

विजयवाड़ा, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत ने बंगाल की खाड़ी में न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन आईएनएस अरिघाट से 3,500 किलोमीटर रेंज वाली K-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

यह टेस्ट मंगलवार को विशाखापट्टनम तट के पास किया गया। इसकी जानकारी इंडियन नेवी ने गुरुवार को दी। भारत जमीन, हवा के बाद अब समुद्र से भी परमाणु हथियार लॉन्च कर सकेगा। ये मिसाइल 2 टन तक न्यूक्लियर वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। के-सीरीज की मिसाइलों में के अक्षर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में रखा गया है। इनकी भारत के मिसाइल कार्यक्रम में अहम भूमिका रही है।के-4 मिसाइल, जमीन से लॉन्च होने

वाली अग्नि-सीरीज पर आधारित एक एडवांस सिस्टम मिसाइल है, जिसे पनडुब्बी से लॉन्च के लिए बनाया गया है। लॉन्च के समय मिसाइल पहले समुद्र की सतह से बाहर आती है, इसके बाद उड़ान भरते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ती है।

यह मिसाइल न्यूक्लियर वारहेड ले जाने में सक्षम है और अरिहंत-क्लास की पनडुब्बियों से दागी जा सकती है। के-4 को भारत की न्यूक्लियर ट्रायड का एक महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। इससे भारत की 'डिटेरेंस' क्षमता मजबूत होती है, यानी संभावित दुश्मन पर यह मनोवैज्ञानिक दबाव बनता है कि किसी भी हमले का जवाब दिया जा सकता है।

ओडिशा में 1.1 करोड़ के इनामी गणेश उइके समेत छह नक्सली ढेर

भुवनेश्वर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के कंधमाल जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए। राज्य में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, यह मुठभेड़ चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। मारा गया गणेश उइके (69 वर्ष) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था, जिस पर प्रशासन ने 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था।

पुलिस ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में शामिल था। फिलहाल इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रक की टक्कर में 12 से ज्यादा लोग जिंदा जले

नेशनल हाईवे 48 पर यात्री बस में लगी आग

चित्रदुर्ग जिले में हुई दुर्घटना

बंगलूरु से शिवमोगा जा रहे वाहन से हुई टक्कर

चित्रदुर्ग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में गुरुवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12 से अधिक लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हिरियूर तालुका के गोरलट्टू इलाके में एक निजी स्लीपर बस और ट्रक की जोरदार टक्कर के बाद दोनों गाड़ियों में आग लग गई, जिससे बस में सवार यात्री अंदर ही फंस गए।

आधी रात को हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, यह हादसा बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात करीब 12 बजे हुआ। निजी स्लीपर बस बेंगलुरु से गोकार्णा जा रही थी, तभी रास्ते में सामने से आ रहे ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रक का भी कुछ हिस्सा जल गया और ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। बस में ड्राइवर और कंडक्टर सहित कुल 32 लोग सवार थे।

टक्कर के बाद बस और ट्रक में लगी आग

टक्कर के बाद आग तेजी से फैलने के कारण कई यात्री बस के अंदर फंस गए और बाहर निकलने का मौका नहीं मिल पाया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही डीएसपी शिवकुमार मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की। स्थानीय लोगों और दमकल विभाग की मदद से आग पर काबू पाया गया।

बस कंडक्टर ने क्या बताया?

बस कंडक्टर मोहम्मद सलीम ने कहा, 'मैं उस समय सो रहा था अचानक आवाज आई और खिड़की का शीशा टूट गया और मैं बस से बाहर गिर गया, मुझे इतना ही याद है इसके बाद क्या हुआ मुझे पता नहीं कुछ लोग मुझे अस्पताल लेकर आ गए, मेरे हाथों और पैर में चोट लगी है।'

हादसे की जांच जारी

हादसे में घायल यात्रियों को पहले चित्रदुर्ग जिला अस्पताल ले जाया गया। इनमें से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए बेंगलुरु रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसा, नौ लोगों की मौत

चेन्नई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब तिरुचिरापल्ली से चेन्नई जा रही राज्य परिवहन निगम की एक बस राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रही थी। अचानक बस का एक टायर फट गया, जिससे चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित बस सड़क के बीच बने डिवाइडर पर चढ़ गई और उसे पार करते हुए विपरीत दिशा में चली गई।

सड़क पर चीख-पुकार, मलबे में दबे शव

बस से टकराई कारें और उड़ गए परखच्चे

गलत दिशा में पहुंचने के बाद बस की आमने-सामने की टक्कर चेन्नई से तिरुचिरापल्ली की ओर जा रही एक एसयूवी और एक कार से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों निजी वाहनों के परखच्चे उड़ गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इनमें सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत होने की पुष्टि की गई थी। बाद में इलाज के दौरान दो अन्य लोगों ने दम तोड़ दिया। हादसे में बस और अन्य वाहनों में सवार कई यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एंबुलेंस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत बाहर निकालकर नजदीकी सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मैहर में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई मोटरसाइकिल, तीन की मौत

मैहर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में गुजरा टोल प्लाजा के पास एक भीषण सड़क हादसे में तीन मजदूरों की जान चली गई। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार तीनों लोग जिले के मुकुंदपुर पुलिस चौकी के तहत इंडियन गैस एजेंसी के पास सड़क किनारे खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से बुरी तरह टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सभी बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान अंकित सोधिया, दीपक कोल और नागेंद्र कोल के रूप में हुई है। ये तीनों जमनागांव के निवासी थे। वे रीवा में मजदूरी करने के बाद घर वापस लौट रहे थे, तभी गुजरा पेट्रोल पंप के पास बेला-गोविंदगढ़ रोड पर यह दुर्घटना घटित हुई। पुलिस की शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और संभावित लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण बताया गया है। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या बाइक सवार नशे में थे। हादसे की सूचना मिलते ही ताला पुलिस स्टेशन के अधिकारी अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। शवों को कब्जे में लेकर जरूरी औपचारिकताएं पूरी की गईं और पोस्टमार्टम के लिए अमरपाटन अस्पताल भेजा गया।

तेज रफ्तार कार का कहर, तीन लोगों को रौंदा

नैनीताल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर के तल्लीताल फांसी गधेरा क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने तीन लोगों को रौंद दिया। चींख पुकार सुन आसपास के लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे तो वाहन चालक व उसका साथी मौके से फरार हो गए। लोगों ने किसी तरह वाहन के नीचे दबे हुए तीनों लोगों को बाहर निकाल बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया। जहां तीनों को फिलहाल उपचार दिया जा रहा है। जिसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे को अंजाम देने वाला वाहन चालक पुलिसकर्मी बताया जा रहा है। पुलिस चालक और उसके साथी की तलाश में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, हरी नगर निवासी बिहारी लाल, पप्पू और राजेश लाल गुरुवार सुबह पेंटिंग का काम करने राज भवन मार्ग स्थित आर्मी गेस्ट हाउस में जा रहे थे। इस दौरान चढ़ाई में तेज रफ्तार कार ने तीनों को चपेट में ले लिया। टक्कर मारने के बाद भी वाहन चालक नहीं रुका और तीनों को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। चीज पुकार सुन आसपास मौजूद लोग और राहगीर पहुंचे तो वाहन चालक और उसका साथी वाहन सड़क पर ही छोड़ मौके से फरार हो गया। लोगों ने किसी तरह वाहन के नीचे फंसे तीनों घायलों को बाहर निकाल बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया।

व्यापारी को जाल में फंसा लड़कियों ने लगाया चूना

रोहतक, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहतक की जनता कॉलोनी के एक टाइल कारोबारी को दो युवतियां जाल में फंसाकर पानीपत के होटल से 20 तोले सोना और 50 हजार की नकदी उड़ा ले गईं। एक युवती ने व्यापारी के साथ इंस्टाग्राम पर दोस्ती की थी। उसने उनके सोने के गहनों और रील में डांस की प्रशंसा की थी और अपनी सहेली को साथ लेकर व्यापारी को हरिद्वार घूमने जाने के लिए तैयार किया था। कोहरा अधिक होने पर तीनों पानीपत के संजय चौक स्थित एक होटल में रुके थे। इस दौरान उन्होंने शराब पार्टी की थी। कारोबारी को सुबह के समय होटल के स्टाफ ने उठाया तो मामले का पता चला। सोने की कीमत करीब 24.80 लाख रुपये है। थाना चांदनी पुलिस ने दो युवतियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर नर्स ने सुसाइड किया

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल में एक युवती ने एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर सुसाइड कर लिया। गुरुवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हुई। युवती जेके हॉस्पिटल में नर्स थी। वह पिछले चार साल से एक युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी। बुधवार रात को ओवरडोज लेने के बाद लिव इन पार्टनर ने ही बेहोशी की हालत में नर्स को जेके हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। परिजन का आरोप है कि युवक के शादी से इनकार के बाद बेटी मानसिक तनाव में थी।

कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि मृतका मेघा यादव (30) पिता मयाराम यादव, जेके हॉस्पिटल के पास किराए के कमरे में रहती थी।

रात रूपेश साहू नाम का युवक उसे अस्पताल लेकर आया और खुद को उसका मुंहबोला भाई बताकर भर्ती कराने के बाद चला गया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक टीम ने युवती के कमरे से कुछ मेडिकल सामग्री जब्त की है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

खिड़की से गिरे बुजुर्ग की बची जान, दमकल की टीम ने किया रेस्क्यू

सूरत, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत शहर में जहांगीराबाद इलाके की 'टाइम गैलेक्सी' बिल्डिंग में गुरुवार तड़के एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। 57 वर्षीय बुजुर्ग नितिनभाई आदिया, जो बिल्डिंग की 10वीं मंजिल पर रहते हैं, खिड़की के पास सोते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गए।

10वीं मंजिल से गिरने के बाद वे 8वीं मंजिल की खिड़की की बाहरी ग्रिल और बालकनी की रेलिंग के बीच फंस गए। उनका एक पैर जाली में बुरी तरह अटक गया और वे हवा में लटके रहे। बाद में मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने त्वरित कार्रवाई कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और बुजुर्ग को सावधानीपूर्वक रेस्क्यू कर लिया

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 3 माओवादी ढेर

भुवनेश्वर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बेलघर पुलिस स्टेशन इलाके के गुम्मा जंगल में बुधवार देर रात पुलिस और माओवादियों में मुठभेड़ हुई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक महिला कैडर सहित तीन माओवादी मारे गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो पुरुष नक्सलियों की पहचान सीपीआई (माओवादी) के एरिया कमेटी मेंबर बारी उर्फ राकेश और दलम सदस्य अमृत के रूप में हुई है, दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे।

उन्होंने बताया कि इन दोनों पर कुल 23.65 लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह मुठभेड़ स्थल के पास से एक और महिला कैडर का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान अभी नहीं हो

पाई है। मिली जानकारी के अनुसार, ओडिशा पुलिस के एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) की एक छोटी मोबाइल टीम ने जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया, तभी उनका सामना माओवादियों से हुआ। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दोनों तरफ से भारी गोलीबारी हुई, जिसमें माओवादी मारे गए। दो पुरुष कैडरों के शव तुरंत बरामद कर लिए गए, जबकि एक और महिला नक्सली का शव बाद में कुछ दूरी पर मिला। पुलिस ने एक रिवॉल्वर, एक 1303 राइफल और एक वॉकी-टॉकी सेट जब्त किया है। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों की तरफ कोई हताहत नहीं हुआ है और इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। यह मुठभेड़ पड़ोसी मलकानगिरी जिले में 22 माओवादियों के ओडिशा के डीजीपी वाईबी खुराना के सामने सरेंडर करने के एक दिन बाद हुई।

पर्यावरण पर सख्त हुआ हाई कोर्ट, विशेष अनुमति के बिना पेड़ काटने पर लगाया प्रतिबंध

चंडीगढ़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में अब पेड़ काटना आसान नहीं होगा। पूरे पंजाब में कहीं भी पेड़ काटने से पहले अब कोर्ट की विशेष परमिशन लेनी होगी। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अहम फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केस में अगली सुनवाई या विशेष अनुमति के बिना पूरे राज्य में कोई पेड़ नहीं काटा जाएगा। दरअसल, मोहाली की एयरपोर्ट रोड पर सरकार ने 250 पेड़ों को काटने का फैसला लिया था। मामले में मोहाली निवासी शुभम सेखों ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की। याचिका में आरोप लगाया गया कि विकास योजनाओं के नाम पर पेड़ काटने का फैसला बिना मानकों को ध्यान में रखकर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर तलब किया।

कोर्ट ने सरकार ने पूछा कि विकास के लिए इन पेड़ों के कटाई के लिए क्या रिसर्च या वैधानिक परमिशन ली गई थी। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने प्रदेशभर में पेड़ न काटने का फैसला सुनाया। मामले की अगली सुनवाई पर पंजाब सरकार विस्तार से अपना पक्ष रखेगी।

शादी का प्रपोजल ठुकराने पर किराएदार ने युवती की मां को जिंदा जलाया, हालत गंभीर

बेंगलुरु, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के बासवेश्वरनगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना हुई। 28 साल का एक किराएदार कथित तौर पर गुस्से में आ गया और उसने 45 साल की एक महिला को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। वजह सिर्फ इतनी थी कि महिला ने अपनी बेटी से उसकी शादी कराने से मना कर दिया था। महिला का नाम गीता है। वह एक किराना दुकान चलाती हैं। वह अभी विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पंजाब यूनिफाइड बिल्डिंग रूल्स 2025 के प्रविधान पर रोक, सरकार से मांगा जवाब

चंडीगढ़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने शहरी नियोजन और सार्वजनिक सुरक्षा जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में पंजाब सरकार के पंजाब यूनिफाइड बिल्डिंग रूल्स, 2025 के विवादित प्रविधान के संचालन पर रोक लगादी है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जो प्रविधान पहले से लागू भवन नियमों और विनियमों से असंगत हैं, वे अगली सुनवाई तक प्रभावहीन रहेंगे। साथ ही अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि पुराने नियमों के तहत जिन निर्माणों को उल्लंघन माना जाता था, उन्हें इस बीच नियमित नहीं किया जाएगा। यह अंतरिम आदेश जस्टिस जीएस गिल और जस्टिस प्रमोद गोयल की खंडपीठ ने हरबिंदर सिंह सेखों और जसिंदर सेखों द्वारा दायर याचिका पर पारित किया।

अदालत ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई 13 मार्च 2026 के लिए तय कर दी है। याचिकाकर्ताओं ने 15 दिसंबर को आवास एवं शहरी विकास विभाग पंजाब सरकार द्वारा जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी। उनका तर्क यह था कि नव अधिसूचित पंजाब यूनिफाइड बिल्डिंग रूल्स, 2025 न केवल पहले से लागू भवन नियमों से टकराते हैं, बल्कि पंजाब फायर प्रिवेंशन एंड फायर सेफ्टी एक्ट 2004 और नेशनल बिल्डिंग कोड आफ इंडिया, 2016 जैसे केंद्रीय व राज्य कानूनों की भावना के भी विपरीत हैं।

एक ही परिवार के चार लोगों ने किया सुसाइड

बच्चों का शव रेल ट्रैक पर तो माता-पिता की डेड बॉडी घर में मिली

नांदेड़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में आत्महत्या का संदेह जताया जा रहा है। परिवार के दो बच्चों का शरीर रेलवे ट्रैक पर पाया गया तो वहीं घर पर माता-पिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की। पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक परिवार के लखे परिवार के दो बच्चों का शव रेलवे ट्रैक पर मिला तो वही घर पर माता-पिता ने आत्महत्या कर ली। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, इस परिवार के दो बच्चों ने चलती ट्रेन के नीचे कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसा बताया जा रहा है, लेकिन फिलहाल अभी तक पुलिस की जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बच्चों का एक्सीडेंट हुआ या फिर उन्होंने आत्महत्या की। वहीं बच्चों के माता-पिता ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस फिलहाल इस पूरे मामले की तहकीकात कर रही है और यह पता लगाने मे जुटी है कि पूरा मामला क्या है।

'टीवीके की रैलियों से घबरा गए हैं सियासी विरोधी'

बोले टीवीके चीफ विजय डीएमके पर लगाए गंभीर आरोप

चेन्नई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। अभिनेता से नेता बने विजय थलापति ने डीएमके की ओर अप्रत्यक्ष रूप से इशारा करते हुए दावा किया कि टीवीके की सफल बैठकों से उसके राजनीतिक विरोधी घबरा गए हैं। विजय ने कहा कि अब वे अपना असली चेहरा दिखाने लगे हैं। नवगठित पार्टी के टीवीके के संस्थापक विजय ने सत्ताधारी डीएमके पर तमिलनाडु में 'कमल' (भाजपा का चुनाव चिन्ह) को खिलने देने का आरोप लगाया और कहा कि द्रविड़ पार्टी ने 'सामान्य न्यूनतम एजेंडा' पर लोगों को गुमराह किया है। विजय ने कहा, 'हमें गिराने की नाकाम साजिश के बाद टीवीके ने कांचीपुरम, पुडुचेरी और इरोड में तीन सफल जनसभाएं देखीं। जो लोग हमें चुप कराना चाहते थे, वे हमारे साथ खड़े लोगों को देखकर घबरा गए हैं।' उन्होंने डीएमके के मुखपत्र मुरासोली में छपे एक लेख पर सख्त आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संपादकीय लेख का मकसद टीवीके को बदनाम करना और उसकी प्रतिष्ठा को धूमिल करना था।

मुख्यमंत्री स्टालिन का जिक्र कर विजय ने कही ये बात

अभिनेता ने शुक्रवार को दिए एक बयान में कहा, 'अब उनका असली चेहरा सामने आने लगा है। उनकी पार्टी के नेता, मुख्यमंत्री (एमके स्टालिन), बातें करते हैं और पत्थर फेंकते हैं, यह भूलकर कि वे आईने के सामने खड़े हैं।।' उन्होंने कहा, 'डीएमके ने तथाकथित सामान्य न्यूनतम एजेंडे से जनता को गुमराह किया और 1999 से 2003 तक (वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान) गुलाम बन गई। उन्होंने तमिलनाडु में कमल को खिलने दिया।'

तमिलनाडु के लोगों से कर दी बड़ी अपील

उन्होंने कहा कि टीवीके सदस्यों को डीएमके की बयानबाजी और एकतरफा भाषणों को नजरअंदाज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के साथ हाथ मिलाकर उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि टीवीके ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो उनके हितों की रक्षा के लिए कोशिश करने के योग्य है। इसी साल अभिनेता विजय की करूर रैली में हुए भगदड़ हादसे के बाद डीएमके ने थलापति के आड़े हाथों लिया था। डीएमके की ओर से विजय पर पुलिस की ओर से दी गई चेतावनी को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगया गया। इस मामले में टीवीके के कुछ नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है।

2-3 जनवरी को मोहन भागवत भोपाल में

युवा संवाद और प्रबुद्धजनों से चर्चा करेंगे; जेपी नड्डा शनिवार को कटनी आएंगे

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल की शुरुआत मध्यप्रदेश में राजनीतिक और वैचारिक गतिविधियों के साथ होने जा रही है। राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चार बड़े कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिनमें संघ प्रमुख मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद करेंगे। वहीं, प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा कटनी में मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन करेंगे।

नए साल की शुरुआत में आरएसएस चार बड़े वैचारिक और सामाजिक संवाद कार्यक्रमों करने जा रहा है। 2 और 3 जनवरी को आयोजित इन कार्यक्रमों में संघ प्रमुख (सरसंघचालक) मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करेंगे। इन आयोजनों के माध्यम से संघ अपने 100 वर्ष पूरे होने के बाद देश और समाज के लिए भविष्य की दिशा और भूमिका को सार्वजनिक रूप से सामने रखेगा।

युवा संवाद में देंगे व्याख्यान

संघ के कार्यक्रमों की शुरुआत 2 जनवरी को होगी। इस दिन दो प्रमुख आयोजन होंगे। पहला युवा संवाद, जिसमें मोहन भागवत भारत को विश्व पटल पर संगठित, सशक्त और समर्थ राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में युवाओं की भूमिका पर अपना व्याख्यान देंगे। इस संवाद की विशेषता यह होगी कि भागवत युवाओं के सवालों के सीधे जवाब भी देंगे। इसी दिन प्रबुद्ध जन गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मध्य भारत प्रांत ग्वालियर, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग से एक हजार से अधिक प्रतिष्ठित, प्रभावशाली और समाज के अग्रणी लोगों को आमंत्रित किया गया है।

3 जनवरी को होंगे दो कार्यक्रम

3 जनवरी को दो अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। पहला सामाजिक सद्भाव सम्मेलन, जिसमें मोहन भागवत देश में सक्रिय विभाजनकारी ताकतों और उनके षड्यंत्रों पर संघ का दृष्टिकोण स्पष्ट करेंगे।दूसरा शक्ति (महिला) संवाद कार्यक्रम होगा, जिसमें देश की राजनीति और सामाजिक जीवन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर संघ की सोच और दिशा को सामने रखा जाएगा। संघ का कहना है कि शताब्दी वर्ष में उसने समाज की सज्जन शक्ति को साथ लेकर एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लिया है, जो विश्व के सामने आदर्श प्रस्तुत करे, संगठित, सशक्त और समर्थ भारत। इसी उद्देश्य से देश के प्रमुख शहरों में समाज के प्रभावशाली और प्रतिष्ठित वर्गों के साथ संवाद कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

अन्य राजनीतिक कार्यक्रम

इधर, शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा कटनी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन करेंगे। पांच दिन पहले जेपी नड्डा ने बैतूल और धार में पीपीपी मोड पर बनने वाले मेडिकल कॉलेजों का भूमिपूजन किया था। रविवार को जबलपुर में मराठी समाज के एक शैक्षणिक समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस शामिल होंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

कभी-कभी आपकी एक मुस्कान, मरुस्थल में जल की बूंद जैसी लाभदायक सिद्ध हो सकती है

ट्रेनों में चोरी गिरोह के महिला समेत दो गिरफ्तार

> करीब 25 लाख के चोरी के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस और आरपीएफ ने ट्रेनों में चोरी करने वाले महिला समेत दो गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 210 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए है। बरामद आभूषण का मूल्य करीब 25 लाख रुपये बताया जा रहा है।

सिकंदराबाद रेलवे पुलिस ने आरपीएफ स्टाफ के सहयोग से ट्रेनों में करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के क्षेत्र में हुई दो चोरी की घटनाओं में शामिल थे। बरामद किए गए सोने के आभूषणों की कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। गिरफ्तार किए आरोपियों में कोकिला मणिराजू (39 वर्ष), निवासी आरटी नगर, टाइमयप्पा गार्डन, बैंगलोर, कर्नाटक एक पेशेवर अपराधी हैं और पहले से ही हैदराबाद में चार संपत्ति अपराधों के मामलों में जेल जा चुकी हैं। दूसरा आरोपी दीना (27 वर्ष) निवासी अनिबिरानी स्ट्रीट, काटेरी, जोलारपेट (वी), वेल्लोर जिला, तमिलनाडु शराब और सिगरेट का सेवन करता है। लगभग एक महीने पहले उसने अपनी वित्तीय कठिनाई कोकिला के साथ साझा की, जिसके बाद दोनों ने चोरी करना शुरू किया। जानकारी के अनुसार, बीते 2 दिसंबर 2025 की रात दोनों ने ट्रेन नंबर 20811, नांदेड़ एक्सप्रेस के एसी कोच में यात्री होने का दिखावा किया। यात्रा के दौरान, जब यात्री सो रहे थे, तो दोनों आरोपियों ने दो महिला यात्रियों के बैग के ज़िप खोलकर उनके सोने के आभूषण और पर्स चोरी किए। इसके बाद वे दूसरे कोच में चले गए और चार्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरकर फरार हो गए।

हालांकि, गुरुवार को सुबह लगभग 8 बजे, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के गेट नंबर 2 के पास चोरी की नियत से घूमते हुए, दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से 210 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुआ। बरामद आभूषण का मूल्य 25 लाख रुपये बताया जा रहा है। आईआरपी/एसएचओ बी. साईएश्वर गौड़ के नेतृत्व में, एसआईआरपी/आरपीएस सिकंदराबाद एस.वी. सुब्बा रेड्डी की क्राइम टीम ने आरपीएफ स्टाफ के सहयोग से आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जगदीश रेड्डी ने सीएम रेवंत पर साधा निशान, कांग्रेस को चेतावनी

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंथ रेड्डी पर जोरदार हमला किया, उन पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की भाषा गंदे नाले से भी खराब है और बीआरएस प्रमुख के स्तर के बिल्कुल नीचे है। जगदीश ने चेतावनी दी कि आने वाले चुनावों में लोग कांग्रेस को राजनीतिक रूप से दफना देंगे और मुसी नदी में फेंक देंगे। उन्होंने सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी को भी अज्ञानी बताते हुए महबूबनगर, नलगोंडा और रंगारेड्डी जिलों में पानी के आवंटन में होने वाले अन्याय पर सवाल उठाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि विपक्ष का दायित्व है कि वह जनता के मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछे और मुख्यमंत्री की भाषा तथा शासन को जनता निर्णायक रूप से आंकेगी।

भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया क्रिसमस

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में क्रिसमस का पर्व गुरुवार को पूरे हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। शहर के प्रमुख गिरजाघरों सिकंदराबाद स्थित सेंट मैरी बेसिलिका और ऑल सेंट्स चर्च को आकर्षक रोशनी से सजाया गया, जिससे पूरा शहर उत्सवमय माहौल में डूबा रहा। नारायणगुड़ा स्थित बैपटिस्ट चर्च में विशेष प्रार्थनाएं और कार्यक्रम आयोजित किए गए। चर्च परिसर में प्रभु यीशु के जन्म से संबंधित झांकिया श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर चर्च फादर ने प्रभु यीशु के जीवन और उनके संदेशों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में हिमायत नगर की स्थानीय पार्षद महालक्ष्मी रमण गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

उन्होंने चर्च पादरी डॉ. सैमुअल के साथ मिलकर नववर्ष कैलेंडर का विमोचन किया। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने अबिड्स स्थित सेंटेनरी मेथोडिस्ट चर्च में आयोजित क्रिसमस समारोह में भाग लेकर विशेष प्रार्थनाएं कीं। उन्होंने कहा कि करुणा, प्रेम, क्षमा, धैर्य, उदारता और त्याग ये सभी संदेश प्रभु यीशु ने मानवता को दिए हैं। इधर, तेलंगाना के मेदक स्थित विश्व प्रसिद्ध कैथेड्रल चर्च में भी क्रिसमस बड़े पैमाने पर मनाया गया। मध्यरात्रि से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। चर्च प्रभारी बिशप राइट रेवरेन्ड रूबेन मार्क ने प्रथम प्रार्थना सभा में प्रवचन देते हुए सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं।

चर्चों में आयोजित क्रिसमस समारोह में टीजीआईआईसी की चेयरपर्सन शामिल

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रिसमस के अवसर पर संगारेड्डी शहर के विभिन्न चर्चों में आयोजित समारोहों में टीजीआईआईसी की चेयरपर्सन निर्मला जग्गारेड्डी ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत उन्होंने स्थानीय सरकारी अस्पताल में आयोजित क्रिसमस समारोह से की। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल कर्मचारियों और मरीजों की मौजूदगी में केक काटकर सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद निर्मला जग्गारेड्डी संगारेड्डी के मेथडिस्ट चर्च, सीएसआई चर्च, रॉक चर्च, होसन चर्च और सौंदर्य सियोन चर्च में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रमों में शामिल हुईं।

उन्होंने विशेष प्रार्थनाओं में भाग लेकर ईसाई समुदाय के लोगों को क्रिसमस की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने चर्च प्रमुखों और पादरियों के साथ मिलकर क्रिसमस केक काटा। चर्च प्रमुखों ने निर्मला जग्गारेड्डी का सम्मान भी किया। निर्मला जग्गारेड्डी ने कहा कि क्रिसमस प्रेम, शांति और सौहार्द्र का प्रतीक है, जिसे हर व्यक्ति एकता और भाईचारे के साथ मनाए। इस अवसर पर टीपीसीसी मुख्य सचिव तोपाजी अनंत किशन, कांग्रेस पार्टी टाउन अध्यक्ष जॉर्ज, क्रिश्चियन कोऑर्डिनेटर मधु, नेता कुन संतोश, चर्च प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

महिला सरपंच का कार्यकाल सिर्फ रहा 48 घंटे, हुई मौत

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सरपंच येरोल्ला अक्कम्मा का कार्यकाल 48 घंटे से भी कम समय तक चला, क्योंकि बुधवार को न्यालकल मंडल के मिर्जापुर में अपने घर पर बीमारी के कारण उनकी मौत हो गई। 58 साल की महिला को कांग्रेस पार्टी का समर्थन था और वह 141 वोटों के भारी बहुमत से सरपंच चुनी गई थीं। उन्होंने सोमवार को ग्राम पंचायत परिसर में वार्ड सदस्यों के साथ शपथ ली थी। हालांकि, अक्कम्मा की तबीयत खराब हो गई और बुधवार को उन्होंने अपने घर पर आखिरी सांस ली, जिससे पूरा गांव सदमे में है। सरपंच की मौत के बाद चुनाव अधिकारियों को जल्द ही गांव में सरपंच पद के लिए दोबारा चुनाव करवाना होगा।

एलबी नगर में पूर्व पीएम वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में त्रिपुरा राज्यपाल नल्लू इंद्रसेन रेड्डी ने लिया भाग

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का एलबी नगर में उनके 101वें जन्मदिन के अवसर पर अनावरण किया गया, जो अटल स्मृति वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में त्रिपुरा राज्यपाल नल्लू इंद्रसेन रेड्डी, भाजपा तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, सांसद ईटेला राजेंद्र और वरिष्ठ पार्टी नेता उपस्थित रहे। रामचंदर राव ने इस अवसर पर कहा कि वाजपेयी की जन्मतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करना गर्व का क्षण है, जिसे पूरे देश में अच्छे शासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने प्रतिमा स्थापना में योगदान देने वाले दाताओं और समिति सदस्यों का धन्यवाद किया। रामचंदर राव ने वाजपेयी को मूल्य आधारित राजनीति का प्रतीक बताते हुए कहा कि विरोधियों की कड़ी आलोचना करते समय भी वे व्यक्तिगत अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं करते थे। उन्होंने संसदीय परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने भी वाजपेयी की भाषणकला की प्रशंसा की थी, भले ही वे आलोचना करते रहे। ऐसी राजनीतिक संस्कृति आज तेलंगाना में दुर्भाग्यवश गायब है, जहां आलोचना के नाम पर अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है।, रामचंदर राव ने वाजपेयी के नैतिक नेतृत्व को उजागर करते हुए कहा कि जब उनकी सरकार केवल एक वोट से हार गई थी, तब उन्होंने सत्ता छोड़ दी, जबकि उन्हें संभावित समर्थन प्राप्त था। उन्होंने गोल्डन क्वाड्रिलैटरल हाईवे परियोजना, गरीबों के लिए आवास और सामाजिक न्याय के मजबूत आधार जैसी परिवर्तनकारी पहलों में वाजपेयी के योगदान की भी सराहना की। रामचंदर राव ने कहा कि वाजपेयी का दृष्टिकोण आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, विशेष रूप से बुनियादी ढांचा और विकास कार्यक्रमों में जीवित है। उन्होंने वाजपेयी को युवाओं के लिए आदर्श बताते हुए जनता से उनके अद्वितीय योगदान को याद रखने का आह्वान किया।

शमशाबाद में अज्ञात लोगों ने नाई की हत्या की

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात शमशाबाद में अज्ञात लोगों ने एक नाई की हत्या कर दी। मोइनाबाद के वेंकटपुर गांव का रहने वाला जंपुला महेश (24) शमशाबाद के कावेलीगुडा गांव में हेयर कटिंग सैलून चलाता था। बुधवार को वह गांव के बाहरी इलाके में चोटों के साथ मृत पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, संदिग्धों ने महेश का गला धारदार हथियार से काटकर उसकी हत्या कर दी। हम जांच कर रहे हैं और हमलावरों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

पंचायत चुनाव वोट के मामले को लेकर युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मोकिला में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे हाल ही में रंगारेड्डी जिले में हुए पंचायत चुनावों के दौरान बीजेपी पार्टी के सरपंच उम्मीदवार को वोट न देने पर डांटा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, रंगारेड्डी जिले के शंकरपल्ली मंडल के गोकुलाराम गांव का रहने वाला अनिल कुमार (25) अपने परिवार के साथ रहता था। अनिल कुमार के परिवार वालों ने आरोप लगाया कि दो दिन पहले, एक स्थानीय व्यक्ति साई कुमार उर्फ सैलू, जिसने सरपंच का चुनाव लड़ा था और हार गया था। उसने कथित तौर पर अनिल कुमार को उसे वोट न देने पर डांटा था। परिवार ने आरोप लगाया, अनिल कुमार को अपमान महसूस हुआ और वह डिप्रेशन में चला गया, और उसने घर में फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर मोकिला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एक मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

एससीआर ने हैदराबाद-मुंबई के लिए स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रिसमस और नए साल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, साउथ सेंट्रल रेलवे ने हैदराबाद और एलटीटी मुंबई के बीच स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, एससीआर ने कहा कि ट्रेन नंबर 07458 हैदराबाद -एलटीटी मुंबई 28 दिसंबर को शाम 5.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10.40 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 07459 एलटटी मुंबई- हैदराबाद 29 दिसंबर को दोपहर 3.20 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 9 बजे पहुंचेगी। ये स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में बेगमपेट, लिंगमपल्ली, विकाराबाद, तांदूर, वाडी, कालाबुरागी, सोलापुर, पुणे और कल्याण स्टेशनों पर रुकेंगी। इन स्पेशल ट्रेनों में एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ईगल फोर्स ने चार गांजा तस्करों को पकड़ा

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की ईगल फोर्स ने मेडिपल्ली में चार ड्रग तस्करों को पकड़ा और उनके पास से तीन किलोग्राम गांजा जब्त किया। एक सूचना के आधार पर, टीम ने गुंडला पृथ्वीराज, टी राहुल, एमडी अकरम और अब्दुल शफी को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, चेंगीचेरला का रहने वाला पृथ्वीराज अपने तीन साथियों की मदद से विजियानगरम से गांजा लाकर शहर में ग्राहकों को बेच रहा था। चारों संदिग्धों को जब्त सामान के साथ आगे की कार्रवाई के लिए मेडिपल्ली पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

राउडी शीटर तब्बू पर पीडी एक्ट लागू

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पुलिस ने मोहम्द तब्बू उर्फ़ तबरेज़ (29) पर सार्वजनिक डिस्टर्बेंस एक्ट (पीडी एक्ट) लागू किया। तब्बू, जो पहले रैन थाना क्षेत्र का राउडी शीटर था और वर्तमान में भवानीनगर में, हत्या, जानलेवा हमला और शारीरिक हमले जैसे मामलों में संलिप्त है। पुलिस के अनुसार, तब्बू के खिलाफ कई मामले दर्ज है। अधिकारियों ने बताया कि तब्बू वर्तमान में चंचलगुड़ा जेल में बंद है। पुलिस ने इस कार्रवाई को राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए अहम कदम बताया।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर जताई नाराजगी

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ टिप्पणियों को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि उच्च पद पर बैठे नेताओं को अपनी भाषा पर संयम रखना चाहिए। संजय ने कहा कि यदि ऐसे बयानों का बार-बार प्रयोग होता है, तो मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा प्रभावित होगी। उन्होंने केसीआर पर जल-साझेदारी और कच्चे फैसलों से राज्य में उत्पन्न समस्याओं का आरोप लगाया और वर्तमान कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार और भूमि बेचने के गंभीर आरोप लगाए।

राज्यपाल ने अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सिकंदराबाद स्थित वाजपेयी पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद उन्होंने लोक भवन में पुष्पांजलि अर्पित कर सुशासन दिवस के रूप में जयंती मनाई। राज्यपाल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक दूरदर्शी राजनेता, प्रभावशाली सांसद और ऐसे नेता थे जिन्होंने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता को सशक्त किया।

हाईकोर्ट के पास चीनी मांजा में फंसी गौरैया, फायर ब्रिगेड ने बचाया

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाईकोर्ट बिल्डिंग के गेट नं.3 के पास एक गौरैया चीनी मांजा में फंस गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और जिला फायर अधिकारी टी. वेंकन्ना और स्टेशन फायर अधिकारी के. राजकुमार के नेतृत्व में घायल पक्षी को सुरक्षित बचाया। फायरब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई की जनता ने सराहना की।

सड़क हादसे में चार महिलाओं की मौत

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र में हुए एक सड़क हादसे में कुमुरम भीम आसिफाबाद जिले की चार महिलाओं की मौत हो गई। यह दुर्घटना बुधवार देर रात देवाड़ा-सोंडो के पास हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कागजनगर निवासी जाकिर का परिवार नागपुर इलाज के लिए गया था। लौटते समय उनकी कार अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। हादसे में जाकिर की पत्नी सलमा बेगम, बेटी शबरीन तथा रिश्तेदार अफगा बेगम और सहारा की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें चंद्रपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

क्रिसमस समाज में भाईचारा और सेवा की भावना को मजबूत करता है : स्वामी

क्रिसमस समारोह गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय सेवा संगठन 'ब्लिसबर्ग फ्यूचर ऑफ होप' के तत्वावधान में में क्रिसमस समारोह गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित किया गया। विभिन्न कॉर्पोरेट संगठनों के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और क्रिसमस का संदेश साझा किया, जिसमें प्रेम, शांति और मानवता की सेवा जैसे मुख्य ईसाई मूल्यों की झलक दिखाई दी। मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए बीसी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डुंद्रा कुमार स्वामी ने कहा कि क्रिसमस ऐसा उत्सव है जो समाज में भाईचारा, एकता और सेवा की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मानवता को धार्मिक सीमाओं से ऊपर रखकर जीवन का मार्गदर्शन करना चाहिए और लोगों से सामाजिक समरसता और सकारात्मक परिवर्तन के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने में रचनात्मक भूमिका निभाते हैं। जीनसिस इन्फो एक्स, विनय सारिकोंडा और प्रोफेसर राजेश्वरी के प्रतिनिधियों ने भी समारोह में भाग लिया और इस अवसर पर क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं।

एनएचआरसी ने स्कूल शिक्षा सचिव योगिता के खिलाफ नाराजगी जताई

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. योगिता राणा के खिलाफ चौधरी शैलजा की मौत के मामले में रिपोर्ट जमा करने में लापरवाही दिखाने पर नाराजगी जताई है। यह छात्रा वांकिडी मंडल केंद्र के एक आश्रम स्कूल में दूषित खाना खाने के बाद मर गई थी, जबकि नवंबर 2024 में करीब 60 लड़कियां बीमार पड़ गई थीं। आयोग ने बुधवार को योगिता को नोटिस जारी कर रिपोर्ट मांगी है। नोटिस के अनुसार, एनएचआरसी ने वकील रमा राव इमानेनी द्वारा दायर एक याचिका पर इस मामले को उठाया और पाया कि सरकारी गुरुकुल स्कूलों में फूड पॉइजनिंग के 866 मामले हुए थे। आयोग ने पहले डॉ. योगिता राणा को रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था, लेकिन सरकार ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। नोटिस में कहा गया है कि आयोग ने मामले की दोबारा जांच की और रिपोर्ट जमा न करने पर गहरी नाराजगी जताई। आयोग ने चेतावनी दी है कि अगर दो हफ्तों के अंदर पूरी रिपोर्ट जमा नहीं की गई तो धारा 13 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कोडंगल में रेवंत का राजनीतिक पतन शुरू हो गया है : विवेकानंद

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस व्हिप केपी विवेकानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का राजनीतिक पतन उनके कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में शुरू हो गया है, और उनकी अपमानजनक टिप्पणियां खुद के लिए अभिशाप बन गई हैं। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ मुख्यमंत्री की अपमानजनक भाषा की कड़ी निंदा की। बीआरएस शासन के दौरान कोई विकास नहीं होने के रेवंत रेड्डी के दावों का मजाक उड़ाते हुए, विवेकानंद ने कहा कि एसएलबीसी परियोजना के तहत लगभग 80 प्रतिशत काम चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान पूरे हुए थे। उन्होंने कांग्रेस सरकार को चुनौती दी कि वह बताए कि उसने कितनी फंडिंग जारी की है और पिछले दो सालों में एसएलबीसी, पालमुरु-रंगारेड्डी, कलवाकुर्थी और कोडंगल जैसी परियोजनाओं पर कितनी प्रगति हुई है। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर सम्मान से बोलने का दावा करते हुए बार-बार व्यक्तिगत अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग शर्मिंदा हैं कि ऐसी अपमानजनक भाषा वाला व्यक्ति मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा है। विवेकानंद ने कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से ज़मीन की कीमतों और रियल एस्टेट गतिविधि में भारी गिरावट का भी हवाला दिया, जिससे रियल एस्टेट कारोबारियों में निराशा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस मतदाताओं को गुमराह करके सत्ता में आई है और चेतावनी दी कि पार्टी को आने वाले चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि लोग एक बार फिर केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना का भविष्य वापस पाने के लिए तैयार हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, S SHYAMALA, M/o: Nk/Lab Asst SITTRARASU S, R/o: 109 BIG STREET, CHITTERI VILLAGE & POST, ARAKKONAM, RANIPET, TAMILNADU - 631003 has changed myname from S SHYAMALA TO SHYAMALA S Vide affidavit dt.13/12/25

I, Anitha, Spouse of NK, Late, Methry Rajeshekhar, R/o, Dist: Sangareddy, Telangana, changed my name from Anitha to Anitha N, vide Affidavit No BN 820673 dt. 23.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Padma Kote, Spouse of No. 14512705X, Ex NK, Gorentla Koteswara Rao, R/o, Dist; Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Padma Kote to Gorantla Padmavathi, vide Affidavit No. BN 820679 dt. 23.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीवान में 390 पेटी नकली सील पैक पानी जब्त

सीवान, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में नकली सील पैक पानी के गोरखधंधे का बड़ा खुलासा हुआ है। पचरुखी थाना पुलिस ने क्लियर कम्पनी की शिकायत पर पचरुखी बाजार स्थित एक गोदामनुमा स्थान पर छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली सील पैक पानी बरामद किया। छापेमारी के दौरान पुलिस और कम्पनी के अधिकारी उस समय सन्न रह गए, जब गोदाम के भीतर से नल का पानी भरकर तैयार की गई क्लियर कम्पनी की नकली बोतलें, खाली बोतल, स्टीकर, पैकिंग मशीन, कम्प्रेशर सहित अन्य कच्चा माल मिला।

क्लियर कम्पनी के स्टाफ सुजीत ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बाजार में क्लियर ब्रांड के पानी की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। जांच करने पर पता चला कि पचरुखी बाजार निवासी शिवजी सिंह द्वारा नकली पानी की बोतलें तैयार कर बाजार में सप्लाई की जा रही हैं। इसके बाद पचरुखी थाना पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस के सहयोग से छापेमारी की गई।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने की सीएम विवेकाधीन कोष की सराहना, सीएम योगी ने जताया आभार

लखनऊ, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दिन अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान सत्ता और विपक्ष के बीच सकारात्मक संवाद देखने को मिला। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय द्वारा मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष की खुले मंच से प्रशंसा के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आभार जताते हुए पूर्ववर्ती सरकार की नीतिगत विफलताओं और घोटालों को सदन के सामने रखा। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष योजना की सराहना की।

उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इसके माध्यम से न केवल सत्ता पक्ष बल्कि विपक्ष के विधायकों की

संस्तुतियों पर भी जरूरतमंदों को सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना से मुस्लिम समाज के लोग भी समान रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के वक्तव्य पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका आभार व्यक्त किया, लेकिन अपने संबोधन में उन्होंने समाजवादी पार्टी के कार्यकाल के दौरान हुए घोटालों और प्रशासनिक लापरवाहियों का उल्लेख भी किया।

मुख्यमंत्री ने गिनाए घोटाले और अनियमितताएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। अनेक छात्रों की स्कॉलरशिप रोकी गई या समय पर नहीं दी गई, जिससे गरीब और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को गंभीर नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने पेंशन योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पहले दिव्यांगजन, निराश्रित महिलाएं और वृद्धजन केवल 300 से 750 की अधूरी और अनियमित पेंशन पाते थे, जबकि वर्तमान सरकार डीबीटी के माध्यम से पारदर्शी व्यवस्था के तहत सालाना 12,000 सीधे उनके खातों में भेज रही है।

2017 से पहले की लापरवाही के कारण प्रदेश विकास की दौड़ में पीछे रहा- सीएम योगी मुख्यमंत्री योगी ने सड़क निर्माण योजनाओं में 'टोकन मनी' की व्यवस्था को भी गंभीर अनियमितता बताया। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना को स्वीकृति देकर मात्र 1 लाख जारी किया जाता था, जिससे कार्य ठप रहता था और योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती थीं। मुख्यमंत्री ने बिजली उत्पादन, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में भी पिछली सरकार की नीतियों को विफल बताया और कहा कि 2017 से पहले की लापरवाही के कारण प्रदेश विकास की दौड़ में पीछे रह गया था।

'बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के जान-माल का खतरा, पड़ोसी देश में हो रही हिंसा पर बोलीं मायावती

लखनऊ, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश इस समय राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहा है और कई शहरों में माहौल हिंसात्मक हो गया है। कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद काफी आक्रोश देखने को मिला है। अब इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- जैसा कि सर्वविदित है कि अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के जान, माल व मजहब को जिस प्रकार से साम्प्रदायिक हिंसा का शिकार बनाकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उससे अपने देश में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी चिन्ता की लहर है तथा अभी हाल ही में वहां एक दलित युवक की जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है। उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है, जिसका भारत सरकार को तुरन्त समुचित संज्ञान लेकर आगे हर स्तर पर कुछ और भी अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की देश को आशा है और यही समय की माँग भी लगती है। पूर्व सीएम मायावती ने कहा- वैसे तो अपने देश में भी खासकर दलितों व आदिवासियों आदि पर सदियों से होने वाली जातिवादी द्वेष, जुल्म-ज़्यादती, शोषण व तिरस्कार आदि रुका नहीं है बल्कि हर स्तर पर लगातार जारी है तथा उनकी सुरक्षा को लेकर बने कानूनों को एक प्रकार से निष्क्रिय ही बना दिया गया है। किन्तु पड़ोसी देश बांग्लादेश में इसी प्रकार की होने वाली जुल्म-ज्यादती कोई कम गंभीर बात नहीं है बल्कि यह अति-दुखद व चिन्ता की बात है। बसपा चीफ ने कहा कि ₹पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति को लेकर खासकर देश में लोगों की चिन्ताएं लगातार बनी रहती हैं और इस मामले में सरकार अपनी भूमिका भी निभाने का प्रयास करती रहती है। किन्तु हाल के दिनों में बांग्लादेश में जिस प्रकार से भारत व हिन्दू विरोधी घटनाएं घटित हो रही हैं उसको लेकर केन्द्र सरकार को लोगों की अपेक्षा के अनुसार और भी अधिक सक्रियता एवं प्रभावी कदम उठाने की जरूरत लग रही है जिसको लेकर जनता का समर्थन अवश्य ही सरकार के साथ होगा, सरकार उचित ध्यान दे।

हिजाब विवादः आम्रपाली दुबे की नीतीश कुमार पर प्रतिक्रिया, 'सटीक कार्रवाई करनी चाहिए'

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हिजाब खींचे जाने के मामले में काफी विवादों में घिरे रहे। विपक्ष एक तरफ हमला करता रहा और कार्रवाई की मांग करता रहा तो इसी बीच अब भोजपुरी की एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे ने बड़ा बयान दिया है। पटना में मीडिया से बातचीत में उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर दी। मीडिया ने सवाल किया कि बिहार में हिजाब को लेकर विवाद चल रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक महिला का हिजाब खींचा था। इस पर आम्रपाली दुबे ने कहा, मैं हमेशा से विश्वास करती हूं कि आपका पहनावा आपकी चॉइस होती है। कुछ जगहें होती हैं तो उस जगह की भी अपनी कुछ गरिमा होती है। मुझे लगता है कि अगर ऐसी कोई चीज हुई है जिससे किसी की भावना को ठेस पहुंचा है तो उसके ऊपर सटीक कार्रवाई करनी चाहिए। इंसाफ मिलना चाहिए। मैं तो यही कहूंगी।

'नितिन नबीन से मिलने की कोशिश करेंगे'

बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को लेकर भी आम्रपाली दुबे ने प्रतिक्रिया दी। आम्रपाली दुबे ने मीडिया से कहा, बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। हम जब पटना पहुंचे सब जगह हमारे पटना के नितिन नबीन जी का जब पोस्टर देख रहे थे... उनके अभिनंदन समारोह की तैयारी देख रहे थे तो बहुत ज्यादा गर्व हो रहा था... मेरे कई दोस्त यहीं से हैं जिन्होंने मुझे उनकी यात्रा के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने राजनीति शुरू की और कैसे आज उनको ये जिम्मेदारी मिली है।

शुभकामनाएं हैं। बहुत जल्दी कोशिश करेंगे कि उनसे मिलें। बिहार में भी एक फिल्म के लिए कुछ अच्छा हो हम सब ये कामना करेंगे। बता दें कि जिस महिला चिकित्सक (नुसरत परवीन) का नीतीश कुमार ने नियुक्ति पत्र देते समय हिजाब हटाने का प्रयास किया था उसने अभी तक नौकरी ज्वाइन नहीं की है। ज्वाइनिंग के लिए 31 दिसंबर तक की तारीख है। अब देखना होगा कि वे नौकरी ज्वाइन करती हैं या नहीं।

ड्रग्स माफियाओं पर पुलिस का बड़ा वार, 500 ग्राम ड्रग्स-चरस, 12 लाख नकद और हथियार हुए बरामद

मनेर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र में ड्रग्स कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स माफियाओं के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। गुप्त सूचना के आधार पर दानापुर डीएसपी-2 अमरेंद्र कुमार झा के नेतृत्व में मनेर पुलिस ने मनेर सरकारी अस्पताल मोड़ के पास ड्रग्स माफियाओं के तीन से चार घरों में छापा मारकर भारी मात्रा में मादक पदार्थ, नकदी और हथियार बरामद किए हैं।

पुलिस की इस कार्रवाई में करीब 500 ग्राम ड्रग्स, 500 ग्राम चरस, एक देसी कट्टा, कुछ मैगजीन, लगभग 12 लाख रुपये नकद, इसके अलावा सोने-चांदी के गहने बरामद किए गए हैं। छापेमारी के दौरान एक महिला समेत कुल पांच लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है।

डिम्पल यादव ने मैनपुरी में परीक्षण शिविरों की मांग की

दिव्यांगों-बुजुर्गों को सहायक उपकरण मिलेंगे

मैनपुरी, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी से सांसद डिम्पल यादव ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने लोकसभा क्षेत्र में एडीप और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत परीक्षण कैंप आयोजित करने का अनुरोध किया है। सांसद ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मैनपुरी क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों की अत्यधिक आवश्यकता है।

इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक उपकरण प्रदान करने की योजना है। डिम्पल यादव ने प्रस्ताव दिया है कि ये शिविर 17 जनवरी से 17 फरवरी, 2026 के बीच आयोजित किए जाएं। उन्होंने एलिम्को, कानपुर को इसके लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया है। शिविरों के सफल संचालन के लिए, मैनपुरी के जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी जिला स्तर पर समन्वय स्थापित करेंगे।

कऊवा बिरयानी जैसा हो गया खेल, राहुल बनकर राशिद बेच रहा था हड्डी वाली वेज बिरयानी

गाजियाबाद, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड की फिल्म रन का वो सीन तो आपको याद होगा जिसमें विजय राज को वेज बिरयानी के नाम पर कऊवा बिरयानी खिला दी गई थी। रील लाइफ का वो कॉमेडी सीन गाजियाबाद के लोनी में रियल लाइफ का ट्रैजेडी सीन बन गया है। लोनी बॉर्डर इलाके में अनिल शर्मा नाम के एक व्यक्ति आरके बिरयानी रेहड़ी से वेज बिरयानी पैक कराकर घर ले गए। उन्होंने ये सोचकर वेज बिरयानी पैक कराई कि घर वाले इसे खाकर खुश हो जाएंगे। लेकिन जैसे ही परिवार की महिलाओं ने खाना शुरू किया वेज बिरयानी के अंदर हड्डी देखकर हड़कंप मच गया। ऐसे में जब अनिल शर्मा बिरयानी की थैली लेकर रेहड़ी वाले के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि बिक्रेता का असली नाम राशिद है। इस मामले को लेकर लोगों के बीच कफी नाराजगी है। फिलहाल पुलिस राशिद को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में टीचर की गोली मारकर हत्या

अलीगढ़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) कैंपस में रात एक टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रोज की तरह टीचर खाना खाने के बाद टहलने निकले थे। टीचर अपने दो अन्य साथियों के साथ मौलाना आजाद लाइब्रेरी की कैंटीन पहुंचे। तभी बाइक से आए दो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। गोली चलने से कैंटीन में मौजूद छात्रों में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान बदमाशों ने टीचर को मार दी। गोली सीधे सिर में जा लगी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल टीचर को तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बाघ का आतंकः रुपईडीहा से नवाबगंज पहुंचा, हमले में दो ग्रामीण हुए घायल, कॉबिंग में जुटी टीमें

बहराइच, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बहराइच के रुपईडीहा क्षेत्र में दहशत फैलाने के बाद बृहस्पतिवार सुबह बाघ ने नवाबगंज इलाके में दस्तक दे दी है। सुबह करीब 6:30 बजे ग्राम पंचायत चनैनी में गांव के बाहर शौच के लिए गई महिलाओं ने बाघ को देखकर शोर मचाया। महिलाओं को बचाने दौड़े दो ग्रामीणों पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव में अफरा-तफरी का माहौल है। वन विभाग की टीम कॉबिंग में जुटी है।

मुस्लिम युवक ने हिंदू युवती का बनाया अश्लील वीडियो; ब्लैकमेल कर 6 साल तक करता रहा रेप

फतेहपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से लव-जिहाद का एक मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम युवक ने विशाल नाम रखकर हिंदू युवती को अपने प्रेम के जाल में फंसाया। इसके बाद शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं आरोप है कि इस दौरान युवक ने अश्लील वीडियो भी बनाया। इसके बाद ब्लैकमेल कर 6 साल तक उसके साथ रेप करता रहा। मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

भाकियू प्रवक्ता टिकैत की चेतावनी

दिल्ली का कूड़ा शहर में नहीं खपने देंगे, ट्रकों में भाला घोंप देंगे किसान

मुजफ्फरनगर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि दिल्ली का कूड़ा शहर में नहीं खपने दिया जाएगा। चेतावनी दी गई कि कूड़ा लेकर आने वाले ट्रकों के टायर में किसान भाला घोंप देंगे। 26 दिसंबर को जिला पंचायत सभागार में किसानों, फैक्ट्री संचालकों और प्रशासन के अधिकारियों की बातचीत होगी। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। कूड़ा वाहन के प्रवेश पर रोक के बोर्ड लगाए जाने चाहिए। ग्रीन और क्लीन मुजफ्फरनगर के लिए क्षेत्र के लोगों को ही आगे आकर अपनी पहल करनी होगी। भोपा रोड पर जट मुझेड़ा में प्रदूषण के मुद्दे पर संगठन ने क्षेत्र के ग्रामीणों की पंचायत बुलाई। टिकैत ने कहा कि क्षेत्र के छह से अधिक गांवों के लोगों का प्रदूषण के कारण जीना मुहाल है। क्षेत्र के लोगों को ही भविष्य का फैसला करना है। भोपा रोड से डस्ट और मिट्टी हटवाई जानी चाहिए। टाइल्स लगवाई जाए। वैक्यूम वाली गाड़ी की व्यवस्था होनी चाहिए। सर्विस रोड पर काम होना चाहिए। बाहरी राज्यों से आने वाला कचरा बंद होना चाहिए। टायर वाली फैक्ट्री मुजफ्फरनगर में नहीं चलने दी जाएगी। अध्यक्षता परमजीत सिंह और संचालन देव अहलावत एवं हैप्पी बालियान ने किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष नवीन राठी, धीरज लाटियान, प्रेमपाल सिंह, रविंद्र सिंह, योगेश शर्मा, श्यामपाल सिंह, विजय शास्त्री मौजूद रहे।

इस तरह बातचीत पर बनी सहमति

जट मुझेड़ा पंचायत के बीच एसडीएम सदर प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक पर्यावरण अभियंता संतोष कुमार और एआरटीओ प्रवर्तन सुशील मिश्रा किसानों के बीच पहुंचे। आश्वासन दिया कि कानून का सख्ती से पालन कराया जाएगा। किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के बाद 26 दिसंबर को संवाद पर सहमति बन गई।

फैक्टरी के गेट पर ना जाएं किसान, मालिक बादशाह नहीं: टिकैत

भाकियू प्रवक्ता ने किसानों से कहा कि किसी भी फैक्टरी के गेट पर ना जाएं। फैक्टरी मालिक कोई बादशाह नहीं है। प्रशासन की जिम्मेदारी है, वह क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान कराएगा। क्षेत्र के लोगों को सख्त रवैया अपनाना होगा।

बड़ा रेल हादसा, एक बाइक पर सवार पांच लोग ट्रेन की चपेट में, सभी की मौके पर मौत

शाहजहांपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से एक बड़ा रेल हादसा सामने आया है। थाना रोजा क्षेत्र में एक भीषण रेल हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रोजा स्टेशन के पास उस समय हुआ, जब एक ही बाइक पर सवार दो पुरुष, एक महिला और दो बच्चे पैदल निकलने वाले रेलवे रास्ते से पटरियां पार कर रहे थे। बाइक से पटरी पार करते समय वहां तेज रफ्तार से गुजर रही मालगाड़ी आ गई, जिसकी चपेट में आने से सभी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस और सिविल पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस ने पांचों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस प्रशासन द्वारा घटनास्थल की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान लापरवाही की बात सामने आ रही है। मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

2 लड़कियों ने मंदिर में की शादी गैस चूल्हे से लिए सात फेरे

सुपौल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के सुपौल जिले से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने सामाजिक परंपराओं को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। त्रिवेणीगंज नगर परिषद क्षेत्र में एक मॉल में काम करने वाली दो युवतियों ने समाज की परवाह किए बिना आपसी सहमति से समलैंगिक विवाह कर लिया है। ताज्जुब की बात यह है कि इस शादी में किसी अग्नि कुंड के बजाय गैस चूल्हे को साक्षी मानकर सात फेरे लिए गए। जानकारी के मुताबिक, इस प्रेम कहानी की शुरुआत करीब दो साल पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। मधेपुरा जिले की पूजा गुप्ता (21 वर्ष) और काजल कुमारी (18 वर्ष) की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। पिछले दो महीनों से दोनों त्रिवेणीगंज के वार्ड नंबर- 18 में एक किराए के कमरे में साथ रह रही थीं और एक स्थानीय मॉल में साथ काम करती थीं। देर रात दोनों चुपचाप त्रिवेणीगंज मेलाग्राउंड स्थित एक मंदिर पहुंचीं। वहां उन्होंने सादे तरीके से विवाह की रस्में पूरी कीं। इस अनोखी शादी में पूजा गुप्ता ने 'दूल्हे' की भूमिका निभाई, जबकि काजल कुमारी 'दुल्हन' बनी।

शादी के बाद जैसे ही उन्होंने अपना वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, यह देखते ही देखते पूरे जिले में वायरल हो गया। सुबह यह खबर मोहल्ले में फैली, तो लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। मीडिया और स्थानीय लोगों से बातचीत के दौरान दोनों युवतियों ने बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि उन्हें लड़कों में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनका यह रिश्ता पूरी तरह भावनात्मक जुड़ाव पर आधारित है। उन्होंने एक-दूसरे के साथ जीने-मरने की कसमें खाई हैं और वे अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीना चाहती हैं। दोनों ने यह भी साझा किया कि उन्हें शारीरिक संबंधों से अधिक लगाव अपने आपसी साथ से है।

प्रियंका गांधी को कांग्रेस की कमान? कुशवाहा क्यों बोल पड़े- राहुल पर अब भरोसा नहीं

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को वर्ष 2026 में पार्टी के भीतर कोई बड़ी और अहम जिम्मेदारी मिलने की सुगबुगाहट ने बिहार के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। कांग्रेस नेताओं के बयान से एक ओर जहां प्रियंका को बड़ी भूमिका देने की मांग उठ रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे राहुल गांधी की 'विफलता' के रूप में पेश कर रहा है। प्रियंका गांधी फिलहाल बिना किसी विशिष्ट पोर्टफोलियो के महासचिव की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

साल 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में हार के बाद उनसे यूपी प्रभारी का पद वापस ले लिया गया था। सूत्रों के अनुसार, अब उन्हें किसी एक राज्य तक सीमित रखने के बजाय 'कैंपेन कमेटी प्रमुख' या 'इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी' जैसा कोई नया और प्रभावशाली पद दिया जा सकता है। इस बीच, प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा और यूपी से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयानों ने नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को हवा दे दी है। जहां मसूद ने उन्हें पीएम पद का दावेदार बताया, वहीं वाड्रा ने कहा कि जनता की ओर से प्रियंका को बड़ी भूमिका में देखने की मांग लगातार बढ़ रही है। रॉबर्ट वाड्रा के बयान को राजनीतिक जानकार कांग्रेस अध्यक्ष पद की ओर इशारे के रूप में देख रहे हैं।

वाड्रा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर कड़े सवाल उठाए हैं। कुशवाहा ने कहा, 'रॉबर्ट वाड्रा जिस तरह प्रियंका गांधी को आगे लाने की बात कह रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि अब खुद कांग्रेस को ही राहुल गांधी के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा।' कुशवाहा ने आगे तंज कसते हुए कहा कि प्रियंका हों या राहुल, कांग्रेस का कोई भी नेता अभी वर्षों तक प्रधानमंत्री की कुर्सी तक नहीं पहुंच पाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित है और आगे भी यही स्थिति बनी रहेगी।

राहुल गांधी के बर्लिन में भारतीय संस्थानों की आलोचना किए जाने पर भी उपेंद्र कुशवाहा ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी को यह बात कब समझ आएगी कि देश की बात देश में ही की जानी चाहिए। विदेश में जाकर अपने ही सिस्टम की आलोचना करना आपत्तिजनक है।' कुशवाहा ने कहा कि जनता ने पहले भी उनकी ऐसी बातों का जवाब दिया है और आगे भी उन्हें इसका परिणाम भुगतना होगा।

बिहार में बीजेपी नेता की हत्या के बाद निशाने पर सम्राट चौधरी, आरजेडी बोली- जनता भगवान-भरोसे

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में लॉ एंड ऑर्डर पर सियासत शुरू हो गई है। बीते बुधवार (24 दिसंबर, 2025) को एक तरफ जहां उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए यह कहा था कि मेरा काम कचरा साफ करना है वह मैं कर रहा हूं। कुछ अपराधी बिहार छोड़कर भाग रहे हैं और जो बचे हुए हैं उन्हें तीन महीने में भगा दूंगा। एक तरफ उन्होंने यह बयान दिया तो दूसरी ओर समस्तीपुर में बुधवार की शाम बीजेपी नेता रूपक सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस पर आरजेडी ने सम्राट चौधरी को निशाने पर लिया है। रूपक सहनी की गोली मारकर हत्या को लेकर गुरुवार (25 दिसंबर, 2025) को आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था चौपट है। आम जनता भगवान-भरोसे है। यह सरकार जब बीजेपी नेता को ही सुरक्षा नहीं दे पा रही तो आम जनता को कहां से देगी?

बीजेपी बोली- रूपक सहनी की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण

उधर बीजेपी ने आरजेडी के आरोपों पर पलटवार किया। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने समस्तीपुर में बीजेपी नेता रूपक सहनी की हुई हत्या पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मामले पर राजनीति ना करे। पुलिस के एक्शन में कहीं कोई कमी नहीं है।

फिलहाल इस घटना पर भले राजनीति शुरू हो गई है लेकिन देखना होगा कि सम्राट चौधरी अपने दावे के अनुसार अगले तीन महीने में किस तरह अपराध को कंट्रोल कर पाते हैं। लगातार वे पहल कर रहे हैं। बिहार में अभया ब्रिगेड का भी गठन किया गया है। बता दें कि समस्तीपुर में जिस बीजेपी नेता रूपक सहनी का मर्डर हुआ है वह पंचायत अध्यक्ष थे। पुलिस हत्या के मामले की जांच कर रही है। देखना होगा कि कब तक मामले का खुलासा होता है।

रील विवाद मामले को लेकर पूर्व सीएम हरीश रावत का भाजपा मुख्यालय कूच, पुलिस ने रोका तो धरने पर बैठे

देहरादून, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आज सोशल मीडिया पर वायरल एआई से बनाए गए वीडियो के विरोध में भाजपा मुख्यालय तक एकांकी मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। वहीं, हरीश रावत सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। हरीश रावत ने आरोप लगाया कि समाज में झूठ फैलाने के लिए उनका एआई के द्वारा बनाया गया वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचारित किया। कहा प्रदेश सरकार ने बेरोजगार युवाओं से कुछ विभागों की भर्ती कराने का वादा किया था। लेकिन यह वादा पूरा नहीं हुआ। सरकारी नौकरी की आस लगाए युवाओं की उम्र पार होती जा रही है। उन्होंने चेताया कि सरकार ने एक माह के अंदर अपने वादे को पूरा करने के लिए आगे नहीं बढ़ी तो 30 जनवरी, 2026 को गांधी पार्क में 24 घंटे का धरना दूंगा।

तेजाब से जला हुआ चेहरा, करानी पड़ीं 18 सर्जरी

16 साल से इंसाफ का इंतजार कर रहीं शाहीन के आरोपी कैसे हो गए बरी?

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने 2009 के एसिड अटैक मामले में तीन लोगों को बरी कर दिया। एडिशनल सेशंस जज जगमोहन सिंह ने सबूतों की कमी के कारण यशविंदर, मनदीप मान और बाला को माफ किया। तीनों पर पानीपत की एमबीए स्टूडेंट शाहीन मलिक पर एसिड अटैक करने के लिए एक नाबालिग के साथ साजिश रचने का आरोप था। जिस नाबालिग ने पीड़ित पर एसिड से हमला किया था, उसे 17 दिसंबर 2015 को दोषी ठहराया गया था। आईपीसी की धारा 326 (खतरनाक हथियारों या तरीकों से जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाना) और 308 (गैर इरादतन हत्या की कोशिश) के तहत कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया था।

पीड़िता की वकील ने क्या कहा?

फैसले के बाद पीड़िता की वकील मडियाह शाहजर ने कहा, रोहिणी कोर्ट ने मामले में तीन आरोपियों को इस आधार पर बरी कर दिया कि उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं। हमारा मानना है कि हमने जो सबूत पेश किए थे, उनका फैसले में सही से इस्तेमाल नहीं किया गया। इसमें भेदभाव हुआ है। न्याय नहीं मिला है। हम हाई कोर्ट में अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि कोर्ट ने सहानुभूति जताई, लेकिन 16 साल की कानूनी लड़ाई के बाद हमें न्याय चाहिए, सहानुभूति नहीं। इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में और अगर ज़रूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

आरोपी की वकील ने क्या कहा?

आरोपी बाला की वकील प्रियादर्शिनी के अनुसार, बाला पर आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साज़िश), 326 और 308 के तहत आरोप लगाए गए थे, जबकि यशविंदर पर धारा 364 ए (फिरौती के लिए अपहरण), 376 (बलात्कार), 506 (आपराधिक धमकी) और 511 (अपराध करने की कोशिश के लिए सज़ा) के तहत आरोप लगाए गए थे। वकील ने कहा कि मनदीप पर आईपीसी की धारा 120बी, 326 और 308 के तहत अपराधों के लिए मुकदमा चलाया गया था। उन्होंने कहा कि नाबालिग को आपराधिक साज़िश के लिए दोषी नहीं ठहराया गया था। यह बात मौजूदा अदालत के ध्यान में लाई गई थी।

पीड़िता को करानी पड़ी थी 18 सर्जरी

पिछले कुछ साल में शाहीन के कई ऑपरेशन हुए। कुल 18 सर्जरी। हमले के बाद ढाई साल तक उन्हें कुछ दिखाई नहीं दिया, जब तक कि डॉक्टर एक आंख बचाने में कामयाब नहीं हो गए। उनकी दूसरी आंख बहुत ज़्यादा खराब हो गई थी। शाहीन सिर्फ़ हिम्मत और विश्वास की वजह से ज़िंदा हैं। उन्होंने कहा था कि मुझे लगा कि शायद मुझे इस दुनिया में इंसाफ नहीं मिलेगा। हो सकता है, मुझे भगवान की दुनिया में इंसाफ मिले।

कब हुआ था हमला?

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2009 में हरियाणा के पानीपत में शाहीन मलिक पर तेजाब से हमला किया गया था, जब वह यशविंदर के कॉलेज में स्टूडेंट काउंसलर की नौकरी के लिए गई थी। उसी समय मलिक ने पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी में एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन लिया। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि पीड़िता को अपने वर्कप्लेस पर यशविंदर से सेक्शुअल हैरेसमेंट का सामना करना पड़ा। यशविंदर की पत्नी, बाला ने दो यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स, मनदीप मान और नाबालिग के साथ मिलकर मलिक पर हमला करने की साज़िश रची।

देरी पर भड़का था सुप्रीम कोर्ट

2013 में यह मामला दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया। 4 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता द्वारा दायर एक पीआईएल पर सुनवाई करते हुए, एसिड अटैक मामलों में धीमी सुनवाई को सिस्टम का मज़ाक बताया और सभी हाई कोर्ट्स को देश भर में ऐसे पेंडिंग मामलों की डिटेल्स चार हफ़्तों के अंदर जमा करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मलिक के मामले में लंबी देरी को राष्ट्रीय शर्म बताया और ट्रायल को रोज़ाना के आधार पर चलाने का निर्देश दिया।

15 दिनों तक बुजुर्ग दंपति को किया 'डिजिटल अरेस्ट', ऐन वक्त पर पुलिस ने 60 लाख की ठगी से बचाया

नीमच, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में साइबर ठगी के एक बड़े मामले में पुलिस की सतर्कता ने बुजुर्ग दंपति को 60 लाख रुपये की भारी ठगी से बचा लिया। साइबर ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस कमिश्नर बताकर बुजुर्ग दंपति को मनी लॉन्ड्रिंग के फर्जी मामले में फंसाने की धमकी दी और करीब 15 दिनों तक वीडियो कॉल के जरिए उन्हें डिजिटल अरेस्ट में रखा। ठगों के लगातार डराने-धमकाने से दंपति इस कदर भयभीत हो गए थे कि वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी के रूप में रखी 60 लाख रुपये की एफडी तुड़वाकर ठगों के बताए खाते में ट्रांसफर करने ही वाले थे।

इसी दौरान इंदौर क्राइम ब्रांच से मिली गुप्त सूचना पर नीमच पुलिस हरकत में आई। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में साइबर सेल प्रभारी प्रदीप शिंदे और उनकी टीम ने महज 7 मिनट के भीतर विकास नगर स्थित बुजुर्ग दंपति के घर पहुंचकर कार्रवाई की।

मिथुन चक्रवर्ती के 'बंगाल को बांग्लादेश न बनने दें'

बयान पर सियासी घमासान, कांग्रेस-लेफ्ट ने किया पलटवार

कोलकाता, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं से टीएमसी के खिलाफ वोट करने की अपील करते हुए बयान दिया कि 'बंगाल को बांग्लादेश न बनने दें'। हालांकि, उनके बयान पर राजनीति शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों ने मिथुन चक्रवर्ती के बयान पर पलटवार किया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती का मानसिक संतुलन खत्म हो चुका है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, भारतीय जनता पार्टी ने उनको राज्यसभा नहीं दी, लोकसभा नहीं दी, इसलिए वो मानसिक संतुलन खोए हुए व्यक्ति की तरह बात कर रहे हैं। देशद्रोह की बात कर रहे हैं, बंगला भाषियों को बांग्लादेशी कहने का काम कर रहे हैं,

बंगला भाषियों में हिंदू-मुसलमान करने का काम कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति की जगह या तो पागलखाने में होनी चाहिए या जेल में होनी चाहिए। वहीं, मिथुन चक्रवर्ती के बयान पर सीपीआईएम के नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा, पिछले 15 सालों से भाजपा और ममता बनर्जी के बीच बहुत करीबी रिश्ता रहा है। इसलिए वे खुलेआम एक-दूसरे से लड़ेंगे, एक-दूसरे को गाली देंगे, लेकिन उनका मुख्य टारगेट यह है कि वे मिलकर लेफ्ट को खत्म करना चाहते हैं। इससे पहले, भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने हुगली में बयान दिया कि वे पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा, कुछ लोगों का मानना है कि अगर पश्चिम बंगाल बांग्लादेश बन भी जाए तो भी सत्ता में रहना ठीक रहेगा, लेकिन यह सपना पूरा नहीं होगा।

हमारे जैसे लोग हैं जो खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे। मिथुन चक्रवर्ती ने लेफ्ट, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के हिंदू समर्थकों से ममता बनर्जी के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा, आप मेरे भाई-बहन हैं। मैं कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस के हिंदुओं से एकजुट होने का अनुरोध कर रहा हूं। मैं तृणमूल के हिंदुओं से भी कहूंगा, आइए एकजुट हों और इस सरकार के खिलाफ वोट करें।

नवनीत राणा के बयान पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा पहले अपने पति से जाकर बात करें, वह भी बच्चे बढ़ाएं

मुंबई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की नेता नवनीत राणा ने मंगलवार को कहा कि हिंदुओं को कम से कम तीन, चार बच्चे पैदा करना चाहिए। उनके बयान पर शिवेसना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) की नेता और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया दी है। एक चैनल को दिए बयान में चतुर्वेदी ने कहा है कि वो पहले अपने पति से इस बारे में बात करें। अपने बच्चे बढ़ाएं। फिर अपने पड़ोसियों को कन्विन्स करें। जो अपने पड़ोसियों और पति को कन्विन्स नहीं कर सकते वो देश की महिलाओं को कन्विन्स करना बंद करें। राणा ने ज्यादा बच्चे पैदा करने के पीछ तर्क दिया था कि- उन लोगों की साजिशों का मुकाबला किया जा सके जो बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान में बदलना चाहते हैं। पूर्व निर्दलीय सांसद राणा ने पत्रकारों से कहा था, 'मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं।

सुनिए, ये लोग खुलेआम कहते हैं कि इनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन-चार बच्चे पैदा करना चाहिए।' राणा ने कहा,'मुझे नहीं पता कि वह मौलाना है या कोई और, लेकिन उसने कहा कि उसके 19 बच्चे और चार पत्नियां हैं, परंतु वह 30 बच्चों की संख्या पूरी नहीं कर पाया। वे बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान में बदलना चाहते हैं, तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट हो जाएं? हमें भी तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए।'

'सब भारत में बनाए गए हालात की वजह से हो रहा है

बांग्लादेश के हाल पर दिग्विजय सिंह का बड़ा बयान, गरमाई सियासत

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई समुदाय पर हो रहे कथित अत्याचारों को लेकर भारत की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने इस मुद्दे पर बड़ा और विवादित बयान दिया है। उनके बयान के बाद राजनीतिक बयानबाजी और प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को केवल वहां की आंतरिक समस्या के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही कार्रवाइयों के रिएक्शन के रूप में समझा जाना चाहिए।

उन्होंने अपने बयान में कहा, बांग्लादेश में जब से इस तरह आंदोलन होकर सरकार बदली है, वहां वो सारे तत्व हैं, जो कि धार्मिक उन्माद फैलाकर

राजनीति करते हैं। जिनका विरोध शेख हसीना करती थी, इनका विरोध शेख मुजीब साहब ने किया था। ये जो हालात हमारे देश में हैं, यहां वही धर्मांध फैलाने वाले कट्टरपंथी ताकतें जो हैं, जिस प्रकार से अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ यूं कार्रवाई कर रहे हैं, वही रिएक्शन वहां पर उस प्रकार का हो रहा है।

अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा

दिग्विजय सिंह ने अपने बयान में साफ शब्दों में बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई समुदाय पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जा सकतीं और यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने आगे कहा, हम बांग्लादेश में जो हमारे हिंदू भाइयों के साथ हो रहा है, ईसाइयों के साथ हो रहा है, उसकी घोर निंदा करते हैं।

मोहम्मद यूनुस से की कार्रवाई की मांग

पूर्व मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के वर्तमान नेतृत्व से भी सख्त कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वहां की सरकार को हालात पर काबू पाने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा, बड़े अर्थशास्त्री बांग्लादेश के प्रमुख मोहम्मद यूनुस साहब को एक्शन लेना चाहिए। फिलहाल, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और इस मुद्दे पर भारत की सियासत दोनों ही चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं।

'ताजमहल पहले मंदिर था, शाहजहां ने बना दिया मकबरा'

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान से फिर हलचल बढ़ी

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने एक बार फिर अपने बयान से सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। सागर जिले के बीना में स्वर्गीय राकेश सिरोठिया की स्मृति में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया। क्रिकेट टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर पहुंचे मंत्री विजयवर्गीय ने ताजमहल को लेकर विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि ताजमहल पहले मंदिर के रूप में बनाया जा रहा था। जिसे बाद में शाहजहां ने मुमताज का मकबरा बना दिया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से कहा कि शाहजहां ने पहले मुमताज को बुरहानपुर में दफन किया था।

लेकिन बाद में जहां मंदिर निर्माण हो रहा था, वहीं मुमताज के शव को दफनाकर ताजमहल का निर्माण कराया गया। इतना ही नहीं, मंत्री विजयवर्गीय यहीं नहीं रुके। उन्होंने बिहारियों को लेकर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि यूं तो बिहारी विनम्र नहीं होते, लेकिन हमारे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नवीन नितिन विनम्र हैं। उन्होंने कहा कि बीना विधायक निर्मला सप्रे कांग्रेस से चुनाव लड़ी थीं, लेकिन अब वह हमारे साथ हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने खिलाड़ियों से परिचय किया और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का संदेश दिया। स्वर्गीय राकेश सिरोठिया को याद करते हुए मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि वे हमेशा मुस्कुराते रहते थे और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते थे। उन्होंने कहा कि उनकी स्मृति में आयोजित यह क्रिकेट टूर्नामेंट युवाओं को जोड़ने का सराहनीय प्रयास है।

कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, विधायक शैलेन्द्र जैन, विधायक निर्मला सप्रे, पूर्व विधायक अरुणोदय चौबे, डॉ। विनोद पंथी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, बीजेपी कार्यकर्ता, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

गोविंदा को मिली चुनाव प्रचार की कमान

बीएमसी इलेक्शन में महायुति के लिए मांगेंगे वोट

मुंबई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बीएमसी चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो चली है। तमाम राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हुए हैं। इस बीच महायुति के घटक दल शिवसेना ने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवरा और पूर्व सांसद संजय निरुपम समेत एक्टर गोविंदा को भी शामिल किया गया है। हालांकि पार्टी ने अब तक अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान नहीं किया है। अगले महीने 15 जनवरी को होने वाले इन चुनावों के लिए शिवसेना ने कमर कस ली है।

बीजेपी के साथ सीट-बंटवारे की बातचीत के बीच चल रही है। दूसरी तरफ स्टार प्रचारकों की लिस्ट ने भी हलचल मचा दी है। साल 2022 में शिवसेना के बंटवारे के बाद यह चुनाव एकनाथ शिंदे के लिए बेहद खास माना जा रहा है।

गोविंदा और एकनाथ शिंदे के बेटे को भी बनाया स्टार प्रचारक

अपने सहयोगी बीजेपी के साथ सीट बंटवारे की बातचीत के बीच, शिवसेना ने अपनी चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है।

क्योंकि उसने वरिष्ठ पार्टी नेताओं और जाने-माने चेहरों वाली स्टार प्रचारकों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। इस सूची में श्री शिंदे और उनके बेटे, श्रीकांत शिंदे, सांसद और शिवसेना संसदीय दल के नेता शामिल हैं। अन्य वरिष्ठ नेताओं में रामदास कदम, गजानन कीर्तिकर, आनंदराव अडसुल, केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव, नीलम गोरे और मीना कुंबले शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अब तक नगर निगम चुनावों के लिए अपनी सीटों की घोषणा नहीं की है।

क्रिसमस को लेकर उदित राज का बीजेपी पर हमला, कहा- 'दूसरों के त्योहार से नफरत ठीक नहीं'

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिसमस को लेकर उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार के सोशल मीडिया पोस्ट पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता उदित राज ने इस मुद्दे पर बीजेपी और संघ परिवार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि किसी भी त्योहार से नफरत करना गलत है और यह देश की साझा संस्कृति के खिलाफ है। उदित राज ने कहा, "ये संघी, भाजपाई लोग दूसरों के त्योहार से नफरत करते हैं। किसी फेस्टिवल से नफरत करना सही नहीं है। दुनिया में होली, दिवाली दूसरे देशों में मनाने के लिए पूरा उत्साह रहता है।" कांग्रेस नेता ने कहा, "ट्रंप के साथ दिवाली मनाएंगे तो यहां पर उनका फेस्टिवल क्यों नहीं मना सकते हैं। ट्रंप ईसाई हैं। अमेरिका क्रिश्चियन कंट्री है।" उन्होंने साफ कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब भारतीय नेता विदेशी नेताओं के साथ त्योहार मनाते हैं, तो देश के भीतर उसी भावना को क्यों नहीं अपनया जाता। उदित राज ने आगे कहा, "यहां आप उनकी छुट्टी कैंसिल कर देंगे ये सही नहीं है।" उन्होंने आरोप लगाया, "तमाम जगहों पर जो भवंडर किया जा रहा है, चर्चों के सामने जाकर के गालियां दी जा रही हैं। दूसरे कर्मकांड किए जा रहे हैं। ये क्या है?" उदित राज ने कहा कि ऐसी घटनाएं देश की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और समाज में डर व तनाव पैदा करती हैं।

अंतरराष्ट्रीय असर का दावा

कांग्रेस नेता ने अपने बयान में अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, "इसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। ट्रंप ने भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ी लगाकर भेजा और नेपाल के नागरिक को ससम्मान भेजा गया।" उन्होंने कहा कि देश के भीतर अल्पसंख्यकों के प्रति नकारात्मक माहौल का असर विदेशों में भी दिखाई देता है। उदित राज ने कहा कि भारत की पहचान विविधता और आपसी सम्मान से है। सभी धर्मों के त्योहारों को समान भाव से मनाना ही देश की ताकत है और किसी एक समुदाय के त्योहार को लेकर नफरत फैलाना पूरे समाज के लिए नुकसानदेह है।

'अपनी बेटी से तुम्हारी शादी नहीं कराऊंगी' इस बात पर युवक को आया गुस्सा, महिला पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

बेंगलुरु, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में बेटी से शादी कराने से इनकार करना एक मां को इतना भारी पड़ा गया कि उसकी जान खतरे में आ गई। एक युवक ने युवती की मां पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इस घटना से इलाके में सनसनी मची हुई है। बेंगलुरु के बसवेश्वरनननगर स्थित भोवी कॉलोनी में रहने वाली महिला ने अपनी बेटी की शादी एक युवक से कराने से मना कर दी थी। इस बात से गुस्साए युवक ने पहले तो युवती की मां पर पेट्रोल डाला और फिर आग लगा दी। महिला दर्द से चिल्लाती रही, लेकिन आरोपी ने उसकी कोई मदद नहीं की। वह कुछ देर बाद वह मौके से फरार हो गया। लोगों ने महिला को तुरंत विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया।

बीएमसी चुनावः आप ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट, 15 कैंडिडेट का ऐलान

मुंबई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बीएमसी चुनाव के लिए आप ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। गुरुवार (25 दिसंबर) को जारी इस लिस्ट में 15 उम्मीदवारों ने नाम की घोषणा की गई है। पार्टी पहले ही साफ कर चुकी है कि मुंबई महानगर पालिका की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। साथ ही आप किसी से गठबंधन भी नहीं करेगी। मुंबई आप की अध्यक्ष प्रीति मेनन ने कहा, बीजेपी, कांग्रेस, शिवसेना, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी और एनसीपी (एसपी) पर निशाना साधते हुए कहा, आप ने उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की। जबकि भाजपा, कांग्रेस, दो शिवसेना और दो एनसीपी अब तक एक भी सूची तय नहीं कर पाए, 'आप' के 36/227 उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। आप नेता ने कहा, आम आदमी पार्टी ने आज 15 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की।

इसके साथ ही अब तक घोषित कुल उम्मीदवारों की संख्या 36/227 हो गई है। हमें खुशी है कि दो भाई साथ आए हैं। लेकिन आज हमने सिर्फ उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और भाजपा के आशीष शेलार को एक-दूसरे पर छींटाकशी (आरोप-प्रत्यारोप) करते हुए देखा है।

कांग्रेस हमेशा की तरह परिदृश्य से गायब है। सच्चाई यह है कि सभी मौजूदा दल 'यथास्थिति' के लाभार्थी हैं और उन्होंने बीएमसी को लूटा है, चाहे वह सत्ताधारी दल के रूप में हो या विपक्ष के रूप में मिलीभगत करके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन पार्टियों के पास दिखाने के लिए कोई काम नहीं है, इसलिए वे एक-दूसरे पर कीचड़ उछालकर ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रहे हैं। इनमें से कोई भी पार्टी एक भी सूची पर सहमत नहीं हो पा रही है, जबकि आम आदमी पार्टी हमारे नेता अरविंद केजरीवाल 'काम की राजनीति' के साथ मैदान में उतर चुकी है और पहले ही 2 सूचियां जारी कर चुकी है।

फेक अकाउंट से साइबर ठगी का मामला सीबीआई ने दो बैंक अफसरों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा एक्शन लिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 2 बैंक अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि इन्होंने साइबर अपराधियों के साथ मिलकर एमयूएलईयानी फेक अकाउंट खुलवाए और उन्हें चलाने में मदद भी की, जिनका इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी के पैसों के लेन-देन में किया गया।

सीबीआई की जांच में सामने आया है कि शालिनी सिन्हा, जो उस समय केनरा बैंक की पटना शाखा में असिस्टेंट मैनेजर थी और अभिषेक कुमार जो एक्सिस बैंक में बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट थे। इन दोनों बैंक अफसरों ने मिलकर साइबर फ्रॉड गैंग के साथ

साजिश की। दोनों ने फर्जी या संदिग्ध खातों को खोलने, उन्हें एक्टिव करने और फिर ठगों को पैसे ट्रांसफर कराने में अहम भूमिका निभाई। जांच के दौरान डिजिटल सबूतों के आधार पर सीबीआई को ये भी पता चला है कि इन बैंक अधिकारियों ने ठगों को ये भी सलाह दी थी कि बैंकिंग सिस्टम में लगने वाले रेड फ्लैग से कैसे बचा जाए। इसके बदले में उन्हें प्रतिदान यानी फायदा भी मिला। बैंक अधिकारियों ने आरोपियों को बचने के संभावित तरीकों के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने दोनों आरोपियों को 24 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया। केनरा बैंक की असिस्टेंट मैनेजर शालिनी सिन्हा को वाराणसी से और एक्सिस बैंक में बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट अभिषेक कुमार को बेतिहा से पकड़ा गया।

ट्रांजिट रिमांड लेने के बाद दोनों को संबंधित कोर्ट में पेश किया जा रहा है। दरअसल इससे पहले भी सीबीआई ने इसी मामले में देशभर में 61 ठिकानों पर छापेमारी की थी और 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की थी। अब एजेंसी ये भी जांच कर रही है कि इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन से बैंक अधिकारी शामिल थे।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 26 दिसंबर - 2025

इंसानियत का सवाल

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का पतन क्या हुआ वहां के अल्पसंख्यक हिंदू तो जैसे अनाथ हो गए हैं। रही-सही कसर पूरी कर दी वहां की सत्ता की बागडोर संभालने वाले मुहम्मद यूनुस ने। वहां आए दिन हिंदू समुदाय पर हमले हो रहे हैं लेकिन नोबल शांति विजेता यूनुस तमाशा देख रहे हैं। मंदिरों पर पथराव, घरों में आगजनी, महिलाओं पर अत्याचार अब रोजमर्रा की हकीकत बन चुकी हैं। ऐसे में सवाल है कि भारत क्या करे? देखा जाए तो यह संकट नया नहीं है। 1947 के बंटवारे के समय बंगाल के पूर्वी हिस्से में हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित थे, लेकिन पाकिस्तान बनने के बाद उत्पीड़न शुरू हो गया। 1971 के युद्ध में भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बनाकर बांग्लादेश को आजादी दिलाई। लेकिन, आजादी के बाद की सरकारों ने हिंदुओं को अधिकारों से वंचित रखा। वक्फ कानून के तहत उनकी जमीनें हड़पी गईं। बांग्लादेश में हिंदू आबादी कभी 22% थी, जो आज घटकर महज 8% रह गई है। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद भी इस समुदाय पर अत्याचार जारी रहा। शेख हसीना ने कुछ सुरक्षा दी, लेकिन उनके खिलाफ भड़के आक्रोश ने अल्पसंख्यकों को और असुरक्षित कर दिया है। आज वहां कट्टरपंथी ताकतें हावी हैं। अगस्त 2024 से नवंबर 2025 तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,010 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। आईएसआईएस से प्रेरित कट्टरपंथी समूह जैसे हिज्ब-उत-तहरीर और जमात-ए-इस्लामी खुले तौर पर सक्रिय हैं। यूनुस सरकार कार्रवाई नहीं केवल बयानबाजी करती है। उनके ग्रामीण बैंक पर हिंदू संपत्ति हड़पने के आरोप लगे हैं। हिंदू समुदाय पलायन कर रहा है। पिछले हफ्ते हिंदू युवक दीपू चंद्रा दास की निर्मम हत्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंसा की भयावह तस्वीर पेश करती है। बांग्लादेश के हालात को लेकर पूरी दुनिया चिंता जता रही है। वहां की अस्थिरता भारत पर असर डालती है। यूनुस सरकार का कट्टरपंथियों पर कोई नियंत्रण नहीं है। भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने दीपू के हत्यारों को सजा दिलाने की मांग की है। वैसे कुल मिलाकर सरकार की प्रतिक्रिया बेहद संतुलित और संयमित है। नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर 20-25 युवाओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, तो विदेश मंत्रालय ने इसे भी स्पष्ट कर दिया। लेकिन, अब मांग उठ रही है कि समय कूटनीति से आगे बढ़ने का है। भारत को यह मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तरफ से दबाव काम आ सकता है। यूएस, ईयू और दूसरे संगठनों-देशों के सामने बांग्लादेश में हो रहे मानवाधिक उल्लंघन के आंकड़े रखे जाएं। बांग्लादेश गैस, बिजली और व्यापार में भारत पर निर्भर है। उसकी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा भारत से पूरा होता है। अगर हालात नहीं सुधरते, तो जरूरी चीजों की आपूर्ति सीमित की जा सकती है। अभी जरूरत स्मार्ट डिप्लोमेसी है। पड़ोसी देश होने के नाते बांग्लादेश की स्थिरता भारत की सुरक्षा से जुड़ी है। नई दिल्ली को कहना होगा कि हम बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं दे रहे, पर अल्पसंख्यकों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। इस मुद्दे को राजनीतिक चश्मे से देखना गलत होगा। ढाका के रामना गढ़ी मंदिर में पूजा करने वाले भक्त अब डरते हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, महिलाएं घर से बाहर नहीं निकलतीं। भारत, जो स्वयं धार्मिक विविधता का प्रतीक है, उसे यह बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। बांग्लादेश संकट अब भारत के लिए परीक्षा बन चुका है।

शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि

योगेश कुमार गोयल

26 दिसम्बर को गुरु गोबिंद सिंह जी के चार छोटे साहिबजादों के बलिदान की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाया जाता है। इन वीर बालकों ने छोटी उम्र में ही अपने धर्म के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। वीर बाल दिवस वही दिन है, जब साहिबजादों 9 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह को मुगलों द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने अन्याय के आगे सिर झुकाने के बजाय अपने देश, अपने धर्म की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपना बलिदान कर अपनी वीरता और अपने आदर्शों से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जो हर किसी के लिए अनुकरणीय हैं।

गुरु गोबिंद सिंह और उनका पूरा परिवार सिख धर्म का प्रतीक था, जिनका एक ही प्रण था कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे लोगों को धर्म परिवर्तन नहीं करने देंगे और मुगलों के खिलाफ एकता से लड़ेंगे। इसलिए मुगलों द्वारा उनके परिवार को धर्म परिवर्तन करने के लिए अनेक कष्ट दिए गए। उनके दो बड़े बेटों अजीत सिंह और जुझार सिंह को उनके सामने ही मार डाला गया और दो छोटे बेटों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया लेकिन गुरु गोबिंद सिंह ने सिख धर्म छोड़कर मुगल बनना कभी स्वीकार नहीं किया।

मुगल सेना द्वारा अचानक आक्रमण किए जाने पर गुरु गोबिंद सिंह को पूरे परिवार के साथ 20 दिसम्बर 1704 को कड़कड़ाती ठंड में आनंदपुर साहिब किला छोड़ना पड़ा था। किले को छोड़कर जब वे सरसा नदी को पार कर रहे थे तो नदी में पानी के तेज बहाव के कारण उनके परिवार के सदस्य एक-दूसरे से बिछुड़ गए। उनके दोनों बड़े बेटे अजीत सिंह और जुझार सिंह उनके साथ चमकौर पहुंच गए, जबकि माता गुजरी तथा दोनों छोटे बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह अलग हो गए, जिनके साथ गुरु गोबिंद सिंह का निजी सेवक गंगू था। गंगू माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को उनके परिवार से मिलाने का भरोसा देकर अपने गांव सहेड़ी ले गया और चंद सोने की मोहरों के लालच में इसकी खबर सरहिंद के नवाब वजीर खान को कर दी, जिसके बाद माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को मुगलों द्वारा गिरफ्तार कर लिया। साहिबजादों को वजीर खान के समक्ष पेश किया गया तो उसने उन्हें सिर झुकाकर सलाम करने को होने और इस्लाम धर्म अपनाने को कहा लेकिन इतने छोटे होकर भी दोनों ने सिर झुकाने और इस्लाम धर्म अपनाने से इनकार करते हुए कहा कि हम अकाल पुरख और अपने गुरु पिता के अलावा किसी और के समक्ष सिर नहीं झुकाते। वजीर खां ने दोनों बच्चों को काफी ललचाया, डराया, धमकाया लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। आखिरकार क्रूर वजीर खान ने दोनों को दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश दे डाला। जब उन्हें दीवार में चुना जाने लगा तो दोनों साहिबजादे जपुजी साहिब का पाठ करने लगे। 26 दिसम्बर 1705 को फतेह सिंह और जोरावर सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया और इस प्रकार दोनों साहिबजादों ने अपने धर्म की खातिर हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। दोनों इतने वीर थे कि दीवार पूरी बन जाने के बाद भी अंदर से इनके जयकारा लगाने की आवाजें आती रहीं।

कहा जाता है कि माता गुजरी को भी सरहिंद के किले से धक्का देकर मार डाला गया था। गुरु गोबिंद सिंह को जब इस घटनाक्रम के बारे में पता चला तो उन्होंने अपनी माता और छोटे साहिबजादों की शहादत से दुखी होने और मुगलों के अत्याचारों के समक्ष घुटने टेकने के बजाय औरंगजेब को एक जफरनामा (विजय पत्र) लिखा, जिसमें उन्होंने औरंगजेब को स्पष्ट चेतावनी दी कि तुम्हारे साम्राज्य को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ तैयार हो चुका है। गुरु गोबिंद सिंह के सबसे बड़े बेटे अजीत सिंह, जिन्होंने चमकौर के युद्ध में केवल 17 साल की आयु में ही मुगल फौज के छक्के छुड़ा दिए थे।

खतरे में है परिवार : स्वच्छंदता की होड दाम्पत्य जीवन पर भारी

मनोज अग्रवाल

देश में दाम्पत्य जीवन के लिए खतरा बढ़ गया है लगातार इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है जिसमें छोटी मोटी बातों पर लोग पति पत्नी लिव-इन पार्टनर रिश्तेदारों सगे संबंधियों का खून बहाने से नही चूक रहे हैं समाज में परिवर्तन के इस दौर में जहां सेक्स और अर्थ को स्वछंद जीने की होड़ लगी है वहीं इंसानियत के सद्गुणों को छोड़ कर मनमानी और हिंसा की ओर जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि यौन अपराध बढ़ रहा है वहीं जरा जरा सी बात पर लोग कत्ल कर रहे हैं कहीं पत्नी प्रेमी के साथ मिल कर सात फेरों वाले पति का कत्ल कर रही है तो कभी पति शराब के नशे में चूर हो कर अपनी अर्धांगिनी का कत्ल कर रहे हैं।

मर्यादापूर्ण जीवन बिताने का सारी दुनिया को संदेश देने वाले भारत में ही अब चंद लोग रिश्तों का सम्मान भूलते जा रहे हैं और लाइफ़ पार्टनर की हत्या तक कर रहे हैं पिछले कुछ दिनों की घटनाएं जो अखबारों की सुर्खियां बनी उन्हें सामने रखकर समाज में बढ़ रही अमानवीयता क्रूरता हैवानियत और प्रतिशोध की भावना को समझ सकते हैं।

कभी मेरठ की मुस्कान और इंदौर की सोनम द्वारा पति की हत्या की वारदातों से हतप्रभ हुए भारतीय समाज को अब आए दिन ऐसी वारदातों से दो चार होना पड़ रहा है जिनमें अबला सबला बन कर अपने विवाहेत्तर संबंधो के लिए पति को नृशंसता के साथ रास्ते से हटा रहीं हैं।

ताज़ा वारदात मेरठ की मुस्कान की तर्ज पर एक और हत्यारिन विवाहिता रूबी ने अंजाम दिया है उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी कोतवाली क्षेत्र से एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है. यहां एक महिला ने अपने प्रेमी और साथियों के साथ मिलकर पति की बेरहमी से लोहे के हथियार और ग्राइंडर से हाथ पैर काटकर हत्या कर दी. हत्या के बाद शव के टुकड़े कर पहचान छिपाने की कोशिश की गई. फिलहाल पुलिस मृतक के कटे हुए हाथ-पैर और सिर कुछ बरामद कर लिया है और पत्नी व दो लोगों को गिरफ्तार कर खुलासा किया.

मृतक राहुल की शादी 15 साल पहले चंदौसी के मोहल्ला चुन्नी निवासी रूबी से हुई थी. दंपती के दो बच्चे हैं. 10 साल की बेटी और 12 साल का बेटा. राहुल जूते का व्यापार करता था और 18 नवंबर से लापता था। पूछताछ में रूबी, उसके प्रेमी अभिषेक, और अन्य युवक गौरव को हिरासत में लिया है।

एक अन्य वारदात अभी 23 दिसंबर को ही सामने आई है हैदराबाद मे 22 वर्ष के युवक संग सेक्स व अय्याशी के नशे में अंधी हो चुकी 36 वर्ष की पत्नी ने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने ही 45 वर्ष के पति की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, अशोक (45) की शादी 12 साल पहले पूर्णिमा (36) से हुई थी। दंपती अपने 11 वर्षीय बेटे के साथ कॉलोनी में रहते थे। अशोक एक निजी कॉलेज में नौकरी करता था, जबकि पूर्णिमा घर पर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती थी।

इसी दौरान पूर्णिमा की कॉलोनी में रहने वाले पालेटी महेश (22) से नजदीकियां बढ़ गईं। धीरे-धीरे दोनों के बीच अवैध संबंध हो गए। 11 दिसंबर को जब अशोक ड्यूटी से घर लौटा, तो पहले से मौजूद महेश और साई ने पूर्णिमा के साथ मिलकर चुन्नी से गला कसकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद पूर्णिमा ने पुलिस को सूचना दी कि उसके पति की मौत हार्ट अटैक से हुई है।अशोक के परिजनों को महिला की कहानी पर शक हुआ पोस्टमार्टम में अशोक की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 24 दिसंबर को एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी को गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया है। एक हफ्ते पहले ही पत्नी ने उसे तलाक का नोटिस भेजा था।

पति-पत्नी दोनों अलग रह रहे थे। आरोपी बालमुरुगन ने कथित तौर पर अपनी पत्नी भुवनेश्वरी पर तब चार गोलियां चलाईं, जब वह काम से घर लौटी थी। हत्या के बाद वो खुद पुलिस स्टेशन गया और सरेंडर कर दिया। आरोपी की उम्र 40 साल है और वो सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पहले वो एक प्राइवेट फर्म में काम करता था, लेकिन पिछले चार सालों से बेरोजगार था। 39 साल की भुवनेश्वरी यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया में असिस्टेंट मैनेजर थी।

24 दिसंबर को राजस्थान श्रीगंगानगर जिले में दहेज उत्पीड़न और अवैध संबंधों की रंजिश ने एक महिला की जान ले ली। आरोपी पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और वारदात को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को घर में बनी पानी की डिग्गी (टंकी) में डाल दिया। हालांकि पुलिस जांच में सच्चाई सामने आ गई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजस्थान के दौसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 10 माह पूर्व मिले एक अज्ञात शव के मामले में पुलिस ने 10 माह बाद मृतक की पत्नी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार आरोपी पत्नी ने अवैध संबंधों में बाधक बन रहे पति की अपने प्रेमी से गोली मारकर हत्या करवा दी थी.इस मामले में पुलिस ने आरोपी पत्नी के प्रेमी धर्मेंद्र कुमार शर्मा शूटर और आरोपी पत्नी को बिहार से गिरफ्तार किया गया है।

उम्र दराज लोग भी अपने जीवन साथी की जान लेने से नहीं घबरा रहे हैं। ऐसा एक मामला कर्नाटक के बैंगलुरू में सामने आया है। 23 दिसंबर को बेंगलुरु के मिट्टागनहल्ली गांव के पास रविवार शाम को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां 64 वर्षीय अनंत ने अपनी 50 वर्षीय पत्नी गायत्री को मौत के घाट उतार दिया। अनंत ने गायत्री को शहर में एक संपत्ति दिखाने के बहाने सूनसान इलाके में ले जा कर हत्या कर दी और दुर्घटना बता कर पुलिस को भटकाने की कोशिश की।

22 दिसंबर को ही वाराणसी में एक 46 वर्षीय शख्स प्रदीप मिश्रा ने 26 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी मिश्रा का सिर और चेहरा कूंचकर मार डाला। महिला की टैटू से पहचान हुई। पुलिस ने दस घंटे में आरोपी पति को पकड़ लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

यूपी के लखनऊ में 23 दिसंबर को पुलिस ने शिव प्रकाश हत्याकांड का खुलासा कर दिया है.शिव प्रकाश की पत्नी सविता रावत का मोहल्ले के ही 21 वर्षीय युवक सतीश गौतम के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था. प्रेमी के साथ रहने के लिए सविता ने पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची. शनिवार रात ऑटो चालक सतीश गौतम के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी .

9 दिसम्बर को 'अमृतसर' (पंजाब) में अपनी पत्नी के साथ महाराष्ट्र से घूमने आए एक व्यक्ति ने पहले तो किसी विवाद के चलते अपनी पत्नी 'सुनीता सोनकर' की हत्या कर दी और फिर स्वयं भी रेलगाड़ी के नीचे आकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

11 दिसम्बर को 'मोरिंडा' (पंजाब) के नजदीकी गांव 'डूमछेड़ी' में 'धर्मेंद्र सिंह' नामक व्यक्ति ने किसी बात पर गुस्से में आकर अपनी पत्नी 'सुरिंद्र कौर' को मार डाला। 15 दिसम्बर को 'शामली' (उत्तर प्रदेश) में 'फारुक' नामक एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मेरी पत्नी बिना बुर्का और नकाब पहने मायके चली गई थी, जिस पर मैंने अपनी पत्नी तथा अपनी दोनों बेटियों की हत्या कर दी।

ये घटनाएं परिवारों में टूटते विश्वास अर्थ की अंधी दौड़ और टूट रहे दांपत्य के भयानक नतीजों की ओर इशारा करती हैं। अपनी प्राचीन संस्कृति पर गर्व करने वाले हमारे देश में लोगों के नैतिक पतन के ये तो वे मामले हैं जो सामने आए हैं। इनके अलावा भी न जाने कितने ऐसे मामले हुए होंगे जो प्रकाश में नहीं आ पाए। इस तरह की घटनाएं जहां घोर निंदनीय हैं, वहीं ऐसा करने वालों को तेजी से कानूनी कार्रवाई करके उन्हें कठोरतम दंड देने की आवश्यकता है।क्या यह स्थिति एक सभ्य समाज के लिए शर्मनाक नही है?

पाकिस्तान की राह पर बढ़ता बांग्लादेश

राजेश कुमार पासी

बांग्लादेश के हालात दो तरफ इशारा कर रहे हैं और दोनों ही भारत के लिए खतरनाक हैं । एक तरफ बांग्लादेश भारत से दुश्मनी के रास्ते पर जा रहा है तो उसका दूसरा रास्ता उसे बर्बादी की ओर ले जा रहा है। भारत के लिए बांग्लादेश का दुश्मनी के रास्ते पर जाना खतरनाक है तो बांग्लादेश का बर्बाद होना भी बुरी खबर है। पाकिस्तान अपने जन्म के बाद ही भारत का जानी दुश्मन बना बैठा है और अब वो बांग्लादेश को खींचकर उसी रास्ते पर ले जा रहा है। बांग्लादेश में चुनाव होने वाले हैं और भारत को उम्मीद है कि उसके बाद बांग्लादेश के हालात बेहतर हो सकते हैं। चुनाव से पहले ही बांग्लादेश के हालात इतने बदतर हो गए हैं कि चुनाव पर ही खतरा नजर आने लगा है। एक अंदेशा यह भी है कि बांग्लादेश के हालात मोहम्मद यूनुस की ही साजिश है क्योंकि वो चुनाव नहीं करवाना चाहता है। उसे पता है कि अगर चुनाव हुए तो सत्ता उसके हाथ से चली जायेगी । मोहम्मद यूनुस एक गैर-निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में काम कर रहा है, कहने को वो सरकार का मुख्य सलाहकार है । ऐसा लगता है कि सत्ता का लालच इतना बढ़ गया है कि उसे देश की बर्बादी नजर नहीं आ रही है। यूनुस ने ही बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों को इतना बढ़ावा दिया है कि आज वो सड़क पर उतरकर हिंसा का नंगा नाच कर रहे हैं। एक कट्टरपंथी नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में जबरदस्त हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। अब एक और छात्र नेता की हत्या हो गई है। ऐसा लग रहा है कि इन हत्याओं के पीछे गहरी साजिश है। इन हत्याओं में भारत का हाथ बताकर हिंदुओं पर हमले किये जा रहे हैं। एक हिन्दू युवक को हज़ारो जेहादियों की भीड़ ने लिनचिंग करके मारने के बाद उसके शव को लटकाकर जला दिया । ये सिर्फ एक हत्या नहीं है, बल्कि पूरे हिन्दू समुदाय पर हमला है, इसलिए इसके खिलाफ बांग्लादेश के हिंदुओं ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन भी किया है। सवाल यह है कि कट्टरपंथी जेहादियों पर क्या इस प्रदर्शन का कोई असर होगा। ऐसा नहीं लगता है, क्योंकि बांग्लादेश में हिन्दू आबादी बिखरी हुई है। बिखरी हुई हिन्दू आबादी पर जेहादियों द्वारा हमले किये जा रहे हैं। बांग्लादेश की सरकार इस तरफ से आंखे बंद किये हुए है । मोहम्मद यूनुस ने बयान दिया है कि वो प्रदर्शनकारियों को कानून व्यवस्था हाथ में नहीं लेने देंगे और देश में सबकी सुरक्षा की जाएगी । उनका ये बयान दबाव में दिया गया है, अन्यथा उनका इन जेहादियों को पूरा समर्थन है।

उस्मान हादी के भाई ने उसकी हत्या के लिए मोहम्मद यूनुस को ही जिम्मेदार ठहरा दिया है और कहा है कि ये चुनाव रोकने की साजिश के तहत की गई हत्या है । पाकिस्तान और बंगलादेश के बीच रक्षा समझौते की तैयारी की जा रही है और पाकिस्तान ने बयान दिया है कि अगर भारत ने बांग्लादेश पर आक्रमण किया तो पाकिस्तान उसकी रक्षा करेगा । इससे पता चलता है कि पाकिस्तान भारत को दो मोर्चों पर घेरने की तैयारी कर रहा है। बांग्लादेश के कमजोर होने के बावजूद हम इस कोशिश को हल्के में नहीं ले सकते । आज बेशक बांग्लादेश सैन्य रूप से कमजोर नजर आ रहा है लेकिन कई शक्तियां उसे भारत के खिलाफ तैयार कर रही हैं। बांग्लादेश से ज्यादा बड़ा खतरा उसके घुसपैठिएं हैं जो वक्त आने पर भारत के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या दो करोड़ से पांच करोड़ तक हो सकती है जिनसे निपटना हमारे सुरक्षा बलों के लिए आसान नहीं होने वाला है ।

पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में अपना एजेंडा चलाने में कामयाब हो रही है। जमात-ए-इस्लामी आईएसआई के साथ मिलकर बांग्लादेश की सत्ता पर कब्जा करने की ओर बढ़ रही है। इसमें सबसे बड़ा खतरा यह है कि जमात सत्ता पर कब्जा चुनाव में जीतकर नहीं करना चाहती है। जमात अपने कट्टरपंथी समर्थकों की मदद से बांग्लादेश को दूसरा पाकिस्तान बनाना चाहती है। ऐसा बांग्लादेश बनाना चाहती है, जहां शरीयत का राज हो क्योंकि जमात को लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भरोसा नहीं है।

सच तो यह है कि जिस जमात को यूनुस ने बांग्लादेश में अपनी ताकत बढ़ाने का मौका दिया, अब वही जमात यूनुस को सत्ता से बेदखल कर सकती है। बंगलादेश की राजनीति में सब एक दूसरे के सामने खड़े हुए हैं।

मोहम्मद यूनुस को जिन छात्रों ने तथाकथित क्रांति करके सत्ता में बिठाया था, वो भी दो धड़ो में बंट गए हैं। शेख हसीना की राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध लगाकर उसे सत्ता की लड़ाई से बाहर कर दिया गया है। इसके बाद खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनल पार्टी चुनाव जीतने की स्थिति में पहुंच गई है। भारत सरकार बांग्लादेश के हालात को बड़ी सतर्कता से देख रही है और बीएनपी के सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है।

बीएनपी बेशक एक भारत विरोधी पार्टी मानी जाती है लेकिन उसे पता है कि बांग्लादेश को भारत की कितनी जरूरत है।

बीएनपी पहले भी राज कर चुकी है, इसलिए वो एक हद तक ही भारत का विरोध कर सकती है। बांग्लादेश को चलाने के लिए भारत की अहमियत को बीएनपी जानती है। अमेरिका, पाकिस्तान और भारत के अन्य दुश्मन देश इसे समझ रहे हैं, इसलिए अब कोशिश की जा रही है कि बीएनपी सत्ता में न आ पाए। बांग्लादेश की कट्टरपंथी शक्तियां भी नहीं चाहती हैं कि खालिदा जिया को सत्ता मिले, इसलिए उनके खिलाफ प्रचार शुरू कर दिया गया है।

समस्या यह है कि उनका स्वास्थ्य बेहद खराब है और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनके बेटे तारिक अनवर बीएनपी का नेतृत्व करने के लिए लंदन से बांग्लादेश आना चाहते हैं लेकिन उनकी सुरक्षा को भी बड़ा खतरा नजर आ रहा है। कट्टरपंथी पार्टी जमात का बीएनपी से गठबंधन था और दोनों ही मिलकर अवामी लीग से लड़ती थीं लेकिन अब ये गठबंधन टूट चुका है।

जमात पूरी तरह से पाकिस्तानपरस्त पार्टी है जो अब बीएनपी से भी नफरत करने लगी है । जमात ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में पाकिस्तान का साथ दिया था । जमात बांग्लादेश के निर्माण के खिलाफ रही है क्योंकि उसे बांग्लादेश का पाकिस्तान से अलग होना कभी रास नहीं आया। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान फिर बांग्लादेश को अपने साथ लाना चाहता है और जमात उसे इस काम में मदद दे सकती है। जमात के लोग मुक्ति संग्राम में भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के खिलाफ लड़े थे। ऐसे लोग पाकिस्तान की कितनी मदद कर सकते हैं, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। भारत के लिए यही बड़ा खतरा है कि जमात को सत्ता में बिठाने की साजिश की जा रही है। बंगलादेश की तथाकथित क्रांति से निकले छात्रों ने एनसीपी के नाम से पार्टी बनाई है जो चुनाव लड़कर सत्ता में आना चाहती है। एनसीपी का एजेंडा भी बांग्लादेश को नए रास्ते पर ले जाने का है लेकिन वो जमात से अलग रास्ते पर है । बांग्लादेश को जमात पाकिस्तान के रास्ते पर ले जाना चाहती है और एनसीपी अमेरिका का पिट्ठू बनाना चाहती है।

आकाश-एनजी: आत्मनिर्भर भारत का अभेद्य और अजेय शस्त्र

आरके जैन

23 दिसंबर 2025 का दिन भारतीय रक्षा इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गया, जब डीआरडीओ ने नेक्स्ट जेनरेशन आकाश (आकाश-एनजी) मिसाइल सिस्टम के यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स को पूर्ण सफलता के साथ संपन्न किया। यह केवल एक तकनीकी परीक्षण नहीं था—यह भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता का अभूतपूर्व प्रदर्शन था। उच्च गति वाले, कम ऊंचाई वाले लक्ष्यों से लेकर दूरस्थ उच्च ऊंचाई वाले खतरों तक, आकाश-एनजी ने हर परिस्थिति में निर्भीकता और सटीकता से दुश्मन को नष्ट करने की क्षमता साबित की। जब पड़ोसी देश लगातार ड्रोन स्वार्म, क्रूज मिसाइल और स्टेल्थ फाइटर के जरिए भारत की सीमाओं को चुनौती दे रहे हैं, तब यह सिस्टम 'आत्मनिर्भर भारत' की सबसे मजबूत ढाल बनकर उभरा है-एक ऐसा हथियार जो आकाश को भारत का अभेद्य किला बना देगा।

यूजर ट्रायल्स की यह ऐतिहासिक सफलता इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि आकाश-एनजी ने वास्तविक युद्ध परिस्थितियों की तरह कई चुनौतीपूर्ण सिनेरियो में अपनी क्षमता साबित की। निकट सीमा पर अत्यंत निम्न ऊंचाई (नीयर-बाउंड्री लो-अल्टीट्यूड) से लेकर लंबी दूरी की उच्च ऊंचाई (लॉन्ग-रेंज हाई-ऑल्टीट्यूड) तक के लक्ष्यों को सटीकता से इंटरसेप्ट किया गया। डीआरडीओ के अनुसार, सभी प्रारंभिक सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं (प्रिलिमिनरी सर्विस क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स) पूरी हुईं, जिनमें उच्च गति, चपलता और जटिल हवाई खतरों के खिलाफ उत्कृष्ट सटीकता शामिल थी। यह अत्याधुनिक सिस्टम वायु रक्षा को नई ऊंचाई देगा—और वास्तव में, यह अब केवल परीक्षण नहीं, बल्कि युद्ध की तैयारी का सबसे भरोसेमंद प्रमाण बन चुका है।

आकाश-एनजी की असली ताकत इसकी 100% स्वदेशी तकनीक में छिपी है। इसमें स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) सीकर लगा है, जो लक्ष्य को मिलीसेकंड्स में लॉक कर देता है और उच्चतम सटीकता सुनिश्चित करता है। ड्यूल-पल्स सॉलिड रॉकेट मोटर की दो-चरणीय शक्ति इसे मैक 2.5 की गति और अद्वितीय मैन्यूवरेबिलिटी देती है, जिससे यह किसी भी चुनौतीपूर्ण हवाई खतरे का सामना कर सकती है। मल्टी-फंक्शन रडार (एमएफआर), कमांड एंड कंट्रोल यूनिट, मिसाइल लॉन्च व्हीकल—सब कुछ डीआरडीओ की भारतीय लैबोरेटरीज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) जैसी अग्रणी घरेलू कंपनियों द्वारा तैयार किया गया है। यह मिसाइल प्रणाली निर्भरता-मुक्त रक्षा का जीवंत प्रतीक है, जहां विदेशी तकनीक की जगह भारतीय बुद्धिमत्ता और इंजीनियरिंग ने पूरी तरह से ले ली है।

इस सिस्टम की मारक क्षमता और परिचालन ऊंचाई पुराने आकाश से कहीं अधिक उन्नत है-यह 70–80 किलोमीटर तक की प्रभावी रेंज और 18 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर दुश्मन के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। फाइटर जेट्स, हेलिकॉप्टर्स, यूएवी, क्रूज मिसाइल और एयर-टू-सर्फेस मिसाइल जैसे विविध खतरों के खिलाफ यह प्रणाली एक साथ कई टारगेट्स को एंगेज कर उन्हें नष्ट करने की क्षमता रखती है। सीमावर्ती क्षेत्रों में इसकी तैनाती दुश्मन के हवाई हमलों के लिए 360-डिग्री अभेद्य कवच खड़ा कर देगी। विशेष रूप से पूर्वी लद्दाख जैसे उच्च ऊंचाई वाले संवेदनशील इलाकों में, जहां आकाश प्राइम पहले ही अपनी प्रभावशीलता सिद्ध कर चुका है, वहीं अब आकाश-एनजी दुश्मन को सीमा के करीब आने का अवसर तक नहीं देगा।

ट्रायल्स का यह चरण डीआरडीओ की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का शिखर प्रमाण बनकर उभरा है। इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर से लेकर विभिन्न फ्लाइट ट्रायल्स तक, हर स्तर पर सिस्टम ने अपनी विश्वसनीयता, स्थिरता और युद्ध-तत्परता को मजबूती से सिद्ध किया। ईओटीएस (इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम) जैसी अत्याधुनिक सुविधा के जरिए अब रडार-रहित गाइडेंस भी संभव हो गई है, जो स्टेल्थ और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग वाले खतरों के विरुद्ध अतिरिक्त सुरक्षा कवच प्रदान करती है। इन ट्रायल्स ने सिस्टम को पूरी तरह ऑपरेशनल-रेडी घोषित कर दिया है-अब इसके शीघ्र इंडक्शन का मार्ग प्रशस्त हो चुका है और जल्द ही यह फ्रंटलाइन पर तैनात दिखाई देगा। आकाश-एनजी भारत की रणनीतिक गहराई को कई गुना सुदृढ़ करने वाला सिस्टम साबित होगा। चीन की पीएलएएएफ (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स) और पाकिस्तान की बढ़ती हवाई क्षमताओं के सामने यह लेयर्ड एयर डिफेंस का एक मजबूत और निर्णायक स्तंभ बनेगा।

आज जरूरी हैं मुखौटे

डॉ टी महादेव राव

आज का युग देखने में कुछ और करे धरे कछु और है का हो गया है। देखने में सीधे सादे और भोले लगने वाले भी आजकल भरोसेमंद नहीं रहे। कलयुग है भाई। एक चेहरे पे कई चेहरे मौका देखकर लगाते हैं और अपना काम निकलवाते हैं। किसी सरकारी अधिकारी से काम निकलवाना हो तो मुखौटा दीन-हीं का लगा लेते हैं, गरीबी और अभावग्रस्त का ढोंग रचाते हैं। कम पियसे में काम निकलवाते हैं। उधर बाबू और अधिकारी सभी अपने चेहरे पर दीनबंधु का चेहरा लगाकर जताते हैं कि कम रिश्वत लेकर वे देश का ज्यों कल्याण कर रहे हैं।

मेरा पड़ोसी बड़ा मुखौटेबाज़ है। जब उसे मेरे गाड़ी की ज़रूरत पड़ती है ओ भागा भागा यूं आता है जैसे पहाड़ टूटकर उस पर गिर पडा है। एक घण्टे के लिए गाड़ी मांगकर दिन भर गायब रहता और खाली टंकी वाली गाड़ी मेरे सुपुर्द करता और कहता – काम में यूं फंसा था कि आते नहीं बना और एक सड़ियल सा मुखौटे वाले चेहरे पर कुटिल हंसी का लेप लगाए भाग जाता। यही शक्स जब मेरे टॉमी उसके आँगन के आगे भौंकता तो राक्षस सा चेहरा बनाए कुत्ते से भी जोरदार आवाज़ में भौंकता और मेरा कुत्ता सीनियर कुत्ते की भौंक से मौन साध लेता। आखिर बड़ों के प्रति आदर भी तो हो। जब मेरे पड़ोसी के घर रिश्तेदार आते तो भारी सज्जनता का लबादा ओढ़े अनुरोध करता कि घर के पिछवाड़े में शाम को बैठने के लिए जो दीवान बिछा रखी है, उसे दो दिन के लिए देदूँ। ऐसा मुखौटा लगा चेहरा बनाता, लगता दीवान पलंग न दिया तो शायद मर जाएगा। और उसका चेहरा देखकर मना करने का भी मन नहीं करता। यह अलग बात है कि जब दीवान पलंग वापस मिलता कहीं न कहीं से हर पुर्जा ढीला मिलता। बढ़ई को बुलाकर अपनी जेब ढीली करनी पड़ती।

मुखौटे लगे चेहरे से लोग यूं जीते हैं जैसे प्यास लगे तो हम पानी पीते हैं। चेहरे पर तांगा मुखौटा आपके भीतर के रावण को छिपा देता है और बनावटी राम को दिखाकर काम चला लेता है। लोग कहते हैं कि वर्तमान युग विज्ञान का, तकनीक का और जेट का युगा है, पर मेरा मानना है कि यह मुखौटों का युग है अऔर लोग बाग मुखौटे बदलना यानी चेहरे पर चेहरा चढ़ाना खूब जानते हैं। मेरे बॉस को जब मुझसे बहुत ज़्यादा काम (जिसका मुझसे कोई संबंध नहीं) निकलवाना होता है तो बुद्ध का शांत, मंद स्मित वाला मुखौटा चेहरे पर लगाकर मुझे बुलवाता है। लगता है कि अभी अभी ध्यान लागाकर या तपस्या करके आया है। आवाज़ पीआर भी मृदु मधुरा शांति का लेप चढ़ाये प्यार से यूं बोलता है जैसे आप पर फूल बरस रहे हों। इसका असर यह होता है कि आप न चाहते हुये भी उस काम को पूरा करने का बीड़ा उठा लेते हैं। बिना ओवर टाइम छह सात घण्टे काम कर जाते हैं और थक कर घर लौटते हैं। जब आप छुट्टी मांगने जाते हैं तो यही बुद्ध के मुखौटे वाला शख्स उग्र नृसिंहावतार का मुखौटा लगाए आपको बिना छुट्टी मंजूरी के अपने सीट पर लौटने को विवश करता है। यह अलग बात है कि दो दिन बाद आप अपने किसी रिश्तेदार की झूठी बीमारी से ट्रस्ट व्यक्ति का मुखौटा लगाकर छुट्टी हासिल कर लेते हैं। एक बार मेरे गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ। एक शराबी रोंग रूट में आकर बाईक से मेरे कार को ठोंक दिया। दोनों ठाणे पहुंचे। वह शराबी उसी थाने के सिपाही का साला था। फिर क्या था उस सिपाही ने यमराज का मुखौटा डाला चेहरे पर और बस मेरी क्लास लेने लगा।

साल के अंतिम शुक्रवार को आडल योग

इस साल का अंतिम शुक्रवार व्रत 26 दिसंबर 2025 को है। उस दिन आडल योग बन रहा है। उस दिन पौष माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि शुक्रवार दोपहर 1 बजकर 43 मिनट तक रहेगी। इसके बाद सप्तमी तिथि लग जाएगी। इस दिन सूर्य धनु और चंद्रमा 27 दिसंबर तक सुबह 3 बजकर 10 मिनट तक कुम्भ राशि में रहेंगे।

द्रिक पंचांग के अनुसार, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 1 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 42 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय सुबह 11 बजकर 4 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। इस तिथि पर आडल योग लग रहा है।

आडल योग कब से कब तक?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, आडल योग एक अशुभ योग माना जाता है, जिसमें शुभ कार्य करना वर्जित माना जाता है, लेकिन राहत की बात है कि इसका समय सुबह 7 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 9 बजे तक रहेगा। योग खत्म होने के बाद जातक कोई भी कार्य कर सकते हैं।

हालांकि, धर्मशास्त्रों में आडल योग में बचने के कुछ उपाय बताए गए हैं, जिनमें सूर्य पुत्र की विधिवत पूजा, जिसके करने से उनकी कृपा बनी रहती है और दुष्प्रभाव भी खत्म होते हैं।

शुक्रवार व्रत और पूजा विधि

इसी तिथि पर शुक्रवार भी पड़ रहा है। ब्रह्मवैवर्त और मत्स्य पुराण में शुक्रवार व्रत का उल्लेख मिलता है। इसमें बताया गया है कि इस तिथि पर मां लक्ष्मी और संतोषी माता की पूजा अर्चना करनी चाहिए। मान्यता है कि शुक्रवार व्रत सुख, शांति, धन-धान्य और समृद्धि और वैवाहिक जीवन में शांति लाने के लिए किया जाता है।

इस दिन पूजन करने के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थल पर गंगाजल छिड़कें। लाल कपड़े पर माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। दीप जलाएं और फूल, चंदन, अक्षत, कुमकुम और मिठाई का भोग लगाएं। 'श्री सूक्त' और 'कनकधारा स्तोत्र' का पाठ करें। मंत्र जप करें, 'ऊं श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' और 'विष्णुप्रियाय नमः' का जप भी लाभकारी है। पूजा के अंत में कमल पुष्प अर्पित करें, लक्ष्मी चालीसा पढ़ें। प्रसाद में खीर, मिश्री और बर्फी बांटें।

16वीं सदी में बना विघ्नहर्ता का अद्भुत मंदिर

दर्शन मात्र से दूर होती हैं बाधाएं

गौरी पुत्र के दर्शन मात्र से जीवन की तमाम परेशानियों और दुख-दर्द के साथ ही बाधाओं का भी नाश होता है। तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर से महज 12 किलोमीटर दूर भगवान गणेश को समर्पित प्राचीन और अद्भुत ईचनारी विनायगर मंदिर है। कोयंबटूर एनएच 209 पर स्थित ईचनारी विनायगर मंदिर भगवान गणेश को समर्पित अति प्राचीन और खूबसूरत मंदिर है। द्रविड़ शैली की वास्तुकला से बना यह मंदिर शांत और ध्यानपूर्ण वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। दुनिया भर से आने वाले भक्त यहां विघ्नहर्ता गणेश के दर्शन कर जीवन की बाधाओं से मुक्ति पाते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से ही सभी इच्छाएं पूरी हो जाती है और जीवन में नई ऊर्जा मिलती है।

मंदिर को लेकर पौराणिक कथा

मंदिर के बारे में तमिलनाडु पर्यटन विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर विस्तार से जानकारी मिलती है। मंदिर में स्थापित 6 फुट ऊंची और 3 फुट व्यास वाली विशाल मूर्ति स्वयंभू मानी जाती है, जो भक्तों की आस्था का केंद्र है। मंदिर की स्थापना की पौराणिक कथा बेहद रोचक है। लगभग 16वीं शताब्दी में मदुरै से कोयंबटूर के निकट पेरुर पट्टीश्वरर मंदिर में स्थापना के लिए भगवान गणेश की यह विशाल मूर्ति बैलगाड़ी पर लाई जा रही थी। जब गाड़ी ईचनारी गांव पहुंची, तो अचानक गाड़ी की धुरी टूट गई। बार-बार कोशिश के बावजूद मूर्ति को आगे नहीं बढ़ाया जा सका और वह वहीं जमीन में धंस गई।

गणेश चतुर्थी पर होते हैं कई उत्सव

भक्तों ने इसे भगवान गणेश की इच्छा मानकर यहीं मंदिर का निर्माण कराया। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कथा बताती है कि विघ्नहर्ता स्वयं यहां विराजमान होना चाहते थे। भक्त मानते हैं कि यहां दर्शन मात्र से जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। विनायगर मंदिर में गणेश चतुर्थी का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। सुबह-सुबह गणपति होमम यज्ञ होता है, जो पारंपरिक अग्नि अनुष्ठान है। इसमें भाग लेकर भक्त गणपति का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। गर्भगृह के चारों ओर भगवान गणेश की पौराणिक कथाओं के चित्र और वर्णन लगे हैं। दर्शन करने मात्र से मिलती है नई ऊर्जा

भक्त मंदिर ट्रस्ट से टोकन लेकर अर्चना और प्रसाद बुक कर सकते हैं। गर्भगृह के आसपास शांत जगह पर बैठकर ध्यान या आराम भी किया जा सकता है।

मंदिर सुबह 5 से रात 9 बजे तक खुला रहता है और प्रवेश निशुल्क है। यहां रोजाना सुबह गणपति होमम होता है, जो विशेष आकर्षण है। गणपति में विशेष आस्था के साथ यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। भक्तों का मानना है कि इस अद्भुत मंदिर में गणपति के दर्शन करने मात्र से उन्हें शांति, आशीर्वाद और जीवन में नई ऊर्जा मिलती है।

प्रकृति प्रेमियों और तीर्थयात्रियों के लिए बेहद खास जगह

ईचनारी विनायगर मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि द्रविड़ संस्कृति और वास्तुकला का जीवंत उदाहरण भी है। खास बात है कि मंदिर के पास भी पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है। अनामलाई वन्यजीव अभयारण्य, सिरुवानी झरना और मरुदमलाई पहाड़ी मंदिर जैसे पर्यटन स्थल हैं, जो प्रकृति प्रेमियों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं।

कई शुभ संयोगों में होगी नए साल की शुरुआत

नव वर्ष 2026 के पहले ही दिन कई शुभ संयोग बन रहे हैं। पहला शुभ संयोग ये है कि साल की शुरुआत ही गुरु प्रदोष व्रत के साथ होने जा रही है। इसके अलावा इस दिन रोहिणी व्रत भी रहेगा। इस दिन धनु राशि में चार ग्रह मिलकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण भी कर रहे हैं। जिससे इस दिन का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। वहीं साल के दूसरे ही दिन गुरु और चंद्रमा मिलकर गजकेसरी योग भी बनाएंगे। चलिए जानते हैं साल के पहले दिन का पंचांग और शुभ मुहूर्त।

1 जनवरी 2026 पंचांग

तिथि - त्रयोदशी - 10:22 PM तक
चन्द्रमास - पौष, पक्ष - शुक्ल
विक्रम सम्वत - 2082 कालयुक्त
योग - शुभ - 05:12 PM तक
इसके बाद शुक्ल
नक्षत्र - रोहिणी - 10:48 PM तक इसके बाद मृगशिरा
सूर्योदय 07:14 AM
सूर्यास्त 05:35 PM
1 जनवरी 2026 त्योहार
1 जनवरी को गुरु प्रदोष व्रत और रोहिणी व्रत रहेगा। गुरु प्रदोष व्रत मुहूर्त शाम 05:35 से रात 08:19 बजे तक रहेगा।
1 जनवरी 2026 शुभ मुहूर्त
ब्रह्म मुहूर्त 05:25 AM से 06:19 AM
प्रातः सन्ध्या 05:52 AM से 07:14 AM
अभिजित मुहूर्त 12:04 PM से 12:45 PM
विजय मुहूर्त 02:08 PM से 02:50 PM
गोधूलि मुहूर्त 05:33 PM से 06:00 PM
सायाह्न सन्ध्या 05:35 PM से 06:57 PM
अमृत काल 07:57 PM से 09:23 PM
निशिता मुहूर्त 11:58 PM से 12:52 AM, जनवरी 02
रवि योग 10:48 PM से 07:14 AM, जनवरी 02
1 जनवरी 2026 राहुकाल और अशुभ समय
1 जनवरी को राहुकाल दोपहर 01 बजकर 42 मिनट से लेकर 03 बजे तक रहेगा। यमगण्ड सुबह 07:14 से 08:32 तक, आडल योग रात 10:48 से 2 जनवरी की सुबह 07:14 तक, विडाल योग सुबह 07:14 से रात 10:48 बजे तक, गुलिक काल सुबह 09:49 से 11:07 बजे तक, दुर्मुहूर्त सुबह 10:41 से 11:23 तक, वर्ज्य दोपहर 03:42 से शाम 05:07 तक रहेगा।

अच्छी पुस्तकें पढ़ने से विचार सकारात्मक बनते हैं और अच्छे विचार जीवन को सही दिशा देते हैं

हमारी ऊर्जा अक्सर बेकार की बातों में खत्म हो जाती है। कुछ लोग इसलिए व्यर्थ चर्चा करते रहते हैं, क्योंकि उनके पास सही और स्पष्ट विचार नहीं होते। जब हमारे विचार सकारात्मक होते हैं, तब हम गंभीर बनते हैं और सही निर्णय ले पाते हैं। इसलिए हमें अपने विचारों में सकारात्मकता बनाए रखनी चाहिए। अच्छा चिंतन जीवन को सही दिशा देता है। सकारात्मकता पाने के लिए नियमित स्वाध्याय करें, अच्छी पुस्तकें पढ़ें, नए विचारों का स्वागत करें।

बुध करेंगे मकर राशि में प्रवेश, नए साल के तीसरे हफ्ते से शुरू होगा गोल्डन टाइम

बुध ग्रह साल 2026 के तीसरे हफ्ते में गोचर करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार कहा जाता है। यह ग्रह बुद्धि, वाणी, व्यापार, करियर और निर्णय क्षमता पर सीधा प्रभाव डालता है। 17 जनवरी 2026 को बुध ग्रह का गोचर होने जा रहा है, जिसका असर सभी राशियों के जीवन पर पड़ेगा। खास बात यह है कि बुध मकर राशि में प्रवेश करेंगे, जहां पहले से सूर्य, मंगल और शुक्र ग्रह मौजूद रहेंगे। इस विशेष युति से कई राशियों को लाभ मिलने के संकेत हैं। जानिए बुध के इस गोचर से कौन-कौन सी राथियों का गोल्डन टाइम शुरू होने वाला है।

बुध गोचर का प्रभाव

बुध ग्रह का गोचर व्यक्ति की सोच, बातचीत की शैली और कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। मकर राशि में बुध का प्रवेश व्यावहारिक सोच, अनुशासन और मेहनत का फल देने वाला माना जाता है। इस दौरान किए गए प्रयास लंबे समय तक लाभ दे सकते हैं।

मेष राशि: करियर में लाभ

मेष राशि वालों को बुध गोचर के प्रभाव से सफलता मिलने के योग बनेंगे। करियर में तरक्की होगी और आपके सभी काम सफल हो सकते हैं।

कार्यस्थल पर आपकी तारीफ होगी और मान सम्मान में वृद्धि होगी। काम के सिलसिले में यात्रा के योग हैं। व्यापार में लाभ मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

सिंह राशि: धन और आत्मविश्वास का समय

सिंह राशि वालों को नौकरी के माध्यम से लाभ मिल सकता है। अचानक धनलाभ के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा और लव लाइफ के लिए भी समय अनुकूल रहेगा। कुल मिलाकर यह गोचर कई मायनों में लाभकारी रहेगा।

मकर राशि: किस्मत का साथ

मकर राशि वालों के लिए बुध गोचर का समय बेहद अनुकूल रहेगा। किस्मत आपका पूरा साथ देगी। अध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा और व्यापार में तरक्की होगी। मान सम्मान में वृद्धि होगी और जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

घर में कूड़ेदान की गलत दिशा बन सकती है कंगाली की वजह

कूड़ेदान और वास्तु शास्त्र का संबंध

वास्तु में कूड़ेदान को नकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा माना गया है, क्योंकि इसमें घर की गंदगी और बेकार चीजें रखी जाती हैं। अगर इसे सही स्थान पर न रखा जाए, तो यह घर में नकारात्मकता बढ़ा सकता है। मान्यता है कि गलत दिशा में कूड़ेदान रखने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं, जिससे घर में रुपये-पैसों की कमी और परेशानियां बढ़ने लगती हैं।

उत्तर-पूर्व दिशा में कूड़ेदान रखने के नुकसान वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा की दिशा माना जाता है। इस दिशा में कूड़ेदान रखने से घर के सदस्यों का मन अशांत रहता है। मानसिक तनाव बढ़ सकता है और लोग बिना वजह चिड़चिड़े महसूस करने लगते हैं। इसका सबसे अधिक असर घर के मुखिया पर पड़ता है, जिससे निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

दक्षिण-पूर्व दिशा में कूड़ेदान क्यों है अशुभ

दक्षिण-पूर्व दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी होती है। यहां कूड़ेदान रखने से घर में पैसा टिक नहीं पाता। आय होने के बावजूद खर्चे बढ़ते चले जाते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक संकट गहराने लगता है। कर्ज बढ़ने की स्थिति भी बनने से घर के मुखिया को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कूड़ेदान उत्तर और पूर्व दिशा में रखने से क्या होता है?

उत्तर और पूर्व को प्रगति और विकास की दिशा माना जाता है। इन दिशाओं में कूड़ेदान रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है। इससे घर के सदस्यों में निराशा और उदासी बनी रहती है। उत्तर दिशा में कूड़ेदान रखने से नौकरी और करियर से जुड़े अच्छे अवसर कम हो सकते हैं और घर की तरक्की रुक सकती है।

हमारे शब्दों से हमारा स्वभाव, सोच और संस्कार झलकते हैं

जब हम किसी से बात करते हैं, तो हमारे शब्दों में प्रेम और मिठास होनी चाहिए। हमारी बोली हमारे बारे में बहुत कुछ बता देती है। हम जैसा बोलते हैं, वैसा ही हमारा स्वभाव, सोच और संस्कार दिखाई देते हैं। हमारी भाषा से हमारी वंश परंपरा और हमारे पूर्वजों की सीख झलकती है। हमारे शब्द केवल हमारे नहीं होते, वे हमारे परिवार और समाज की पहचान भी होते हैं। इसलिए बोलते समय हमेशा सोच-समझकर, अच्छे और मधुर शब्दों इस्तेमाल करना चाहिए।

एक ही गोत्र में क्यों नहीं करनी चाहिए शादी?

सनातन धर्म में विवाह केवल दो लोगों या परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि जीवन भर का एक महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है। विवाह के दौरान कई परंपराओं का पालन किया जाता है, जिनमें गोत्र का नियम सबसे अहम है। आपने अक्सर अपने घर के बड़े-बुजुर्गों से सुना ही होगा कि एक ही गोत्र में विवाह नहीं किया। अब नई पीढ़ी की ओर से इस पर यह सवाल जरूर उठता है कि आखिर क्यों अपने गोत्र में विवाह नहीं किया जाता। आज हम आपको इस आर्टिकल में इस सवाल का जवाब देंगे। इसके साथ ही हम आपको इसके धार्मिक और वैज्ञानिक कारणों के बारे में आसान भाषा में बता रहे हैं।

गोत्र का महत्व

गोत्र का शाब्दिक अर्थ है कुल या वंश। प्राचीन काल में ऋषियों और मुनियों के वंशजों को अलग-अलग गोत्रों में बांटा गया। हर गोत्र का नाम उस ऋषि के नाम पर रखा गया। उदाहरण के लिए कश्यप, भारद्वाज या गौतम गोत्र। एक ही गोत्र के लोग एक ही पूर्वज के वंशज माने जाते हैं, इसलिए उनका खून का रिश्ता माना जाता है।

धार्मिक कारण

सनातन धर्म में व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक कुल 16 संस्कारों बताए गए हैं। विवाह भी इनमें से एक संस्कार है, जिसके बाद व्यक्ति के गृहस्थ जीवन की शुरुआत होती है। धर्म ग्रंथों के अनुसार, एक ही गोत्र के लोग आपस में भाई-बहन जैसे माने जाते हैं। इसलिए उनका विवाह ऋषि परंपरा का उल्लंघन माना जाता है। एक ही गोत्र में विवाह करने से जीवन में परेशानियां और विवाह दोष उत्पन्न होने की मान्यता है। इसके अलावा ऐसा माना जाता है कि इस तरह की विवाह से संतान में शारीरिक और मानसिक समस्याएं आ सकती हैं।

गोत्र नियम का पालन क्यों जरूरी?

सनातन धर्म की हजारों साल पुरानी परंपराओं की बुनियाद बहुत मजबूत हैं, क्योंकि एक कुल में शादी न करने के इस नियम का समर्थन साइंस भी करता है। एक ही कुल में विवाह करने पर संतान में आनुवांशिक दोष आने की संभावना रहती है। इससे बच्चे में शारीरिक या मानसिक असामान्यताएं देखने को मिल सकती हैं। इसलिए विवाह में गोत्र नियम का पालन केवल धार्मिक कारणों से ही नहीं, बल्कि संतान की सेहत और विकास की दृष्टि से भी जरूरी माना जाता है।

अल्लू अर्जुन ने फेमस डायरेक्टर त्रिविक्रम श्रीनिवास संग करेंगे चौथी फिल्म

1000 करोड़ से ज्यादा होगा माइथोलॉजिकल मूवी का बजट

अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा' और 'पुष्पा 2' से अपना स्टारडम पहले से भी ज्यादा बड़ा कर लिया है. मेकर्स भी उनके स्टारडम को ध्यान में रखते हुए मेगाबजट फिल्म बनाने को तैयार हैं. लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू की आने वाली फिल्म अब तक के सबसे बड़े लेवेल पर बनाई जाएगी. इस फिल्म का बजट 1000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा होगा. रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अर्जुन और मशहूर फिल्ममेकर त्रिविक्रम श्रीनिवास एक पौराणिक एपिक स्टोरी के लिए फिर से साथ काम कर रहे हैं.

यह अल्लू अर्जुन और त्रिविक्रम की साथ में चौथी फिल्म होगी. इस प्रोजेक्ट की कहानी खास तौर पर अल्लू अर्जुन के लिए लिखी गई है और इसे लेकर फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में जबरदस्त उत्साह है. अल्लू अर्जुन और त्रिविक्रम की जोड़ी ने पहले भी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. इनकी पिछली फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलू' ने साउथ इंडिया में कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़े थे और अपने समय की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनी थी.

बताया जा रहा है कि इनकी नई फिल्म अब तक के सबसे बड़े लेवेल पर बनाई जाएगी, जिसका बजट 1000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा होगा. यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी पौराणिक फिल्मों में से एक होगी. फिल्म में दमदार कहानी, आलीशान विजुअल्स और अत्याधुनिक तकनीक का मेल देखने को मिलेगा, जिससे पौराणिक फिल्मों की परिभाषा बदल जाएगी और यह पूरे भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के दर्शकों के लिए खास होगी.

फिल्म की आधिकारिक घोषणा अगले कुछ हफ्तों में होने की उम्मीद है और इसकी शूटिंग फरवरी 2027 से शुरू होगी. इस ऐतिहासिक कोलैबोरेशन को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और माना जा रहा है कि यह भारतीय सिनेमा में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी.

जापान में रिलीज होगी अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2'

वहीं, अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' अगले साल 16 जनवरी को जापान में रिलीज होने जा रही है. हाल ही में गीक पिक्चर्स इंडिया, जो जापान में फिल्म को डिस्ट्रीब्यूट कर रही है, ने अपने एक्स अकाउंट पर इसकी घोषणा की. उन्होंने लिखा, "'कोनिचिवा, निहोन नो टोमो यो' इंडियन सिनेमा का इंडस्ट्री हिट अब जापान में भी धूम मचाएगी! पुष्पा राज 16 जनवरी 2026 को जापान में तहलका मचाने आ रहे हैं. " फिलहाल, अल्लू अर्जुन डायरेक्टर एटली की फिल्म 'AAA' की शूटिंग में भी बिजी हैं, जिसमें दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं. इस फिल्म की रिलीज डेट अभी अनाउंस नहीं हुई है.

कपिल शर्मा की बढी मुश्किलें, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' पर केस में बुरा फंसे कॉमेडियन

कपिल शर्मा का नेटफ्लिक्स शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' अपने चौथे सीजन के साथ लौट चुका है. इस सीजन के पहले एपिसोड में देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा शिरकत करने पहुंचीं, लेकिन चौथे सीजन के शुरू होते ही कॉमेडियन कानूनी पचड़े में फंस गए हैं. उनके शो का पिछला सीजन कॉपीराइट उल्लंघन की वजह से विवादों में है. 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पिछले सीजन में तीन गाने बिना कॉपीराइट लाइसेंस के बजाए गए थे, जिसके खिलाफ अब शिकायत दर्ज कराई गई है.

फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड इंडिया ने कॉपीराइट उल्लंघन मामले में कपिल शर्मा के शो के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में केस दर्ज कराया है. कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के मेकर्स पर साल 2003 में आई राजकुमार हिरानी की मुन्नाभाई एमबीबीएस का गाना 'एम बोले तो', साल 2002 की फिल्म कांटे का रामा रे, और देसी बॉयज का सुबह होने न दे बिना इजाजत के चलाए गए.

कपिल शर्मा शो के तीसरे सीजन पर मचा विवाद

ये तीन एपिसोड 21 जून से 20 सितंबर के बीच नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किए गए थे. पहले एपिसोड में जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी फिल्म परम सुंदरी का प्रमोशन करने आए थे. इस एपिसोड के बीच में 'एम बोले तो' गाना बजाया गया था. दूसरे एपिसोड में 'रामा रे' बजाया गया था और सीजन फिनाले जिसमें अक्षय कुमार बतौर गेस्ट पहुंचे थे. इस एपिसोड के दौरान एक्टर की ही फिल्म देसी बॉयज का गाना प्ले किया गया था जो एक्टर के इंट्रो के लिए बजाया गया था.

फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड इंडिया ने दावा किया है कि ये तीनों गाने बिना इजाजत और कॉपीराइट के चलाया गया था. ये कॉपीराइट क्लेम 1957 के तहत 'पब्लिक परफॉर्मेंस/जनता के सामने कम्युनिकेशन' के दायरे में आते हैं. इसके लिए राइट्स होल्डर से लाइसेंस लेना जरूरी है, लेकिन शिकायत के मुताबिक न इन गानों को बजाने के लिए लाइसेंस मांगा गया और न ही दिया गया. इसी वजह से प्रोडक्शन कंपनियों K9 फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और बीइंगयू स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड पर कॉपीराइट उल्लंघन का आरोप लगाया गया है.'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे सीजन की शुरुआत हो गई है. पहले एपिसोड में प्रियंका चोपड़ा ने शिरकत की थी और इसको खूब पसंद किया गया. इस एपिसोड में एक्ट्रेस ने अपने पति निक जोनास के बारे में मजेदार खुलासे किए.

सेलिना जेटली का बेटों के नाम इमोशनल लेटर, तलाक की लड़ाई में छलका दर्द , 'दिल के टुकड़ों से दूर पहला क्रिसमस'

एक्ट्रेस और पूर्व मिस इंडिया सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट कर फैंस को हैरान किया कि वह अपने ऑस्ट्रियाई पति पीटर हाग से तंग आ चुकी हैं. उन्होंने तलाक के लिए मुंबई की अदालत में अर्जी दाखिल की है. अपनी पोस्ट में उन्होंने अपने बच्चों का भी जिक्र किया था, जो उनसे दूर हैं. अब उन्होंने क्रिसमस पर एक इमोशनल पोस्ट अपने बच्चों के नाम शेयर किया है. जिन्हें वह काफी मिस कर रही हैं.

तलाक की जंग और अपने तीनों बेटों से जबरन दूरी के बीच सेलिना जेटली एक बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है. सेलिना ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटों के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि यह उनका अपने 'दिल के टुकड़ों' (बेटों) से पहला क्रिसमस है जो वह दूर बिता रही हैं.

'मेरे दिल के टुकड़ों' से दूर पहला क्रिसमस

सेलिना ने इंस्टाग्राम पर बेटों के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'प्यार दूर होने पर गायब नहीं होता... यह सिर्फ और तेज दर्द देता है. हर प्रार्थना आज रात आपके नाम जानती है. मेरे प्यारे बेटों, यह क्रिसमस ईव 'मेरे दिल के टुकड़ों' से दूर पहला क्रिसमस है. विंस्टन, विराज और आर्थर. पिछले 13 साल तुम्हारे बिना मैंने क्रिसमस नहीं मनाया.'

उन्होंने यादें साझा कीं – कुकीज बनाना, पानी पूरी और आलू परांठे बनाना, अलजेब्रा सिखाना, ज्यादा गेमिंग पर गुस्सा करना, फिर गले लगाना, बर्फ का आदमी बनाना, खरगोश पेनी को गाजर खिलाना, बर्फ गिरते देखकर साथ घूमना और 'द अनकैनी काउंटर' देखना. सेलिना ने आगे लिखा, 'यादें ताजा करके आंसुओं से लिखना दर्द देता है. मैं विश्वास नहीं कर सकती कि इस क्रिसमस मुझे तुमसे बात करने या तुम्हारी आवाज सुनने का मौका नहीं मिलेगा.

उन्होंने सांताक्लॉज का जिक्र करते हुए कहा, 'इस क्रिसमस मैं सांता से कहूंगी कि जितने चक्कर लगाने पड़ें लगाए. क्योंकि मैंने अपना अनंत प्यार और आशीर्वाद तुम तक ऑस्ट्रिया भेज दिया है. मेरा प्यार एक चक्कर में नहीं समाएगा, सांता को अनंत चक्कर लगाने पड़ेंगे. इसलिए उम्मीद है वह तुम्हारे घर, हमारे घर, हमारे पुराने घर के ऊपर चक्कर लगाता रहेगा... जब तक मैं तुम्हारे पास वापस नहीं लौट आती. तुम्हारी मम्मी.'

11 अक्टूबर को आधी रात को घर छोड़कर भारत लौटीं हसीना

आपको बता दें कि सेलिना ने नवंबर में मुंबई की एक कोर्ट में प्रोटेक्शन ऑफ वुमेन फ्रॉम डॉमेस्टिक वायलेंस एक्ट, 2005 के तहत शिकायत दर्ज की. उन्होंने पीटर पर इमोशनल, फिजिकल, वर्बल, सेक्शुअल और फाइनेंशियल अब्यूज का आरोप लगाया.

याचिका में दावा किया गया कि अब्यूज इतना बढ़ गया कि 11 अक्टूबर 2025 को उन्हें रात के बीच में ऑस्ट्रिया से भागकर भारत लौटना पड़ा और बच्चों को पीटर के पास छोड़ना पड़ा. उन्होंने बच्चों तक पहुंच ब्लॉक करने, 50 करोड़ रुपये मुआवजे और 10 लाख मासिक मेंटेनेंस की मांग की.

विक्रम भट्ट को कोर्ट से दूसरा झटका, 30 करोड़ की ठगी केस में फिर जमानत अर्जी खारिज

मशहूर फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. दोनों पर 30 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप हैं और इस मामले में दोनों जेल की सलाखों के पीछे हैं. हाल में दोनों आरोपियों की तरफ से दूसरी बार जमानत अर्जी दी गई. लेकिन उदयपुर कोर्ट ने दूसरी बार झटका देते हुए कपल की इस अर्जी को भी खारिज कर दिया.

कोर्ट के इस आदेश के बाद अब जहां विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट का नया साल जेल की सलाखों के बीच ही बच सकता है. वहीं, उदयपुर की दोनों निचली अदालतों से राहत न मिलने के बाद अब भट्ट दंपती को जमानत के लिए राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर बेंच का रुख करना पड़ेगा. जानकारी के मुताबिक, बीमारी का हवाला देकर कपल ने जमानत की मांग की थी. हेल्थ रिपोर्ट जब पेश की गई तो कोई बीमारी कपल को नहीं निकली.

कोर्ट में जज साहब ने क्या कहा?

एसीजेएम कोर्ट-4 ने अपने आदेश में कहा कि यदि जमानत दी जाती है तो गवाहों के प्रभावित होने की आशंका है. साथ ही, मामला बीएनएस की धारा 338 के तहत गैर-जमानती होने के कारण भी जमानत देने से इनकार किया गया.

यह मामला उदयपुर के डॉक्टर अजय मुर्दिया से जुड़ा है, जो इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनियों और इंदिरा IVF हॉस्पिटल के संस्थापक हैं. पुलिस के अनुसार, डॉक्टर अजय मुर्दिया अपनी दिवंगत पत्नी पर एक बायोपिक बनवाना चाहते थे. आरोप है कि विक्रम भट्ट और उनके सहयोगियों ने फिल्म निर्माण और 200 करोड़ रुपये तक की कमाई का आश्वासन देकर उनसे 30 करोड़ से अधिक की राशि ली, लेकिन न तो फिल्म बनी और न ही कोई ठोस प्रोजेक्ट सामने आया.

बाकी आरोपियों की तलाश में पुलिस

पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है. वही, अजय मुर्दिया के वकील ने कहा कि वे न्याय की उम्मीद कर रहे हैं.

'बालों में तेल, मोटा-मोटा चश्मा' 6 साल बाद पूरी बदल गई 'दयाबेन'

टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा फैंस का पसंदीदा शो है और इस सीरियल के कलाकार फैंस को सालों से एंटरटेन कर रहे हैं, लेकिन आज भी दर्शकों को दयाबेन की याद आती है, जो साल 2017 से गायब है. दिशा वकानी ने सीरियल में दयाबेन का रोल सालों तक निभाया था लेकिन मैटरनिटी लीव की चलते पहले एक्ट्रेस ने शो से ब्रेक लिया और फिर उन्होंने अचानक ही एक्टिंग से दूरी बना ली. इसके बाद से ही दिशा वकानी के वीडियोज और तस्वीरें सामने आती रहती हैं, जिसमें एक्ट्रेस का बदला हुआ लुक दिखता है और अब शो छोड़ने के छह साल बाद दिशा वकानी की नई तस्वीर सामने आई है, जिसमें एक्ट्रेस का लुक देख फैंस हैरान रह गए हैं.

दिशा वकानी का लुक देख हैरान हुए फैंस

दिशा वकानी ने टीवी इंडस्ट्री से पूरी तरह दूरी बना ली है लेकिन एक्ट्रेस कभी कभार पैपराजी को स्पॉट हो जाती हैं, जिसमें एक्ट्रेस अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में ही व्यस्त दिखती

हैं. अब एक्ट्रेस की नई तस्वीर सामने आई हैं, जिसमें दिशा एक छोटी बच्ची के साथ हैं लेकिन शो छोड़ने के छह साल बाद दिशा को पहचानना काफी मुश्किल हो गया है. दिशा ने अपने आप को आम महिला की तरह जिंदगी में ढाल लिया है. वह फैशन और मेकअप से पूरी तरह दूर हो गई हैं. सामने आई तस्वीर में दिशा वकानी के बालों में तेल साफ नजर आ रहा है और उन्होंने आंखों में मोटा-मोटा चश्मा पहना हुआ है. दिशा का सूट भी काफी सिंपल है, जिससे उन्हें सिंपल और एलिगेंट लुक मिल रहा है. इस तस्वीर में दिशा के चेहरे पर स्माइल भी है, जिससे साफ है कि वह आज भी अपने फैंस के लिए काफी अहम हैं.

फैंस ने दिशा वकानी से पूछा ये सवाल

दिशा वकानी का ये लुक देखकर फैंस हैरान हैं. कुछ लोग एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ लोग दिशा के लुक पर अपने शब्दों के जरिए हैरानी भी दिखा रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'कितने दिनों बाद वो दिखी हैं, उनके चेहरे पर कितनी शांति और खुशी दिख रही है.' इसके अलावा कई फैंस दिशा से वापसी पर सवाल कर रहे हैं. पैंस जानना चाहते हैं कि वह टीवी की दुनिया में अब कब वापसी करेंगी. हालांकि, दिशा ने आज तक इस पर कोई जवाब नहीं दिया है.

वही घिसा-पिटा फार्मूला, कार्तिक-अनन्या की फिल्म में कहानी और अभिनय दोनों गायब

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' एक ऐसी रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो पूरी तरह पुराने और जाने-पहचाने ढांचे पर आगे बढ़ती है। फिल्म देखते समय बार-बार यही महसूस होता है कि कहानी, रिश्तों की उलझन और उनका समाधान पहले कई फिल्मों में देखा जा चुका है। यहां न कहानी में कोई ताजगी है और न ही किरदारों में वह गहराई, जो ऑडियंस को अंत तक भावनात्मक रूप से जोड़ सके।

कहानी

कार्तिक आर्यन फिल्म में रे के किरदार में नजर आते हैं, जबकि अनन्या पांडे रूमी की भूमिका निभाती हैं। रूमी आगरा की रहने वाली है और रे अमेरिका में रहता है। दोनों की मुलाकात क्रोएशिया में होती है, जहां छुट्टियों के दौरान दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल जाती है। फिल्म का पहला हिस्सा पूरी तरह रोमांस, घूमने-फिरने और गानों पर आधारित है। कहानी में मोड़ तब आता है जब शादी की बात सामने आती है। रूमी अपने अकेले पिता, जो एक फौजी थे, को छोड़कर अमेरिका जाने से इनकार कर देती है। दूसरी ओर, रे अपनी मां से बेहद जुड़ा है, जिनकी साफ शर्त है कि उन्हें भारतीय बहू ही चाहिए।

माता-पिता की जिम्मेदारी और निजी रिश्ते के बीच फंसा यह टकराव फिल्म की कहानी का आधार बनता है, लेकिन इसे बहुत सीधे और अनुमानित तरीके से पेश किया गया है। कुल मिलाकर फिल्म वही पुराना फार्मूला अपनाती है....मुलाकात, दूरी, प्यार, बिछड़ना और फिर मिल जाना। करीब 2 घंटे 25 मिनट में यही भावनात्मक उठा-पटक बार-बार दोहराई जाती है, जिससे कहानी आगे बढ़ने के बजाय कई जगह ठहरी हुई और बोझिल लगती है।

अभिनय

अनन्या पांडे कुछ सीन में ईमानदार कोशिश करती दिखती हैं और यह उनके अब तक के बेहतर गंभीर अभिनय में गिना जा सकता है। लेकिन कई जगह उनका अभिनय जरूरत से ज्यादा लगता है और इमोशनल सीन पूरी तरह ओवरड्रामैटिक हो जाते हैं, जिससे असर नहीं बन पाता।

कार्तिक आर्यन इस किरदार में पूरी तरह सहज नहीं लगते। कई सीन में उनका अभिनय ओवरएक्टिंग जैसा लगता है और उनका परफॉर्मेंस जरूरत से ज्यादा कॉन्फिडेंस भरा हुआ और कई बार खटकने वाला लगता है। दोनों कलाकारों के बीच रोमांटिक कैमिस्ट्री भी कमजोर है, जिस वजह से प्रेम कहानी ऑडियंस को बांध नहीं पाती। जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता अपने जाने-पहचाने अंदाज में ही नजर आते हैं। उनके किरदारों में ऐसा कुछ नया नहीं है, जो कहानी को मजबूती दे सके।

निर्देशन और पटकथा

निर्देशक समीर विद्वांस फिल्म को तकनीकी रूप से साफ-सुथरे ढंग से पेश करते हैं, लेकिन पटकथा कमजोर रह जाती है। पहला हिस्सा हल्का, रंगीन और रोमांटिक है, जबकि दूसरा हिस्सा अचानक गंभीर हो जाता है। दोनों हिस्सों के बीच बैलेंस नहीं बन पाता, जिससे फिल्म बिखरी हुई लगती है।

संगीत

विशाल-शेखर का संगीत फिल्म को कुछ हद तक संभालता है। टाइटल ट्रैक और 'हम दोनों' जैसे गाने सुनने में अच्छे लगते हैं। शादी के सीन्स में पुराने हिंदी गानों का इस्तेमाल माहौल तो बनाता है, लेकिन वह भी ज्यादा असर नहीं छोड़ पाता।

मजबूत पक्ष

फिल्म का सबसे मजबूत पहलू इसकी लोकेशन और विजुअल प्रेजेंटेशन है। क्रोएशिया और आगरा जगहों पर फिल्माए गए सीन्स देखने में अच्छे लगते हैं। सिनेमैटोग्राफी साफ है, फ्रेम सुंदर हैं और कलर कॉम्बिनेशन आकर्षक है। यही वजह है कि फिल्म का पहला हिस्सा देखने लायक लगता है।

देखे या नहीं

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' दिखने में भले ही अच्छी हो, लेकिन कहानी, किरदार और भावनाओं के स्तर पर कमजोर साबित होती है। यह फिल्म उन ऑडियंस को पसंद आ सकती है, जो बिना ज्यादा उम्मीद के एक साधारण रोमांटिक फिल्म देखना चाहते हैं। मजबूत कहानी और गहरे भावनात्मक जुड़ाव की तलाश करने वालों के लिए यह फिल्म निराशाजनक अनुभव बन सकती है।

सलमान खान ने किस घड़ी में इन ब्लॉकबस्टर मूवीज को किया था ना, पूरी जिंदगी रहेगा अफसोस!

सलमान खान आने वाले 27 दिसंबर को अपना 60वां जन्मदिन मनाने वाले हैं. इस तरह से वह आमिर खान और शाहरुख खान के 60 साल वाले क्लब में शामिल हो जाएंगे. सलमान खान के फैंस के लिए ये काफी बड़ा दिन होने वाला है. इसके साथ ही फैंस को उम्मीद है कि उनकी अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' से जुड़ी कोई बड़े अपडेट का अनाउंस किया जाएगा. ये तो आने वाला समय बताएगा लेकिन सलमान खान के जन्मदिन से पहले जान लेते हैं कि उन्हें अपने करियर में किन फिल्मों को छोड़ने का अफसोस रहा है.

सलमान खान का एक्टिंग करियर

सलमान खान ने साल 1988 में अपने करियर की शुरुआत की थी और फिल्म का नाम 'बीवी हो तो ऐसी' था. हालांकि, साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'मैंने प्यार किया' से सलमान खान को लोकप्रियता मिली थी. इस तरह से उनका करियर 37 साल का हो चुका है.

बाजीगर

साल 1993 में रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म 'बाजीगर' बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी. ये फिल्म शाहरुख खान से पहले सलमान खान को ऑफर हुई थी लेकिन निगेटिव रोल को करने से मना कर दिया था.

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ला जाएंगे' साल 1995 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को 3 दशक भी काफी पसंद किया जाता है. शाहरुख खान की इस फिल्म के लिए पहले सलमान खान को अप्रोच किया गया था.

चक दे इंडिया

आमिर खान की फिल्म 'चक दे इंडिया' को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. साल 2007 में रिलीज हुई शाहरुख खान की ये फिल्म के लिए पहले सलमान खान को ऑफर हुई थी लेकिन उनका कहना था कि ये रोल उनके लिए सही नहीं है.

गजनी

आमिर खान की फिल्म 'गजनी' साल 2008 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. ये फिल्म लोगों को खूब पसंद आई थी. फिल्म 'गजनी' के रोल के लिए आमिर खान से पहले सलमान खान को अप्रोच किया गया था.

कल हो ना हो

साल 2003 में सिनेमाघरों में आई फिल्म 'कल हो ना हो' के लिए सलमान खान को अप्रोच किया गया था लेकिन उन्होंने इस ऑफर ठुकरा दिया था. इस फिल्म रोल के लिए भी सैफ अली खान को लिया गया था. बताया जाता है कि सलमान खान रोल के सेकेंड लीड होने के चलते मना किया था.

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' अनाउंसमेंट के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है. इस फिल्म को लेकर उनके फैंस काफी एक्साइटेड हैं. सलमान खान की इस फिल्म रियल स्टोरी पर बेस्ड है.

सुरेश को सपोर्टिंग रोल में मिली पहचान, एक्टिंग से दूरी बनाकर चले अध्यात्म की राह

सुरेश ओबेरॉय ने अपने 48 साल के फिल्मी करियर में अधिकतर सहायक भूमिकाएं निभाईं। ऐसा ही एक किरदार निभाकर उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला। आखिर कैसे उनका फिल्मी दुनिया में आना हुआ? फिल्मों में आने से पहले वह क्या करते थे? क्या उनके अभिनय की विरासत को परिवार के किसी सदस्य ने आगे बढ़ाया है? जानिए, सुरेश ओबेरॉय के बारे में कुछ खास बातें।

400 रुपये लेकर मायानगरी आए सुरेश ओबेरॉय

आजादी से पहले सुरेश ओबेरॉय का परिवार बलूचिस्तान स्थित क्वेटा में रहता था। एक पंजाबी परिवार में 17 दिसंबर, 1946 को उनका जन्म हुआ। विभाजन के बाद सुरेश का परिवार भारत आ गया। हैदराबाद में सेटल होने के बाद उनके परिवार ने अपनी नई दुनिया बसाई। सुरेश के पिता एक मेडिकल शॉप चलाते थे। सुरेश ओबेरॉय जब बड़े हुए तो पिता के साथ शॉप पर काम करने लगे। लेकिन उनका मन उस काम में नहीं लगता था। ऐसे में वह 400 रुपये लेकर मुंबई चले आए और यहां आकर संघर्ष करने लगे।

रेडियो शो और मॉडलिंग में बनाया करियर

साल 1970 की शुरुआत में सुरेश ओबेरॉय ने पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में दाखिला लिया। इसके बाद रेडियो में काम किया। साथ ही बतौर मॉडल कई नामी ब्रॉन्ड के लिए काम किया। साल 1970 के आखिर तक वह टॉप मॉडल्स बन चुके थे। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की तरफ रुख किया।

सपोर्टिंग रोल में मिली पहचान, नेशनल अवॉर्ड तक जीता

सुरेश ओबेरॉय की भी फिल्मों में हीरो बनने की ख्वाहिश थी। लेकिन करियर के शुरुआत में जो ऑफर मिले, उसमें उन्होंने सहायक किरदार ही निभाए। साल 1977 में फिल्म 'जीवन मुक्त' से उन्होंने अपना करियर शुरू किया। आगे चलकर 'काला पत्थर', 'सुरक्षा', 'कर्तव्य', 'लावरिस' और 'कुली', 'शराबी' और 'मिर्च मसाला' जैसी फिल्मों में सपोर्टिंग रोल किया। उन्हें 'मिर्च

मसाला(1985)' फिल्म के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। सुरेश ओबेरॉय ने बतौर एक्टर ही काम नहीं किया, वह एक जाने-माने डब आर्टिस्ट भी हैं, उन्होंने 'द लायन किंग' और 'द मम्मी' के लिए अपनी दमदार आवाज दी है।

फिल्मों से लिया ब्रेक और चले अध्यात्म की राह

सुरेश ओबेरॉय ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया। लेकिन साल 2009 के बाद से उन्होंने फिल्मों में अभिनय करना कम कर दिया। साल 2009 में फिल्म 'वर्ल्ड कप' की, साल 2019 में फिल्म 'मणिकर्णिका' में अभिनय किया। साल 2023 में वह रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' में नजर आए। दो साल से उन्होंने कोई फिल्म नहीं की है। फिल्मों से दूरी बनाने का असल कारण उनका अध्यात्म की राह पर चलना है। वह बतौर मोटिवेशनल स्पीकर ब्रह्मा कुमारी की सिस्टर शिवानी वर्मा के साथ जुड़े हैं। ओबेरॉय उनके वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन के गुडविल एंबेसडर हैं।

बेटा विवेक ओबेरॉय बढ़ा रहा है अभिनय की विरासत को आगे

सुरेश ओबेरॉय ने 1 अगस्त 1974 को यशोधरा नाम की महिला से मद्रास में शादी की थी। सुरेश और यशोधरा के दो बच्चे हैं। एक का नाम है, मेघना और दूसरे का नाम है विवेक। एक्टर विवेक ओबेरॉय ही सुरेश ओबेरॉय के बेटे हैं। वह अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। विवेक ने भी बॉलीवुड में अपने लिए एक अलग जगह बना रखी है।

सुरेश ओबेरॉय से जुड़ी कुछ बातें

एक्टिंग के अलावा सुरेश ओबेरॉय ने राजनीति में भी कदम रखा है। वह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं। एक्टिंग और डबिंग के अलावा सुरेश ओबेरॉय सिंगिंग का हुनर भी रखते हैं। वह एक राइटर भी हैं। उन्होंने एक कविता की किताब भी लिखी है।

बचपन से थे संगीत के दीवाने, नौशाद अली की यादों में हमेशा जिंदा रहा नवाबों का शहर

आज 25 दिसंबर को संगीतकार नौशाद अली की जयंती है। उन्होंने हिंदी सिनेमा में शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाया और फिल्म संगीत को एक नई ऊंचाई दी। आज उनकी जयंती के मौके पर जानते हैं उनकी जिंदगी की कुछ खास बातें। नौशाद अली का जन्म 25 दिसंबर 1919 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में हुआ था। लखनऊ को नवाबों का शहर कहा जाता है, जो संस्कृति और संगीत का बड़ा केंद्र रहा है। उनके पिता वाहिद अली एक मुंशी थे। घर में संगीत को अच्छा नहीं माना जाता था, लेकिन नौशाद को बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था।

लखनऊ की यादें

वह देवा शरीफ के मेले में जाते थे, जहां बड़े कव्वाल और संगीतकार गाते थे। उन्होंने उस्तादों से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत सीखा। साइलेंट फिल्में देखकर नोट्स बनाते थे और हारमोनियम बजाने का मौका पाने के लिए एक दुकान पर काम करते थे। लखनऊ की गलियां और मुहल्ले उनकी यादों में हमेशा जिंदा रहे। उन्होंने एक गजल में लिखा था- 'वह गलियां, वह मुहल्ले, सब बन गए कहानी, मैं भी था लखनऊ का, यह बात है पुरानी।'

संघर्ष के दिन और मुंबई का सफर

17 साल की छोटी उम्र में 1937 में नौशाद लखनऊ छोड़कर मुंबई चले गए। शुरुआती दिनों में बहुत संघर्ष किया। फुटपाथ पर सोना पड़ा। पहले बड़े संगीतकारों के सहायक बने। फिर 1940 में फिल्म 'प्रेम नगर' से स्वतंत्र संगीतकार के रूप में शुरुआत की। असली सफलता 1944 में फिल्म 'रतन' से मिली। इसके गाने इतने हिट हुए कि वह रातोंरात स्टार बन गए।

करियर की चमक और मशहूर फिल्में

नौशाद ने शकील बदायुनी जैसे गीतकारों और मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर जैसे गायकों के साथ काम किया। उन्होंने रफी और लता को बहुत मौके दिए। उन्होंने उनकी फिल्मों में शास्त्रीय रागों का इस्तेमाल किया, जो उस समय नया था। उनकी कुछ मशहूर फिल्में हैं- 'बैजू बावरा', 'अंदाज', 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम', 'गंगा जमुना' और राम और श्याम'। उन्होंने अपने संगीत से लोगों को कई फिल्मों में झूमने पर मजबूर किया।

सम्मान और आखिरी सफर

मुगल-ए-आजम को जब रंगीन किया गया, तो नौशाद बहुत खुश हुए। उनकी आखिरी फिल्म 'ताज महल' (2005) थी। उनके योगदान के लिए 1981 में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और 1992 में पद्म भूषण मिला। 5 मई 2006 को उनका निधन हो गया।

सुपरस्टार ममूटी का बेटा दुलकर सलमान को बॉलीवुड में बड़ा स्टार होने का करना पड़ा दिखावा

दुलकर सलमान साउथ फिल्म इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा हैं। हालांकि उन्होंने जब हिंदी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने का फैसला किया तो उन्हें संघर्ष करना पड़ा। दक्षिण में एक जाना-माना नाम होने और मलयालम सुपरस्टार ममूटी का बेटा होने के बावजूद, उन्हें लोगों से गंभीरता से लिए जाने में काफी मुश्किल हुई। सम्मान पाने के लिए उन्हें एक स्टार की तरह एक्टिंग करनी पड़ी।

मलयालम से अलग है बॉलीवुड इंडस्ट्री

दुलकर सलमान ने बॉलीवुड में काम करने के बारे में बताया है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की संस्कृति मलयालम सिनेमा से बहुत अलग है। शुरुआती बॉलीवुड सेट्स पर उन्हें और उनकी छोटी टीम को अक्सर नजरअंदाज किया जाता था। दुलकर सलमान ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'कारवां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह 'द जोया फैक्टर' का भी हिस्सा रहे।

बॉलीवुड में सलमान को दिखावा करना पड़ा

सलमान के मुताबिक अगर आपके पास स्टेटस नहीं है तो बॉलीवुड में आपको मॉनिटर के सामने बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिलती है। इससे निपटने के लिए सलमान को 'एक बड़ा स्टार' होने का दिखावा करना पड़ा, हालांकि हिंदी इंडस्ट्री में अभी तक उनकी वैसी पहचान नहीं थी।

दुलकर सलमान ने कहा 'अगर आप सफल नहीं दिखते हैं, तो लोग आपको जरूरी नहीं समझते। अगर आप किसी फैंसी कार में नहीं आते हैं या बहुत सारे लोगों के साथ नहीं आते हैं तो आपको अहमियत नहीं दी जाती।

मलयालम में अलग हैं चीजें

अभिनेता ने कहा कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा नहीं होता है। वहां प्रोडक्शन की संस्कृति आमतौर पर ज्यादा सीधी और जमीनी है। वहां की टीमें अक्सर ज्यादा लोगों या फैंसी चीजों का इस्तेमाल नहीं करतीं।

किसी इंडस्ट्री के बारे में गलत धारणा नहीं

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भले ही शुरुआत में चीजें ठीक नहीं रहीं लेकिन किसी भी इंडस्ट्री के बारे में उनकी कोई बुरी राय नहीं है। उन्हें बस इतना लगता है कि भारत के अलग-अलग हिस्सों में फिल्म सेट पर काम करने का तरीका अलग-अलग होता है।

दुलकर सलमान का काम

ख्याल रहे कि दुलकर सलमान ने इस साल फिल्म 'लोका चैप्टर 1' का प्रोडक्शन किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। 30 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन लीड रोल में थीं।

दबंग के जीवन पर आई 'सलमान-द सुल्तान ऑफ बॉलीवुड', एक्टर से जुड़े दिलचस्प किस्से

अभिनेता सलमान खान 27 दिसंबर को अपना जन्मदिन मनाएंगे। एक्टर 60 वर्ष के होने वाले हैं। फैंस के बीच उनकी जबर्दस्त लोकप्रियता है। एक्टर के जन्मदिन से पहले उनके जीवन पर एक नई किताब आई है। इसमें सलमान खान के सिनेमाई सफर के साथ-साथ उनकी अनदेखी तस्वीरें, यादगार डायलॉग और गानों का जिक्र है।

फैन की तरफ से ट्रिब्यूट है यह किताब

नई किताब का नाम है 'सलमान खानः द सुल्तान ऑफ बॉलीवुड'। इसमें सलमान खान के फिल्मी सफर को पिरोया गया है। यह दबंग खान के लगातार बढ़ते स्टारडम को दिखाती हैं। किताब को मोहर बसु ने लिखा है। 'सलमान खानः द सुल्तान ऑफ बॉलीवुड' सिर्फ एक बायोग्राफी से कहीं ज्यादा है। यह एक फैन की तरफ से ट्रिब्यूट है

क्यों इंडस्ट्री पर राज करते हैं सलमान खान?

इस किताब में फैन इंटरव्यू हैं। दिवंगत अनुभवी फोटोग्राफर प्रदीप बांडेकर द्वारा ली गईं एक्टर की दुर्लभ तस्वीरें हैं। इसी के साथ सलमान खान के लंबे समय के सहयोगियों की बातें शामिल हैं। यह किताब एक ऐसे कलाकार को समर्पित है, जिसने पॉप कल्चर पर एक अनोखी छाप छोड़ी है। लेखक ने एक बयान में कहा, 'किताब 'सलमान खान- द सुल्तान ऑफ बॉलीवुड' सलमान खान की शख्सियत को मेरा ट्रिब्यूट है। यह किताब उन्हें स्क्रीन पर देखने के उत्साह को दिखाती है कि क्यों वह पिछले तीन दशकों से हमारे लिए एक परंपरा रहे हैं? वह कौन सी खूबी है जो उन्हें सबसे बड़ा मास हीरो बनाती है'।

हर तरह की फिल्मों में सलमान खान किए जाते हैं पसंद

किताब के राइटर ने कहा, 'जब वह 60 साल के हो रहे हैं, तो यह किताब फिल्मों के पुराने जमाने के जादू का जश्न मनाती है और बताती है कि क्यों कोई भी सलमान खान की तरह बड़े पर्दे पर राज नहीं कर सकता'। चाहे प्रेमी प्रेम के रूप में उनका किरदार हो, या बजरंगबली, वह ऐसे अनोखे हीरो हैं, जिनकी अदाकारी और एक्शन दोनों लाजवाब हैं। वे रोमांटिक, कॉमेडी और एक्शन हर तरह की फिल्मों में पसंद किए जाते हैं।

रफी साहब ने मौत से चंद घंटे पहले रिकॉर्ड किया था आखिरी गाना

मोहम्मद रफी के गाने आज भी संगीत प्रेमियों के बीच खूब सुने और गुनगुनाए जाते हैं। रफी साहब ने प्रेम, दुख, सुख, देशभक्ति, भजन, बालगीत लगभग हर मिजाज के गीतों को गाया। उनके नाम लगभग 26 हजार गीत गाने का रिकॉर्ड है। मोहम्मद रफी को शहंशाह-ए-तरन्नुम भी कहा जाता था। वे बहुत कम बोलने वाले, जरूरत से ज्यादा विनम्र इंसान थे। रफी साहब ने अपने गांव में फकीर के गानों की नकल करते-करते गाना गाना सीखा था और एक वक्त ऐसा आया जब वो देश के सबसे ज्यादा सुने जाने वाले गायकों में से एक बन गए। पढ़िए उनके बारे में...

सैलून में करते थे काम, भाई ने पहचाना हुनर

मोहम्मद रफी का जन्म 24 दिसम्बर 1924 को ब्रिटिश पंजाब के कोटला सुल्तान सिंह में हुआ। मोहम्मद रफी गायिकी की दुनिया में किसी प्लानिंग के तहत नहीं आए, बल्कि उन्हें ईश्वर ने सुरीले कंठ से नवाजा। उनके बड़े भाई ने इसे पहचाना और फिर उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित किया। रफी साहब कम उम्र से ही अपने भाई के सैलून में काम करने लगे थे। यहां काम करते हुए वे गाने गुनगुनाते। उनके भाई ने रफी साहब के इस हुनर को पहचाना और फिर इसी दिशा में आगे बढ़ाया।

मोहम्मद रफी के हुनर के आगे बदली परिवार की सोच

मोहम्मद रफी का जन्म अल्ला राखी और हाजी अली मोहम्मद के घर हुए। उनके माता-पिता जट मुस्लिम परिवार से थे। आठ भाई-बहनों में मोहम्मद रफी सातवें नंबर की संतान थे। इनके भाई बहने थे- चिराग बीबी, रेशमा बीबी, मोहम्मद शफी, मोहम्मद दीन, मोहम्मद इस्माइल, मोहम्मद इब्राहिम और मोहम्मद सिद्दीक। घर पर मोहम्मद रफी को फिक्को कहकर पुकारा जाता। कहा जाता है कि रफी साहब का परिवार रुढ़िवादी था, जहां नाच-गाने पर पाबंदी थी। मगर, रफी के हुनर के आगे परिवार की सोच भी बदल गई।

निधन से चंद घंटे पहले गाया था आखिरी गीत

मोहम्मद रफी 31 जुलाई 1980 को दुनिया को अलविदा कह गए। संगीत और गायिकी से उन्हें ऐसा लगाव था कि निधन से सिर्फ चंद घंटे पहले उन्होंने गाना रिकॉर्ड किया था। वह गाना फिल्म 'आस-पास' के लिए था, जिसमें लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल का संगीत था। 31 जुलाई 1980 का ही दिन था, जब रफी साहब ने आखिरी बार अपनी मखमली आवाज से स्टूडियो को गुंजायमान किया था। निधन से चंद घंटे पहले ही वह 'आस पास' फिल्म के 'शाम फिर क्यों उदास है दोस्त, तू कहीं आसपास है दोस्त' गाने की रिकॉर्डिंग करके आए थे।

बच्चों को नहीं आने दिया संगीत की दुनिया में

मोहम्मद रफी ने दो शादियां की थीं। कुल मिलाकर दोनों शादी से मोहम्मद रफी के सात संतानें हुईं। लेकिन, इनमें से किसी ने भी पिता की तरह संगीत में

करियर नहीं बनाया। खुद मोहम्मद रफी के कारण ऐसा हुआ। रफी साहब पर लिखी अपनी किताब 'मोहम्मद रफी- माय अब्बा' में उनकी बहू और बहुत बड़ी फैन यास्मीन खालिद रफी ने इसका खुलासा किया है।

किताब के मुताबिक 'रफी साबह खुद कभी नहीं चाहते थे कि उनके बच्चे भी उनकी तरह गायिकी करें। इसलिए उन्होंने अपने बच्चों को शुरू से ही बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाया। वह बड़े आध्यात्मिक इंसान थे। वह कहते थे कि मुझ पर ऊपर वाले का करम है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मेरे बच्चे वो कर पाएंगे, जो मैंने किया है। वह नहीं चाहते थे कि उनके बच्चे समाज के उस दबाव को महसूस करें कि एक महान सिंगर के बच्चे भी उनकी तरह ही महान गायक बनें।'

कभी 'चुपके-चुपके' के जीजा जी तो कभी दद्दू बनकर पर्दे पर छाए रहे ओम प्रकाश

ओम प्रकाश बॉलीवुड के ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को कभी हंसाया तो कभी रुलाया। उन्हें कैरेक्टर आर्टिस्ट के तौर पर भी याद किया जाता है। अपने करियर में उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। वह जो भी किरदार निभाते थे, उसमें पूरी तरह से ढल जाते थे। अभिनेता के अलावा वह निर्माता भी थे। आज उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ खास बातें।

12 साल की उम्र में संगीत सीखना शुरू किया

19 दिसंबर 1919 को जम्मू में जन्मे ओम प्रकाश का पूरा नाम ओम प्रकाश बख्शी था। उनकी शुरुआती पढ़ाई लाहौर में हुई जो अब पाकिस्तान में है। बचपन से ही उन्हें कला में दिलचस्पी थी। वह लगभग 12 साल के थे, जब उन्होंने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेनी शुरू की। साल 1937 में उन्होंने 'ऑल इंडिया रेडियो' में काम करना शुरू किया। उनके प्रोग्राम 'फतेहदीन' को काफी सराहना मिली।

शादी की दावत में मिला फिल्म का ऑफर

सिनेमा में आने की ओम प्रकाश की कहानी दिलचस्प है। वह अपने दोस्त की शादी में गए थे। वहां दलसुख पंचोली ने उन्हें देखा और लाहौर बुलाया। इसके बाद उन्हें फिल्म 'दासी' 1950 में काम करने का मौका दिया। यह उनकी पहली बोलती फिल्म थी।

इन फिल्मों में की बेहतरीन अदाकारी

'दासी' के बाद उन्हें कई बेहतरीन फिल्में मिलीं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। उन्होंने 'जूली', 'पड़ोसन', 'दस लाख', 'बैराग', 'चुपके-चुपके', 'नमक हलाल', 'शराबी', 'खानदान', 'प्यार किए जा', 'चौकीदार', 'आंधी', 'लावारिस', 'लोफर' और 'जंजीर' जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया। उनकी आखिरी फिल्म 'नौकर बीवी का' (1983) है।

इन किरदारों के लिए जाने जाते थे ओम प्रकाश

'चुपके-चुपके'

फिल्म 'चुपके चुपके' में ओम प्रकाश ने राघवेंद्र शर्मा (जीजाजी) का यादगार किरदार निभाया है, जो सुलेखा (शर्मिला टैगोर) का जीजा और परिमल त्रिपाठी (धर्मेंद्र) का साला है। उनका किरदार एक घमंडी, अपनी समझदारी का ढिंढोरा पीटने वाला व्यक्ति था, जिसे धर्मेंद्र

द्वारा मजाकिया ढंग से 'प्यारे मोहन' बनकर मूर्ख बनाया जाता है। इस किरदार के लिए ओम प्रकाश को काफी लोकप्रियता मिली थी।

'पड़ोसन'

'पड़ोसन' में ओम प्रकाश की कॉमिक टाइमिंग लाजवाब रही। उन्होंने अपनी कॉमेडी को ओवरड्रामैटिक बनाए बिना, बेहद स्वाभाविक अंदाज में पेश किया। इस फिल्म में उनका हर डायलॉग और हावभाव आज भी क्लासिक माना जाता है।

'नमक हलाल'

'नमक हलाल' में अमिताभ बच्चन के साथ उनकी जुगलबंदी शानदार रही। ओम प्रकाश का किरदार कहानी में कॉमिक टाइमिंग जोड़ता है, जो फिल्म को और मनोरंजक बनाता है।

अमिताभ बच्चन के साथ की शानदार अदाकारी

ओम प्रकाश को सबसे ज्यादा पहचान अमिताभ बच्चन की दो फिल्मों से मिली। फिल्म 'नमक हलाल' में ओम प्रकाश ने दद्दू का किरदार निभाया। इस किरदार को आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'शराबी' में मुंशीलाल का किरदार निभाया जिसे आज भी लोग सराहते हैं।

60 के दशक में प्रोड्यूस की फिल्में

ओम प्रकाश एक बेहतरीन एक्टर होने के साथ-साथ एक बेहतरीन निर्माता भी थे। 60 के दशक में उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी बनाई।

इसके तहत उन्होंने 'भैयाजी', 'चाचा जिंदाबाद', 'गेटवे ऑफ इंडिया' और 'संजोग जैसी फिल्में बनाईं। ओम प्रकाश ने फिल्म 'कन्हैया' का निर्माण किया था। इसमें राज कपूर और नूतन ने अभिनय किया था।

दिलचस्प है लव लाइफ

ओम प्रकाश की लव लाइफ दिलचस्प लेकिन अधूरी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें एक सिख लड़की से प्यार हो गया था। हालांकि लड़की के घरवाले उनके खिलाफ थे क्योंकि वह हिंदू थे। उनकी मां लड़की के घर पर शादी का प्रस्ताव लेकर गई थीं लेकिन उनके घरवाले नहीं मानें। इसके बाद उन्होंने अलग होने का फैसला किया।

आखिरी वक्त

ओम प्रकाश अपने आखिरी वक्त में बीमार हो गए थे। दिल का दौरा पड़ने की वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत ज्यादा खराब होने पर वह कोमा में चले गए थे। 21 फरवरी, 1998 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

हिंडनबर्ग रिसर्च के डंक से उबरकर अडानी ग्रुप ने किए 80,000 करोड़ के सौदे, क्या है आगे का प्लान?

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी 2023 में अडानी ग्रुप पर कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया था लेकिन उसके शेयरों में भारी गिरावट आई थी। लेकिन ग्रुप ने तबसे अब तक करीब 80,000 करोड़ रुपये (9.6 अरब डॉलर) के 33 अधिग्रहण पूरे कर लिए हैं। इससे साफ है कि लगभग तीन साल पहले शॉर्ट-सेलर के आरोपों से झटके लगने के बाद भी ग्रुप के पास पूंजी की कमी नहीं है और वह लगातार काम कर रहा है। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक ग्रुप की यह खरीदारी मुख्य व्यवसायों पर केंद्रित रही है। मार्केट डेटा और कंपनी के सूत्रों के मुताबिक पोर्ट्स में सबसे ज्यादा करीब 28,145 करोड़ रुपये के अधिग्रहण हुए। इसके बाद सीमेंट में 24,710 करोड़ रुपये और पावर में 12,251 करोड़ रुपये के सौदे हुए। नए और उभरते व्यवसायों में 3,927 करोड़ रुपये और ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन में 2,544 करोड़ रुपये के सौदे हुए। इस लिस्ट में जेपी ग्रुप के दिवालियापन की कार्यवाही के तहत 13,500 करोड़ रुपये का प्रस्तावित अधिग्रहण शामिल नहीं है। यह सौदा अभी पूरा नहीं हुआ है। साथ ही, कुछ ऐसे सौदे भी हैं जो अभी चल रहे हैं और इस लिस्ट में नहीं हैं।

सबसे बड़ा सौदा

ये अधिग्रहण ऐसे समय में हुए हैं जब अडानी ग्रुप अपनी विश्वसनीयता फिर से बनाने की कोशिश कर रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने ग्रुप पर गलत तरीके से खाते दिखाने और शेयर बाजार में हेरफेर करने का आरोप लगाया था। पोर्ट्स से लेकर एनर्जी तक फैले इस ग्रुप की वापसी की रणनीति में बैलेंस-शीट को सुधारना और चुनिंदा विस्तार करना शामिल है, ताकि उसकी विश्वसनीयता बहाल हो सके। ग्रुप ने कर्ज कम करने, इक्विटी बढ़ाने और पूंजी आवंटन को बेहतर बनाने को प्राथमिकता दी है। साथ ही, पोर्ट्स, सीमेंट और पावर जैसे मुख्य व्यवसायों में अधिग्रहण जारी रखा है ताकि कैश फ्लो बना रहे और बड़े पैमाने पर काम करने का फायदा मिले।

पिछले तीन साल में हुए 33 सौदों में सबसे बड़ा सौदा अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का 21,700 करोड़ रुपये में अधिग्रहण था, जो अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने किया। हालांकि, सबसे ज्यादा सौदे सीमेंट क्षेत्र में हुए, जहां एक के बाद एक कई अधिग्रहण किए गए। अगस्त 2023 में ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने सांगी इंडस्ट्रीज में 56.74% हिस्सेदारी 5,000 करोड़ रुपये में खरीदी।

सीमेंट सेक्टर

जनवरी 2024 में, एसीसी ने एशियन कॉन्क्रीट्स एंड सीमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को 775 करोड़ रुपये में खरीदा। इसके बाद अप्रैल में माय होम ग्रुप की तूतीकोरिन ग्राइंडिंग यूनिट को 413.75 करोड़ रुपये में, जून में पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज को 10,422 करोड़ रुपये में और अक्टूबर 2024 में ओरिएंट सीमेंट को 8,100 करोड़ रुपये में खरीदा गया। अप्रैल में, ग्रुप ने आईटीडी सीमेंटेशन का नियंत्रण भी हासिल कर लिया। मौजूदा प्रमोटरों से 46.64% हिस्सेदारी 3,204 करोड़ रुपये में खरीदी और फिर सार्वजनिक शेयरधारकों से 26% और हिस्सेदारी ली। यह पूरा सौदा 5757 करोड़ रुपये हुआ।पोर्ट सेक्टर में, अडानी ग्रुप ने अप्रैल 2023 में कराईकल पोर्ट को 1,485 करोड़ रुपये में, मार्च 2024 में गोपालपुर पोर्ट को 3,080 करोड़ रुपये में और अगस्त 2024 में एस्ट्रो ऑफशोर को 1,550 करोड़ रुपये में खरीदा। मई 2024 में तंजानिया के दार एस सलाम पोर्ट को 330 करोड़ रुपये में खरीदकर एक विदेशी अधिग्रहण भी किया। पावर सेक्टर में खरीदे गए सौदों में लैंको अमरकंटक का 4,101 करोड़ रुपये में अधिग्रहण, विदर्भ इंडस्ट्रीज का 4,000 करोड़ रुपये में अधिग्रहण और कोस्टल एनर्जीन प्राइवेट लिमिटेड का 3,335 करोड़ रुपये में अधिग्रहण शामिल है। अन्य

मैं जेटली जी को दिन में 10 मैसेज करता था

पूर्व सीईए का जीएसटी पर चौंकाने वाला खुलासा, क्या चाहते थे?

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने साफ किया है कि उनके पद छोड़ने की वजह सरकार से कोई अनबन नहीं थी। अलबत्ता, 4 साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद यह हटने का स्वाभाविक समय था। उन्होंने माना कि सरकार के साथ कुछ मुद्दों पर उनके वैचारिक मतभेद जरूर थे। लेकिन, उन्होंने जोर देकर कहा कि इन मतभेदों के कारण उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया था। उन्होंने यह बात 'ए सिक्स्थ ऑफ ह्यूमैनिटी' नाम की अपनी किताब पर एक चर्चा के दौरान कही। सुब्रमण्यन ने कहा, 'नहीं, ऐसा नहीं है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके और केंद्र सरकार के बीच गंभीर मतभेद थे। उन्होंने आगे कहा, 'यह मेरे जाने का एक स्वाभाविक समय था। चार साल बीत चुके थे। और उस समय अरुण जेटली जी का स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं था - उन्होंने किडनी ट्रांसप्लांटेशन कराया था।'

पूर्व सीईए को क्या लगने लगा था?

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने महसूस किया कि चार साल से अधिक समय तक बने रहने से उनकी मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में प्रभावशीलता कम हो जाती। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगा कि चार साल पूरे हो गए थे। मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में मेरी इफेक्टिवनेस उतनी नहीं रहती जितनी पिछले चार वर्षों में थी। इसके कई कारण थे। इनमें सरकार के साथ कुछ मतभेद भी शामिल थे। लेकिन, इसलिए भी कि अगर अरुण जेटली जी का समर्थन उसी हद तक नहीं रहने वाला था तो प्रभावशीलता भी कम हो जाती।'

अरविंद सुब्रमण्यन ने यह भी बताया कि व्यक्तिगत कारणों ने भी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'लेकिन ज्यादातर इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि हमने चार साल पूरे कर लिए थे। यह संतोषजनक और आरामदायक था और कुछ व्यक्तिगत मुद्दे भी थे जिनके कारण मैं वापस जाना चाहता था।' जब उनसे उन मतभेदों के बारे में विस्तार से बताने के लिए कहा गया जिनका उन्होंने जिक्र किया था तो सुब्रमण्यन ने जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) को एक प्रमुख उदाहरण के रूप में बताया। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए जीएसटी के साथ जो हुआ उसे देखें। मैंने जो सिफारिश की थी - एक सरल संरचना - जो अब आखिरकार हो गई है, मैंने केवल तीन स्लैब की सिफारिश की थी, जो अब हो गया है। लेकिन, पहले 10-12 स्लैब थे।'

बताया हर दिन 10 बार मैसेज करते थे

जीएसटी लागू होने के दौरान जेटली के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए सुब्रमण्यन ने कहाः 'मैं हर दिन अरुण जेटली से बात करता था; मैं उन्हें 10 बार टेक्स्ट करता था, यह कहते हुए, 'मंत्री जी, यह 28% स्लैब कभी नहीं होना चाहिए। हमारे पास 6-8% का एक छोटा स्लैब, 15-16% का एक और 40% का एक 'सिगरेट और तंबाकू उत्पादों' जैसे 'सिन वस्तुओं' के लिए होना चाहिए था।'सुब्रमण्यन ने कहा कि उस समय जीएसटी की संरचना की जटिलता से वे बहुत निराश थे, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसे परिणाम एक सलाहकार की भूमिका का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, 'उस समय, मैं बहुत निराश था कि संरचना सरल नहीं थी। लेकिन यह कुछ ऐसा था जिस पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं था।'सरकार के भीतर प्रभाव की सीमाओं पर विचार करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'देखिए, एक सलाहकार की भूमिका सलाह देना और लोगों को मनाने की कोशिश करना है। लेकिन, आप लोगों को नहीं मना पाते हैं तो मुझे लगता है कि यह इसी काम के साथ आता है। आप हर लड़ाई नहीं जीतेंगे। आप कुछ हद तक सफल होंगे, अक्सर असफल।'

क्या था कार्यकाल?

सुब्रमण्यन ने अक्टूबर 2014 से जून 2018 तक अरुण जेटली के वित्त मंत्री के कार्यकाल के दौरान मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में काम किया। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि सलाहकारों को केवल इसलिए नहीं चले जाना चाहिए क्योंकि उनकी सलाह नहीं मानी जाती है। उन्होंने कहा, 'किसी को 'मोटी चमड़ी' रखनी चाहिए। इसी तरह, आपको यह घमंड भी नहीं करना चाहिए कि 'ओह, मेरी सलाह लागू नहीं हुई, इसलिए मैं यहां से भाग रहा हूं।' ऐसा नहीं होना चाहिए। और यह भी एक सबक है जो मैंने उस अनुभव से सीखा।' जीएसटी के बारे में बात करते हुए सुब्रमण्यन ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में तीन स्लैब की सिफारिश की थी। लेकिन, बाद में 10-12 स्लैब बन गए। उन्होंने कहा कि वह इस जटिलता से निराश थे। 'लेकिन, उन्होंने इसे स्वीकार किया कि यह एक सलाहकार की भूमिका का हिस्सा है।

'जिस पेय पदार्थ में कैमेलिया साइनेंसिस नहीं उसे चाय कहना गलत', भ्रामक ब्रांडिंग पर नियामक की चेतावनी

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्रधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य कारोबार से जुड़े ऑपरेटरों को सख्त चेतावनी जारी की है। प्रधिकरण ने कहा है कि कैमेलिया साइनेंसिस पौधे से न बनने वाले किसी भी उत्पाद को 'चाय' कहना कानूनन गलत और भ्रामक है। नियामक ने इसे गलत ब्रांडिंग और उपभोक्ताओं को गुमराह करने की श्रेणी में रखा है। एफएसएसएआई की यह एडवाइजरी 24 दिसंबर को जारी की गई। जांच के दौरान प्राधिकरण ने पाया कि कई खाद्य कारोबारी रूइबोस टी', 'हर्बल टी' और 'फ्लावर टी' जैसे नामों से ऐसे उत्पाद बेच रहे हैं, जो वास्तव में कैमेलिया साइनेंसिस पौधे से प्राप्त नहीं होते।

चाय शब्द के प्रयोग को लेकर क्या है नियम?

एफएसएसएआई के नियमों के अनुसार, 'चाय' शब्द का प्रयोग पैकेजिंग और लेबलिंग पर तभी किया जा सकता है जब पेय पदार्थ कैमेलिया साइनेंसिस से प्राप्त किया गया हो। इसमें कांगड़ा चाय, ग्रीन टी और इंस्टेंट टी जैसी किस्में शामिल हैं।

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 का उल्लंघन

एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि कैमेलिया साइनेंसिस से प्राप्त न होने वाले ऐसे पौधे-आधारित या हर्बल काढ़े या मिश्रण को चाय का नाम देने के योग्य नहीं माना जा सकता है। इसमें कहा गया है कि यह उल्लंघन खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत भ्रामक जानकारी देने और गलत ब्रांडिंग करने के बराबर है।

नियामक ने ई-कॉमर्स, विनिर्माण, पैकेजिंग, विपणन, आयात या ऐसे उत्पादों की बिक्री में लगे हुए सभी खाद्य और व्यावसायिक संगठनों (एफबीओ) को खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है। प्रावधानों को सख्ती से पालन करने का निर्देश इसमें कहा गया है कि सभी खाद्य और सब्जी विक्रेताओं को निर्देश दिया जाता है कि वे कैमेलिया साइनेंसिस से प्राप्त न होने वाले किसी भी उत्पाद के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 'चाय' शब्द का उपयोग करने से परहेज करें।

इटली ने कर दिया कमाल, एक ही झटके में अमेरिका और चीन को कर दिया बेहाल

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। इटली दुनिया का सबसे बड़ा सेब निर्यातक बन गया है। उसने अमेरिका और चीन को पछाड़कर यह तमगा हासिल किया है। पूरी दुनिया में, सेब का अंतरराष्ट्रीय व्यापार लगभग 7 मिलियन टन होता है, जिसकी कुल कीमत 7 अरब यूरो से ज्यादा है। कुल ग्लोबल एक्सपोर्ट में इटली की हिस्सेदारी 16 फीसदी पहुंच गई है जबकि अमेरिका 14 फीसदी के साथ दूसरे और चीन 13 फीसदी के साथ तीसरे नंबर पर है। फिर न्यूजीलैंड, चिली, दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड, फ्रांस, नीदरलैंड और

तुर्की का नंबर आता है। इटली के एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट इस्मेया के अनुसार 2025/26 मार्केटिंग वर्ष की शुरुआत बहुत अच्छी रही है। स्वेज नहर का फिर से खुलना इटली के सेब के व्यापार के लिए एक अच्छी खबर है। इस दौरान इटली से एक मिलियन टन से ज्यादा सेब का निर्यात हुआ जो पिछले साल के मुकाबले 24% ज्यादा है। जिन देशों में इटली सबसे ज्यादा सेब बेचता है, उनमें जर्मनी पहले नंबर पर है। मूल्य के हिसाब से उसकी हिस्सेदारी 30% है। पिछले साल की तुलना में जर्मनी को सेब का एक्सपोर्ट वॉल्यूम में 26% और कमाई 23% बढ़ा है। स्पेन दूसरे और सऊदी अरब तीसरे नंबर पर है।

इटली में सेब की खेती

आंकड़ों के मुताबिक हाल के साल में इटली में सेब के बागों का रकबा लगभग 54 हजार हेक्टेयर पर स्थिर रहा है। इसमें से ज्यादातर बाग बोलजानो और ट्रेंटो इलाकों में हैं जो अकेले राष्ट्रीय कुल का 49% हिस्सा हैं। इसके बाद पीडमोंट, वेनेतो और एमिलिया-रोमाग्ना का नंबर आता है, जो मिलकर लगभग 30% उत्पादन क्षमता रखते हैं। कैम्पानिया अपनी खास एनुरका किस्म के उत्पादन के लिए जाना जाता है। इस साल इटली में 2,317,545 टन सेब का उत्पादन होने का अनुमा है जो पिछले साल के बराबर है।

इंडिगो की 67 उड़ानें आज भी कैंसिल खराब मौसम और परिचालन रहा कारण

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो के पैसेंजर्स को त्राण नहीं है। क्रिसमस के दिन यानी गुरुवार को भी इंडिगो ने कई हवाई अड्डों पर 67 उड़ानें रद्द कर दीं। कंपनी ने खराब मौसम और कुछ परिचालन कारण का हवाला दिया है। यह एयरलाइन के लिए मुश्किलों का दौर जारी रहने का संकेत है, क्योंकि वह पहले से ही नियामक जांच और कम किए गए शेड्यूल से जूझ रही है।इंडिगो की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रद्द की गई उड़ानों में से केवल चार ही ऑपरेशनल संबंधी समस्याओं के कारण थीं। बाकी ज्यादातर उड़ानें खराब मौसम की आशंका के चलते रद्द की गईं। जिन हवाई अड्डों पर इसका असर पड़ा, उनमें अगरतला, चंडीगढ़, देहरादून, वाराणसी और बेंगलुरु जैसे शहर शामिल हैं। उड़ानों के रद्द होने का यह नया दौर ऐसे समय में आया है जब नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने आधिकारिक तौर पर कोहरे का मौसम घोषित कर दिया है। डीजीसीए ने 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक कोहरे के मौसम का समय तय किया है। इस दौरान, देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में कम दृश्यता के कारण हवाई यातायात में अक्सर दिक्कतें आती हैं।डीजीसीए के कोहरे संचालन ढांचे के तहत, एयरलाइनों को कम दृश्यता में भी सुरक्षित लैंडिंग के लिए पूरी तरह तैयार रहना होता है। इसके लिए यह ज़रूरी है कि पायलटों को सीएटी-IIIबी संचालन का प्रशिक्षण मिला हो और वे ऐसे विमानों का इस्तेमाल करें जो कैटेगरी-III लैंडिंग सिस्टम के अनुकूल हों। कैटेगरी-III तकनीक विमानों को घने कोहरे में भी उतरने की सुविधा देती है। कैटेगरी-III-ए में, रनवे विजुअल रेंज (आरवीआर) 200 मीटर तक होने पर भी लैंडिंग की जा सकती है। वहीं, ज़्यादा उन्नत कैटेगरी-III-बी 50 मीटर से भी कम दृश्यता में संचालन की अनुमति देती है, जो कि सर्दियों के घने कोहरे के दौरान आम बात है।इंडिगो की ये नई उड़ानें रद्द होना ऐसे समय में हो रहा है जब एयरलाइन डीजीसीए की निगरानी में है। इस महीने की शुरुआत में भी कंपनी की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द हुई थीं। इस वजह से देश भर में हज़ारों यात्री फंसे रह गए थे। इसके बाद एक्शन हुआ। इंडिगो फिलहाल सरकारी निर्देशों के अनुसार, अपने सर्दियों के शेड्यूल को कम करके चला रही है। अपने मूल सर्दियों की योजना के तहत, एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 घरेलू उड़ानें संचालित करने की अनुमति मिली थी। यह लगभग 2,144 उड़ानें प्रतिदिन थीं, जो उसके ग्रीष्मकालीन 2025 के शेड्यूल (14,158 साप्ताहिक उड़ानें) से लगभग छह प्रतिशत ज़्यादा थी।

शेयर मार्केट में पाकिस्तान आगे

डबल-डिजिट के साथ मार ली बाजी, चीन भी निकला हमसे आगे

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ सालों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद भारतीय शेयर बाजार 2025 में पिछड़ गया है। प्रमुख वैश्विक बाजारों के मुकाबले भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन फीका रहा है। ऊंचे टैरिफ, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली और गिरती कमाई जैसे कई कारणों से सेंसेक्स में सुस्ती छाई रही। भारत का प्रदर्शन इतना खराब रहा है कि यह अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान से भी पिछड़ गया है। पाकिस्तान के शेयर बाजार ने न केवल ऊंचा डबल-डिजिट रिटर्न दिया है, बल्कि यह दुनिया के टॉप परफॉर्मिंग बाजारों में से एक बन गया है। इस साल सेंसेक्स ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की। लेकिन, यह 14 महीने के लंबे इंतजार के बाद नवंबर में संभव हुआ। मैक्रो इकोनॉमिक हालात के सकारात्मक रहने के बावजूद सेंसेक्स में लगभग 9% की बढ़ोतरी हुई है। इसकी तुलना में पाकिस्तान के केएसई 100 इंडेक्स ने इस साल 52% का रिटर्न दिया है। यह इसे दुनिया के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक बनाता है। पाकिस्तान की इस तेजी के पीछे उसका छोटा बाजार आकार, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से मिला समर्थन और घरेलू ब्याज दरों में कटौती से बढ़ी हुई लिक्विडिटी जैसे कारण हैं।

भारत के पिछड़ने का कारण

आईएनवीएसेट पीएमएस के बिजनेस हेड हरशल दासानी के अनुसार, भारत का इस साल का पिछड़ना कमजोर फंडामेंटल के कारण नहीं है। इसके बजाय यह सेंटीमेंट और विदेशी निवेश की कमी के कारण हुआ है। पिछले एक साल में विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी में 156,852 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। रुपये में कमजोरी और कमाई में सुस्ती ने भारतीय शेयर बाजार की एफआईआई के लिए अपील कम कर दी है। एक और बड़ा कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय निर्यात पर लगाया गया 50% का भारी टैरिफ है।अन्य वैश्विक बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का केओएसपीआई68% की भारी उछाल के साथ सबसे ऊपर रहा।

46 साल में सबसे बेहतर प्रदर्शन की ओर बढ़ रहा सोना, 1979 में भी ऐसी आई थी उछाल

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत में इस साल 70 फीसदी से ज्यादा तेजी आई है। यह 1979 के बाद से सोने का सबसे अच्छा साल साबित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो साल की शुरुआत में सोने का वायदा कारोबार लगभग $2,640 प्रति औंस पर चल रहा था जो अब $4,500 प्रति औंस के पार पहुंच गया है। जेपी मॉर्गन चेज के विश्लेषकों को उम्मीद है कि 2026 के अंत तक सोने की कीमतें $5,000 प्रति औंस से ऊपर चली जाएंगी। पिछले साल सोने के वायदा कारोबार में 27% की बढ़त देखी गई थी। न्यूयॉर्क में सोने के वायदा कारोबार में इस साल लगभग 71% की बढ़ोतरी हुई है। यह पिछले 46 साल में सोने की सबसे बड़ी सालाना बढ़त है। आखिरी बार जब सोने ने इतनी जबरदस्त छलांग लगाई थी, तब अमेरिका में जिमी कार्टर राष्ट्रपति थे, मध्य पूर्व में संकट गहरा रहा था, महंगाई बहुत ज्यादा थी और अमेरिका ऊर्जा संकट से जूझ रहा था। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक आज के हालात भी कुछ ऐसे ही हैं। व्यापार में टैरिफ की वजह से दिक्कतें आ रही हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है, ईरान और इज़राइल के बीच तनाव बढ़ा है और अमेरिका वेनेज़ुएला के तेल टैंकरों को जब्त कर रहा है।ऐसे अनिश्चित समय में, निवेशक सोने जैसी सुरक्षित जगहों की ओर भागते हैं। सोने को एक भरोसेमंद निवेश माना जाता है। निवेशक उम्मीद करते हैं कि संकट के समय, महंगाई बढ़ने पर या मुद्राओं के गिरने पर सोना अपना मूल्य बनाए रखेगा। जानकारों का कहना है कि ग्लोबल इकॉनमी में अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में सोना एक स्ट्रैटजिक डाइवर्सिफायर और स्थिरता के स्रोत के रूप में ज्यादा आकर्षक हो गया है।फेडरल रिजर्व जब ब्याज दरें कम करता है, तो बॉन्ड यील्ड कम हो जाती हैं। इससे सोना और भी आकर्षक लगने लगता है। 2026 में फेड की कुछ ब्याज दरें कम होने की उम्मीदें सोने की इस बढ़त को सहारा दे रही हैं। अमेरिकी डॉलर का कमजोर होना भी सोने की कीमतों को बढ़ाने में मदद कर रहा है क्योंकि इससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए सोना खरीदना अपेक्षाकृत सस्ता हो जाता है। दुनिया के कई देशों के सेंट्रल बैंक भी भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। इसमें चीन सबसे आगे है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत्-1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत्-2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-47
भोग्य कलि वर्ष.- 426874 सूर्यास्त. 17-4
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष शुक्रवार 26 Dec
तिथि - षष्ठी 13-43 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - शतभिषा 09-00 तक उप पूर्वभाद्रपद
योग - सिद्धि 14-00 तक उप. व्यतिपात
करण - तैतिल 13-43 तक गर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	धनु	मे	धनु	06-32 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	मकर	08-37 बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ	10-20 बजे
बुध	वृश्चिक	मे	मीन	11-50 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष	13-16 बजे
शुक्र	धनु	मे	वृष	14-53 बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन	16-49 बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क	19-03 बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह	21-22 बजे
			कन्या	23-38 बजे
			तुला	01-52 बजे
			वृश्चिक	04-10 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-54 12-17

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
चंचल	06-47 - 08-08 शुभ	रोग	17-45 - 19-26 अशुभ
लाभ	08-08 - 09-31 शुभ	काल	19-26 - 21-03 अशुभ
अमृत	09-31 - 10-54 शुभ	लाभ	21-03 - 22-40 शुभ
काल	10-54 - 12-17 अशुभ	उत्पात	22-40 - 00-17 अशुभ
शुभ	12-17 - 13-40 शुभ	शुभ	00-17 - 01-54 शुभ
रोग	13-40 - 15-03 अशुभ	अमृत	01-54 - 03-31 शुभ
उत्पात	15-03 - 16-26 अशुभ	चंचल	03-31 - 05-09 शुभ
चंचल	16-26 - 17-45 शुभ	रोग	05-09 - 06-47 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योंकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौंपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है , जो आपके मुख मंडल से अनायास ही निकल पड़ते है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका धैर्य कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवेदन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

धान खरीदी और एसआईआर काम में लापरवाही से भड़के कलेक्टर

दो पटवारियों को किया सस्पेंड

बलरामपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में धान खरीदी में लापरवाही बरतने वाले 2 पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

कलेक्टर के आदेश पर दो पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर ने यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के उल्लंघन के आधार पर की है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामानुजगंज के प्रतिवेदन के आधार पर पटवारी विजय यादव को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

लापरवाही बरतने का आरोप

धान खरीदी वर्ष 2025-26 और निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप है। आदेश में कहा गया है कि निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय शंकरगढ़ निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह के लिए भत्ता देना देय होगा। कलेक्टर ने साफ किया है कि धान खरीदी में लापरवाही नहीं की जाएगी।

धान खरीदी में लापरवाही

जिले के तहसील रामचन्द्रपुर के पटवारी बंधन राम को भी धान खरीदी कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय कुसमी नियत किया गया है। उन्हें भी नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

लापरवाही में प्रशासन का सख्त रुख

कलेक्टर ने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि संबंधित कर्मचारियों का कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 (1), (2) एवं (3) के विपरीत पाया गया है।

इसके चलते छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई है।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

बता दें कि धान खरीदी और निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में लापरवाही को लेकर प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है। भविष्य में भी इस प्रकार की अनियमितताओं पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी में 14 नवंबर से शुरू हुई है। धान खरीदी को लेकर प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं किसी तरह की लापरवाही नहीं की जाएगी।

खूनी संघर्ष, 2 युवकों की हत्या

हमलावरों ने बर्थडे पार्टी से लौट रहे 3 युवकों को घेरकर मारा, एक अभी भी लापता, गांव में तनाव

गाजीपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजीपुर में दो युवकों की हत्या कर दी गई है। एक युवक की गोली मारकर हत्या की गई है और धारदार हथियार से गर्दन को रेता गया है, जबकि हमलावरों ने दूसरे को लाठी-डंडों और धारदार हथियार काटा है। एक आंख भी फोड़ दी।

एक युवक का शव तालाब के पास मिला है। जबकि दूसरे युवक की लाश तालाब में गुरुवार दोपहर में मिली। एक युवक अभी भी लापता है। गोताखोर उसकी तलाश कर रहे हैं।

उधर, परिजन ने शव को ले जाने से इनकार कर दिया है। लोग सड़क जाम कर सुबह से हंगामा कर रहे हैं। घटना के बाद से गांव में तनाव है। गांव में 50 से अधिक पुलिसवाले तैनात हैं।

स्थिति को संभालने के लिए एसपी डॉ.ईरज राजा स्वयं मौके पर हैं और लोगों को समझा रहे हैं।

जवान ने सर्विस-राइफल से खुद को मारी गोली

नारायणपुर में 7 दिन में दूसरा सुसाइड, कनपटी को चीरते हुए निकली बुलेट, कोड़नार-कैंप में पदस्थ था

जगदलपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में जिला बल के जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अस्पताल ले जाने से पहले ही जवान की मौत हो गई है। गोली जवान के सिर के दाहिने हिस्से (कनपटी) में लगी। सुसाइड का कारण अज्ञात है। मामला कोहकमेटा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतक जवान की पहचान कांकेर निवासी पिंगल जूरी के रूप में हुई है। वह कोड़नार कैंप में आरक्षक के पद पर पदस्थ था। आज 25 दिसंबर की सुबह कैंप में ही ड्यूटी के दौरान उसने सर्विस राइफल से खुद को शूट कर लिया।

गोली की आवाज सुनते ही साथी जवान मौके पर पहुंचे। जिन्होंने घायल जवान को अस्पताल लाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी। बता दें कि 7 दिन पहले भी नारायणपुर में पदस्थ यूपी के BSF जवान ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया था।

जवान के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। नारायणपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोड़नार कैंप हाल ही में 19 दिसंबर को स्थापित किया गया था। ताकि अबूझमाड़ के अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा और विकास को मजबूती दी जा सके।

नारायणपुर जिले में सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवान ने 7 दिन पहले सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड करने का कारण अज्ञात है। जवान उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। घटना सोनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक जवान का नाम सचिन कुमार है।

जवान यूपी के बागपत जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र का रहने वाला था। पिछले कुछ समय से नारायणपुर के होरादी सुरक्षा कैंप में आरक्षक के पद पर तैनात था। जवान ने कैंप में ही ड्यूटी के दौरान सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी है।

ग्लोबल मैत्री फेस्टिवल कल

मुंबई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्लोबल मैत्री फेस्टिवल 27 दिसंबर को मुंबई के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होने जा रहा है। इसमें 12,000 से अधिक दर्शकों की उपस्थिति वाले का अनुमान है। महोत्सव का आयोजन मैत्रीबोध परिवार द्वारा किया जा रहा है, जिसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का पूर्ण समर्थन प्राप्त है।

इस मोहत्सव में अर्जुन मेघवाल, केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री, प्रतापराव जाधव, केंद्रीय आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। इसके साथ ही, फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ, स्मिता जयकर और काजल अग्रवाल जैसे लोकप्रिय कलाकार भी आएंगे। मैत्रेय दादाश्रीजी की पावन उपस्थिति और मार्गदर्शन, जो इस उत्सव के विज़नरी और मैत्रीबोध परिवार के संस्थापक हैं, एक समाज सुधारक और वैश्विक मानवतावादी के रूप में, वे प्रेम और निःस्वार्थ सेवा के पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

इस वर्ष फेस्टिवल चार परिवर्तनकारी पहलों को प्रस्तुत करेगा, जो स्थायी सामाजिक सुधार की दिशा में कार्यरत हैं। इस मोहत्सव का मुख्य आकर्षण मैत्रेय दादाश्रीजी का वार्षिक संबोधन होगा, जिसमें वे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों से उबरने और आने वाले वर्ष को स्पष्टता और आंतरिक शक्ति के साथ जीने हेतु गहन मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करेंगे।

कांकेर हिंसा में हिन्दुओं की एकजुटता के लिए साधुवाद

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने धर्मांतरण के तीन कारण बताए

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश में धर्म परिवर्तन कैंसर से भी ज्यादा खतरनाक है और इसके खिलाफ सनातन धर्म एवं हिंदू परंपरा के सभी अनुयायी मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन के तीन मुख्य कारण अशिक्षा, अंधविश्वास और आर्थिक तंगी हैं। इन तीनों कारणों को दूर करने की जिम्मेदारी समाज के समृद्ध और जागरूक वर्ग की है, ताकि हिंदू समाज को मजबूत किया जा सके।

अंधविश्वास में फंस जाते हैं लोग

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अशिक्षा के कारण लोग जागरूक नहीं हो पाते और अंधविश्वास में फंस जाते हैं, जबकि आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोग लालच में आकर धर्म परिवर्तन की ओर बढ़ जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पूजा-पाठ के विरोधी नहीं हैं, लेकिन पूजा-पाठ के नाम पर कराए जा रहे धर्म परिवर्तन का विरोध करते हैं। उनका कहना है कि समाज को संगठित होकर इन समस्याओं के समाधान की दिशा में काम करना होगा।

उन्होंने जानकारी दी कि 25 दिसंबर से भिलाई में हनुमान चालीसा पर आधारित पांच दिवसीय प्रवचन का आयोजन किया जा रहा है, जिसके साथ एक दरबार भी लगाया जाएगा। पंडित शास्त्री ने भिलाई को शिक्षा और उद्योग का शानदार शहर बताते हुए कहा कि यहां पूरे छत्तीसगढ़ से छात्र पढ़ने आते हैं, नए सपने देखते हैं और भारत को महान बनाने की भावना के साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि भिलाई शिक्षा और उद्योग जगत की नगरी है, जो देश के भविष्य को दिशा देने का काम कर रही है।

हिंदू समाज को एकजुट होना होगा

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि वर्ष 2025 के अंतिम दिनों में 25 दिसंबर को उन्हें छत्तीसगढ़ की धरती पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोग अद्भुत हैं और प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भारत में बांग्लादेश जैसे हालात नहीं देखना चाहते हैं तो अब सही समय है अभी नहीं तो कभी नहीं। यदि हिंदू समाज आज एकजुट नहीं हुआ तो वह दिन दूर नहीं जब भारत के राज्यों के हर चौराहे पर बांग्लादेश जैसे हालात नजर आएंगे।

कांकेर में हिंदुओं ने एकता दिखाई

उन्होंने कांकेर की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां जो हुआ वह अच्छा नहीं था, लेकिन हिंदुओं ने जिस तरह एकता दिखाई, उसके लिए वे साधुवाद व्यक्त करते हैं।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने छत्तीसगढ़ में शांति और उन्नति की कामना करते हुए कहा कि उनका संकल्प है कि भारत विश्व गुरु बने। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बन जाता, तब तक वे देशभर में यात्राएं करते रहेंगे और समाज को जागरूक करने का कार्य जारी रखेंगे।

दो बहनों ने डॉग के लिए सुसाइड किया

एक महीने से बीमार था, मरते-मरते मां से बोलीं- उसे भगाना नहीं, दवा कराना

लखनऊ, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ से एक हैरान वाली खबर सामने आई है। यहां 24 और 22 साल की दो सगी बहनों ने अपने पालतू डॉग के लिए जान दे दी। डॉग 1 महीने से बीमार है। उसकी लगातार दवा चल रही थी, लेकिन कुछ सुधार नहीं हो रहा था।

दोनों बहनों का अपने डॉग से काफी भावनात्मक लगाव था। पिता भी कई महीने से बीमार हैं। इससे दोनों बहनें डिप्रेशन में थी। बुधवार को दोनों ने एक साथ फिनायल पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिवार को जानकारी हुई। तत्काल दोनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां पहले बड़ी बहन और बाद में छोटी बहन ने दम तोड़ दिया। घटना पारा थाना क्षेत्र के दोदा खेड़ा जलालपुर की है। ग्रेजुएशन पास थीं दोनों बेटियां पारा थाना क्षेत्र के दोदा खेड़ा जलालपुर निवासी कैलाश सिंह (65 साल) की दो बेटियों राधा सिंह (24) और जिया सिंह (22) ग्रेजुएशन पास थीं।

दोनों बहनों ने जर्मन शेफर्ड नस्ल का एक डॉग पाल रखा था। उसका नाम टोनी है। वह 1 महीने से बीमार है। डॉग की तबीयत सही नहीं हो रही है। राधा और जिया को आशंका थी कि डॉग टोनी अब नहीं बचेगा। दोनों बहनें डिप्रेशन में रहने लगी थीं। बताया जा रहा है कि छोटी बहन जिया सिंह की पहले से भी मानसिक स्थिति कुछ ठीक नहीं थी। बुधवार को दोनों ने फिनायल पीने के बाद तुरंत मां गुलाबा देवी को बताया। मां ने बड़े भाई वीर सिंह को फोन कर इसकी सूचना दी।

डाक विभाग में सीबीआई की कार्रवाई

भ्रष्टाचार का पर्दाफाश, रिश्वत लेते रंगे हाथ चार कर्मचारी गिरफ्तार

बीजापुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के बीजापुर जिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने भ्रष्टाचार के एक संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। सीबीआई ने डाक विभाग के सीनियर अधिकारियों समेत चार कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से करीब 40 हजार रुपये की रिश्वत राशि भी बरामद की गई है।

इन आरोपियों को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

सीबीआई ने रेड करते हुए जिन लोगों पर कार्रवाई की है उनमें शास्त्री कुमार पैंकरा, मालौथ शोभन, अम्बेडकर सिंह और संतोष एंड्रिक- ग्रामीण डाक सेवक (एबीपीएम) शामिल हैं। साथ ही मालौथ शोभन और अम्बेडकर सिंह का कार्यक्षेत्र मद्देड, भोपालपटनम, आवापल्ली एवं बीजापुर क्षेत्र बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, डाक विभाग में यह भ्रष्टाचार वर्षों से संगठित रूप से संचालित हो रहा था। ग्रामीण डाक सेवकों से नई नियुक्ति, स्थानांतरण (ट्रांसफर), ब्रांच ऑफिस (बीओ) निरीक्षण, दोहरा भत्ता, सेवा संबंधी प्रकरणों के निपटारे और अन्य प्रशासनिक कार्यों के बदले अवैध रूप से रिश्वत वसूली जाती थी। जो कर्मचारी रिश्वत देने में असमर्थ रहते थे, उनके कार्यों को जानबूझकर लंबित रखा जाता या उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। सीबीआई को इस भ्रष्टाचार को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद विभागीय गतिविधियों पर गोपनीय निगरानी रखी गई।

पुख्ता सबूत मिलने पर सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। सीबीआई पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस गिरोह में अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हो सकते हैं। जांच के तहत दस्तावेजों, बैंक खातों और मोबाइल संचार की भी बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

हाथियों के मूवमेंट के कारण तीसरी बार ट्रेनें रद्द

जमशेदपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चक्रधरपुर रेल डिवीजन में मनोहरपुर से झारसुगड़ा तक हाथियों के मूवमेंट के कारण ट्रेनों का परिचालन बाधित हो रहा है। पिछले 10 दिनों में तीसरी बार चक्रधरपुर रेल डिवीजन को ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है।

चक्रधरपुर रेल डिवीजन से जारी सर्कुलर के मुताबिक इस बार 18 लोकल ट्रेनों को 25 से 28 दिसंबर के बीच 4 दिन के लिए रद्द किया गया है। इसमें टाटानगर-राउरकेला-टाटानगर मेमू, चक्रधरपुर-राउरकेला-चक्रधरपुर मेमू, टाटा-बड़बिल-टाटा मेमू, टाटा-गुवा-टाटा मेमू, टाटा-चक्रधरपुर-टाटा और टाटा-खड़गपुर-टाटा मेमू समेत 18 लोकल ट्रेनों को रद्द करने का आदेश दिया गया है।

सांसद खेल महोत्सव का समापन

पीएम मोदी की पैरेंट्स से अपील, सीएम ने कहा- देश का नाम रोशन करेंगे खिलाड़ी

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में गुरुवार को सांसद खेल महोत्सव 2025 का समापन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती और सुशासन दिवस के अवसर पर हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर खिलाड़ियों को संबोधित किया।

हजारों खिलाड़ियों ने लिया भाग

समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव, रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, अभिभावक, खेल प्रेमी और अधिकारी उपस्थित रहे। इस महोत्सव में रायपुर लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न विधानसभाओं से हजारों युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। मेगा फाइनल में लगभग 5,000 खिलाड़ी उतरे, जिसने इसे देश के सबसे बड़े स्थानीय खेल आयोजनों में से एक बना दिया।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में खेल क्षेत्र में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश का खेल बजट 12,000 करोड़ रुपये से भी कम था, लेकिन आज यह बढ़कर 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के तहत एथलीटों को 25,000 से 50,000 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता दी जा रही है, जिससे वे बेहतर तैयारी कर पा रहे हैं।

पीएम मोदी ने भविष्य की बड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि 2030 में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजित होंगे, जहां पूरी दुनिया की नजर भारत पर होगी। यह युवा खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर होगा। इसके अलावा, भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए पूरी तरह प्रयासरत है।

उन्होंने कहा, आज मैं देश के हर खिलाड़ी से कहना चाहता हूं कि आप सिर्फ अपनी जीत के लिए नहीं खेल रहे हैं, आप देश के लिए खेल रहे हैं, आप तिरंगे के मान-सम्मान के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित करें।

गला घोंटकर पत्नी-3 साल के बेटे को मार-डाला

पत्थर बांधकर नदी में फेंके शव, घुमाने के बहाने ले गया था, गर्लफ्रेंड के दबाव में आकर हत्या

कोंडागांव, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में दोहरे हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी पति रोहित सेठिया समेत कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, अवैध प्रेम संबंध, पारिवारिक दबाव और भरण-पोषण की रकम से बचने के लिए यह साजिश रची गई थी।

मृतक महिला की पहचान भागवती सेठिया और उसके 3 वर्षीय बेटे के रूप में हुई है, जो पहले लापता बताए गए थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी रोहित सेठिया ने अपने परिजनों और कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पहले महिला की गला घोंटकर हत्या की, फिर उसके 3 वर्षीय बेटे की भी गला घोंटकर हत्या कर दी। सबूत मिटाने के उद्देश्य से शवों को नदी और तालाब में फेंक दिया गया था। यह मामला फरसगांव थाना क्षेत्र का है।

भागवती सेठिया ग्राम सिरपुर की रहने वाले थी। उसकी शादी रोहित सेठिया से 2020 में हुई थी और उनका एक 3 साल बेटा था।

वह अपने पति और बच्चे के साथ ससुराल में रह रही थी। शादी के बाद से ही भागवती को रोहित के परिवार द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था।

ससुराल पक्ष भागवती के साथ लगातार मारपीट करता था, जिसको लेकर पूर्व में सामाजिक बैठक भी हो चुकी थी।

सामाजिक बैठक के बाद भागवती और उसके पति रोहित अलग-अलग स्थानों पर रहने लगे थे।

इसी बीच भागवती और उसका मासूम बच्चा मायके ग्राम सिरपुर से अचानक लापता हो गए। इस दौरान रोहित का बसंती सेठिया नाम की दूसरी युवती के साथ अफेयर हो गया।

पुलिस के अनुसार, रोहित ने परिवार और गर्लफ्रेंड के दबाव के साथ-साथ तलाक के विवाद और कोर्ट द्वारा निर्धारित 5000 रुपये प्रति माह की भरण-पोषण राशि से बचने के लिए दोहरे हत्याकांड की साजिश रची।

पुलिस की जांच के अनुसार, 24 नवंबर को आरोपी रोहित सेठिया ने भागवती सेठिया को विशाखापट्टनम घुमाने का बहाना बनाकर अपने साथ ले गया। रास्ते में ओडिशा के जयपुर रोड के पास एक सुनसान इलाके में महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई।

हत्या के बाद, शव को पहचान छिपाने के लिए पत्थरों से बांधकर इंद्रावती नदी में फेंक दिया गया।

महिला की हत्या के बाद, आरोपी उसके 3 वर्षीय बेटे को ओडिशा के सिंगारसाड़ी क्षेत्र के जंगल में स्थित एक तालाब के पास ले गए।

वहां बच्चे की भी गला घोंटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को तालाब में फेंक दिया गया।

50 लाख की चोरी के बाद सबूत मिटाने को सीसीटीवी का हार्डडिस्क भी ले गए चोर

गढ़वा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में गढ़वा जिले के विशुनपुरा बाजार में बुधवार की रात बेखौफ चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। प्रसिद्ध व्यवसायी राम हरख प्रसाद गुप्ता के प्रतिष्ठान 'शुभ लक्ष्मी वस्त्रालय-मुन्ना ज्वेलर्स' को निशाना बनाते हुए चोरों ने लगभग 50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात, कीमती कपड़े और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस के अनुसार चोरों ने दुकान के पीछे लगे लोहे के ग्रिल का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारियों को खंगाल डाला। वारदात के बाद आक्रोशित व्यापारियों ने पुलिसिया गश्ती पर सवाल उठाते हुए तब तक दुकानें बंद रखने का निर्णय लिया है जब तक मामले का खुलासा नहीं हो जाता।

बीवी के मायके प्रेम पर पति बना बुलडोजर बाबा

रात में ससुराल वाले घर पर दौड़ा दी जेसीबी

गिरिडीह, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह में एक बड़ा ही दिलचस्प मामला सामने आया है, जहां एक पति अपनी पत्नी के बार-बार मायके जाने से इतना नाराज हो गया कि नशे की हालत में जेसीबी लेकर ससुराल पहुंच गया। युवक ने ससुराल में बने घर को ध्वस्त करने की धमकी देते हुए चारदीवारी तोड़ दिया।

दरअसल, यह पूरी घटना जमुआ थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव की है। हालांकि जब इस घटना की जानकारी आस-पास के लोगों को मिली तो काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन इससे पहले आरोपी (पति) जेसीबी लेकर भाग निकला.

पुलिस के अनुसार विवाहिता का मायके सिरसिया गांव में है, जबकि उसका ससुराल कुछ ही दूर गादी-चुंगलो गांव में है। आरोपी पिंटू मंडल के मुताबिक उसकी शादी के करीब साढ़े चार वर्ष पहले हुई थी। ससुराल में जब भी काम का वक्त आता है तो उसकी पत्नी मायके चली जाती है। सास और ससुर भी उसे मना करने के बजाय इसका समर्थन करते हैं। कई बार विदाई कराने पर प्रयास किया, लेकिन न तो यह आने को तैयार हुई और न ही उसके घरवालों ने कोई पहल की। दोनों बच्चों को भी नहीं आने नहीं दिया जाता है। ऐसे में उसने निर्णय लिया लिया कि अब पूरे ससुराल को ध्वस्त कर देगा, फिर उसकी पत्नी ससुराल में कहां रहेगी।

जीसस के जन्म स्थान पर 2 साल बाद क्रिसमस सेलिब्रेशन

पोप लियो ने वेटिकन में चर्च का दरवाजा खोलकर त्योहार की शुरुआत की

यरुशलम/वेटिकन सिटी, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में क्रिसमस के उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। ईसाई धर्म के अनुयायी यीशु मसीह के जन्म का जश्न मना रहे हैं और प्रार्थना के लिए चर्च पहुंच रहे हैं। घरों से लेकर शहरों के मुख्य चौराहों और गलियों को सजाया गया है।

येरूशलम के नजदीक मौजूद यीशु मसीह के जन्म स्थान बेथलेहम में इस बार पूरे दो साल बाद धूम-धाम से उत्सव मनाया जा रहा है। चर्च ऑफ द नेटिविटी के पास स्थित मैंगर स्क्वायर में बड़ा क्रिसमस ट्री लगाया गया। है। त्योहार मनाने के लिए जुटे लोगों ने परेड और प्रार्थना की।

इसी तरह चीन, केन्या, यूक्रेन और पाकिस्तान में भी क्रिसमस मनाया जा रहा है।

ईसाईयों के सर्वोच्च धर्मगुरु 14वें पोप लियो मई में चुने जाने के बाद पहली बार क्रिसमस सेलिब्रेशन की अध्यक्षता कर रहे हैं। पोप ने वेटिकन सिटी में 24 दिसंबर की रात सेंट पीटर बेसिलका चर्च का पवित्र दरवाजा खोलकर क्रिसकम के जश्न की शुरुआत की।

ट्रेड वार्ता में भारत का अमेरिका को फाइनल ऑफर

टैरिफ 50% से घटाकर 15% करो रूसी तेल पर लगी पेनाल्टी भी खत्म हो

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने अमेरिका के सामने ट्रेड वार्ता में अपना आखिरी प्रस्ताव रख दिया है। भारत चाहता है कि उस पर लगाए गए कुल 50% टैरिफ को घटाकर 15% किया जाए और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो एक्स्ट्रा 25% पेनाल्टी लगाई गई है, उसे पूरी तरह खत्म किया जाए। दोनों देशों के बीच चल रही इस वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है।

दोनों देशों के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती है, हालांकि उन्होंने कोई तय समय सीमा नहीं बताई।

इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई। बातचीत दो मुद्दों पर हो रही है। पहला एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते पर और दूसरा अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ को हटाने या कम करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर।

अगर अमेरिका भारत का प्रस्ताव मान लेता है

अगर अमेरिका भारत पर लगाया गया 50% टैक्स घटाकर 15% कर देता है और रूस से तेल खरीदने पर 25% की पेनाल्टी हटा देता है, तो-

अगर अमेरिका टैरिफ कम नहीं करता और पेनाल्टी भी जारी रखता है, तो-

भारतीय सामान अमेरिका में महंगे रहेंगे, जिससे हमारी बिक्री घट सकती है। कुछ इंडस्ट्री पर दबाव पड़ेगा, मुनाफा घट सकता है और नौकरियों पर असर पड़ सकता है। रूस से तेल खरीदना महंगा या मुश्किल हो जाएगा, जिससे ईंधन के दाम बढ़ सकते हैं। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है और व्यापार समझौते में देरी हो सकती है।

25% टैरिफ रूसी तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाया है। इसमें से 25% को वह 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है।

इमरान खान के असिस्टेंट पर ब्रिटेन में हमला, नाक-जबड़ा टूटा

आसिम मुनीर पर आरोप लगाया दो साल पहले एसिड अटैक हुआ था

लंदन, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार में विशेष सहायक (एसएपीएम) रहे मिर्जा शहजाद अकबर पर ब्रिटेन में एक बार फिर जानलेवा हमला हुआ है। यह हमला उस समय हुआ, जब वह कैमब्रिज शहर में अपने घर पर मौजूद थे।

मिर्जा अकबर ने इस हमले के लिए पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को जिम्मेदार बताया है। इस घटना में उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं और उनकी नाक व जबड़े में फ्रैक्चर हुआ है। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने भी इस घटना की जानकारी देते हुए कहा कि हमला सुबह के समय हुआ। पार्टी के मुताबिक, हमलावर ने अकबर के घर में घुसकर उनके चेहरे पर बार-बार मुक्के मारे, जिससे उनकी नाक और जबड़ा टूट गया। घटना के बाद लोकल पुलिस मौके पर पहुंची, सबूत इकट्ठा किए और जांच शुरू कर दी है।

मिर्जा अप्रैल 2022 में पाकिस्तान छोड़ने के बाद से अकबर ब्रिटेन में रह रहे हैं। उन्होंने खुद कहा है कि वह मर्जी से निर्वासन में जीवन बिता रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान में उनकी जान को खतरा था। इससे पहले भी उन पर हमला हो चुका है। नवंबर 2023 में उनके घर पर एक नकाबपोश इंसान ने तेजाब फेंका था। उस हमले में वह बाल-बाल बच गए थे।

उस समय उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि उन्हें डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वह न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे। उन्होंने इस हमले के पीछे भी साजिश का आरोप लगाया था।

मिर्जा अकबर का कहना है कि इन हमलों का संबंध इमरान खान से जुड़े अल-कादिर ट्रस्ट मामले से है।

उनका आरोप है कि पाकिस्तान की कुछ ताकतें और सुरक्षा एजेंसियां उन पर दबाव डाल रही हैं कि वह इस मामले में इमरान खान के खिलाफ गवाही दें। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने ऐसा करने से इनकार किया, तो उन्हें धमकियां मिलने लगीं और फिर उनके ऊपर हमले किए गए।

भारत के हमले पर पाकिस्तानी मौलाना ने उठाया सवाल

इज्जत बचाने उतरे रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मौलाना डीजल नाम के मशहूर पाकिस्तानी नेता फजलुर रहमान के भारत के ऑपरेशन सिंदूर और अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों की तुलना वाले बयान के बाद शहबाज शरीफ सरकार घिर गई है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बीते रविवार को कराची के ल्यारी से पाकिस्तानी सेना के अफगानिस्तान पर हमले को लेकर सवाल उठाया था। रहमान ने पूछा था कि अगर पाकिस्तान का काबुल पर हमला करना सही है तो भारत ने पाकिस्तान के बहावलपुर और पीओके के मुरीदके में हमला करके क्या गलत किया? मौलाना फजलुर के बयान के बाद अब पाकिस्तान सरकार की सफाई आई है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को अफगानिस्तान में इस्लामाबाद की कार्रवाई और मई में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई की तुलना को गलत बताया। आसिफ ने कहा कि भारत आज तक पहलगाम हमले में पाकिस्तान के शामिल होने का सबूत नहीं दे पाया है, जबकि पाकिस्तान ने निष्पक्ष जांच की पेशकश की थी। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने अफगानिस्तान में सैन्य हमलों के समर्थन में तर्क दिया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र भी अफगान तालिबान के शासन में आतंकवाद को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति और पाकिस्तान में घुसपैठ करने वाले आतंकवादी इसका साफ सबूत हैं। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री की सफाई फजलुर रहमान के बयान पर आई जिसमें उन्होंने सीधे सवाल उठाया कि जब पाकिस्तान ने भी अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सीमा पार हमले किए थे, जो वह भारतीय हमलों पर आपत्ति क्यों जता रहा है।

तारिक रहमान की देश वापसी पर बवाल

अवामी लीग के छात्र संगठन ने कहा- ये बैकडोर डील का हिस्सा

ढाका, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर उथल-पुथल तेज हो गई है। लंबे निर्वासन के बाद बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की देश वापसी को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। अवामी लीग के छात्र संगठन ने आरोप लगाया है कि यह वापसी लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नहीं, बल्कि एकतरफा चुनाव कराने की 'बैकडोर डील' का हिस्सा है।

बांग्लादेश छात्र लीग के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने कहा कि तारिक रहमान की घर वापसी से देश में स्थिरता नहीं आएगी, बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण और बढ़ेगा। उनका दावा है कि यह पूरा घटनाक्रम अवैध सरकार और बीएनपी-जमात गठबंधन के बीच एक समझौते का नतीजा है, जिसका मकसद चुनाव को पहले से तय नतीजों की ओर ले जाना है। छात्र संगठन का कहना है कि जब पहले तारिक रहमान देश में सक्रिय थे, तब कानून-व्यवस्था बिगड़ी, उग्रवाद बढ़ा और अल्पसंख्यकों पर हमले हुए। बांग्लादेश की छवि भ्रष्टाचार से जुड़ी और आम लोगों में असुरक्षा बढ़ी। ऐसे में उनकी वापसी से वही हालात दोहराने की आशंका जताई जा रही है। तारिक रहमान की वापसी ऐसे समय में हुई है, जब छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन हो चुके हैं।

पाकिस्तान ने जिन्ना के जन्मदिन पर बलूचिस्तान में ट्रेनें क्यों रोकी

क्वेटा से कटा संपर्क, मालगाड़ियां भी बंद

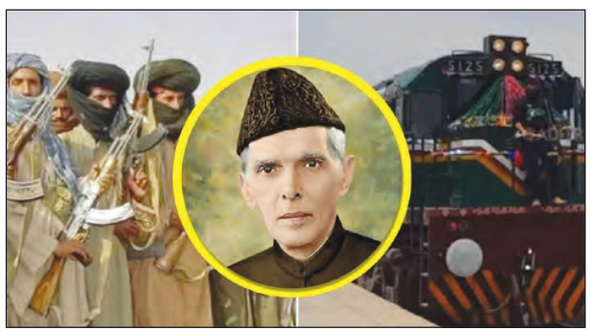

इस्लामाबाद, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान सूबे में रेल सर्विस को सस्पेंड कर दिया है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों को इस प्रांत में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर संभावित हमले का इनपुट मिला था। इस चेतावनी के कारण पाकिस्तान रेलवे ने गुरुवार को पूरे बलूचिस्तान में सभी ट्रेन सेवाओं को सस्पेंड कर दिया था। इससे पहले पाकिस्तान रेलवे ने बलूचिस्तान से गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण पैसेंजर ट्रेनों के ऊपर भारी मशीनगन, 360 डिग्री घूमने वाले कैमरे और सुरक्षाबलों की टुकड़ियों को तैनात किया था। हालांकि, वर्तमान खतरे को देखते हुए ये सुरक्षा उपाय भी नाकाफी हो गए हैं।

पाकिस्तान रेलवे के एक अधिकारी ने पुष्टि की, एहतियाती कदम के तौर पर क्वेटा आने-जाने वाली सभी ट्रेनें सस्पेंड कर दी गई हैं। उन्होंने संभावित बड़े पैमाने पर हमले की ओर इशारा करने वाले खुफिया इनपुट का हवाला दिया। जाफर एक्सप्रेस, बोलन मेल और चमन एक्सप्रेस सहित यात्री ट्रेन, साथ ही मालगाड़ियों को भी अगले आदेश तक रोक दिया गया है।

रिपोर्ट में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अधिकारियों को खुफिया जानकारी मिली थी कि बलूच अलगाववादी समूह मोहम्मद अली जिन्ना के जन्मदिन यानी 25 दिसंबर को रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सहित संवेदनशील प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। इस चेतावनी के बाद रेल संचालन को तुरंत बंद कर दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसे एक एहतियाती कदम बताया है, जिससे किसी बड़ी घटना को टाला जा सकता है।

खुफिया इनपुट को देखते हुए पाकिस्तान ने क्वेटा-सिबी-मच सेक्टर में रेलवे सिक्योरिटी फोर्सेज और फ्रंटियर कोर को हाई अलर्ट पर रखा है। पाकिस्तानी रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, एहतियाती उपायों के कारण बलूचिस्तान में ट्रेन सेवाएं सस्पेंड कर दी गई हैं।

क्रिसमस पर हमले की साजिश रच रहा था इस्लामिक स्टेट

115 संदिग्ध हिरासत में

अंकारा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। तुर्किए की पुलिस ने क्रिसमस और नए साल के मौके पर आतंकी हमलों की तैयारी कर रहे 115 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़े होने की संभावना है। वे गैर-मुस्लिम समुदायों को निशाना बनाने की प्लानिंग कर रहे थे।

इस्तांबुल के चीफ प्रोसिक्यूटर ऑफिस के अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने के बाद शहर में एक साथ 124 अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पिस्तौल और गोलियां भी बरामद की।

अधिकारियों का मानना है कि आरोपी क्रिसमस और न्यू ईयर के जश्न के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों और धार्मिक स्थलों पर हमला करने की तैयारी में थे। इनकी योजना खासतौर पर विदेशी नागरिकों और पर्यटकों को निशाने बनाने की थी।

सुरक्षा एजेंसियों ने इस्तांबुल और अंकारा समेत बड़े शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी है। सरकार ने कहा है कि नए साल तक पुलिस और सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क रहेंगे और किसी भी आतंकी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

चीन में सेल्फ ड्राइविंग कारों की बिक्री के प्लान पर रोक

मार्च में कार एक्सिडेंट में 3 छात्रों की मौत हुई थी

बीजिंग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन ने एक सड़क हादसे के बाद सेल्फ ड्राइविंग कारों को बेचने के प्लान को फिलहाल रोक दिया है। इस साल 29 मार्च को सेल्फ ड्राइविंग तकनीक से लैस कार में सवार 3 छात्रों की मौत हो गई थी। इस दौरान कार की रफ्तार 116 किमी प्रति घंटा थी।

फिलहाल चीन के उद्योग और आईटी मंत्रालय ने केवल दो कंपनियों बीजिंग ऑटोमोटिव ग्रुप और चांगन ऑटोमोबाइल को लेवल-3 सेल्फ-ड्राइविंग वाहनों के टेस्टिंग की अनुमति दी है। ये कारें केवल बीजिंग और चोंगकिंग के कुछ तय किए गए हाईवे पर ही चल सकेंगी। यानी सेल्फ ड्राइविंग कारों को अभी सिर्फ टेस्टिंग की अनुमति दी गई है।

दरअसल, चीन में इस समय सिर्फ लेवल-2 सिस्टम चलन में हैं, जिनमें ड्राइवर को हर समय ज्यादा सतर्कता बरतनी पड़ती है। मार्च में हुए हादसे वाली कार में लेवल-2 सिस्टम लगा हुआ था। हादसे के बाद सरकार ने कार कंपनियों को 'स्मार्ट ड्राइविंग' या 'ऑटोनॉमस ड्राइविंग' जैसे शब्दों के इस्तेमाल से भी रोक दिया है।

भारत से रिश्ते खराब करने की कोशिश कर रहा है अमेरिका

पेंटागन की रिपोर्ट पर भड़का चीन

बीजिंग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन ने भारत के साथ अपने संबंधों को लेकर अमेरिका पर राष्ट्रीय रक्षा नीति को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) की हालिया रिपोर्ट पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा है, कि इसमें भारत-चीन संबंधों को गलत तरीके से पेश किया गया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार को नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन, भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखता है। उन्होंने कहा कि चीन किसी तीसरे देश को ध्यान में रखकर भारत के साथ रिश्ते तय नहीं करता।

लिन जियान यह बयान उस सवाल के जवाब में दे रहे थे, जिसमें पूछा गया था कि क्या चीन, भारत और चीन के बीच विवादित सीमा क्षेत्रों में तनाव कम होने की स्थिति का फायदा उठाकर भारत और अमेरिका के बढ़ते रणनीतिक संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर सकता है? पेंटागन की रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि चीन, भारत-अमेरिका की बढ़ती नजदीकी को लेकर चिंतित है और सीमा पर तनाव घटाने को एक रणनीतिक कदम के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। हालांकि, चीन ने इस आकलन को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि अमेरिका की रिपोर्ट उसके रक्षा दृष्टिकोण को गलत तरीके से प्रस्तुत करती है।

आपको बता दें कि पेंटागन की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की दीर्घकालिक रणनीति का मूल लक्ष्य वर्ष 2049 तक चीनी राष्ट्र का महान पुनरुत्थान हासिल करना है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस लक्ष्य के तहत बीजिंग न सिर्फ अपनी वैश्विक प्रभाव क्षमता बढ़ाना चाहता है, बल्कि एक ऐसी विश्व स्तरीय सेना खड़ी करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है, जो युद्ध लड़ने और जीतने में सक्षम हो। चीन ने पेंटागन की इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके अलावा पेंटागन की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने अपनी नेशनल स्ट्रैटजी में तीन तथाकथित कोर इंटरेस्ट तय किए हैं, जिन्हें वह किसी भी तरह की बातचीत या समझौते से परे मानता है। इनमें पहला, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) का पूर्ण नियंत्रण, दूसरा, देश का आर्थिक विकास और तीसरा, चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय दावों की रक्षा और विस्तार शामिल है।

इसके अलावा पेंटागन की रिपोर्ट में अरुणाचल प्रदेश को लेकर भी कई तरह की बातें कही गई है। इसमें कहा गया है कि बीजिंग ने इन कोर इंटरेस्ट्स के दायरे में ताइवान, दक्षिण चीन सागर, सेनकाकू द्वीप और भारत के अरुणाचल प्रदेश जैसे विवादित क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। एलएसी पर भारत के साथ शांति कायम करना चीन की रणनीति का हिस्सा है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अक्टूबर 2024 में भारतीय नेतृत्व ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारतीय प्रधान मंत्री मोदी के बीच एक बैठक से दो दिन पहले, एलएसी पर बाकी गतिरोध वाली जगहों से पीछे हटने के लिए चीन के साथ एक समझौते की घोषणा की। शी जिनपिंग और मोदी की बैठक ने दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय मुलाकातों की शुरुआत को चिह्नित किया, जहां पार्टियों ने सीमा प्रबंधन और द्विपक्षीय संबंधों के लिए अगले कदमों पर चर्चा की, जिसमें सीधी उड़ानें, वीजा सुविधा और शिक्षाविदों और पत्रकारों का आदान-प्रदान शामिल है। चीन शायद एलएसी पर कम तनाव का फायदा उठाकर, द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना चाहता है और अमेरिका-भारत संबंधों को गहरा होने से रोकना चाहता है।

भारतीय पासपोर्ट अब मेरे जीवन में किसी काम का नहीं

लंदन से भारत के टेक प्रोफेशनल का छलका दर्द

लंदन, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के रहने वाले एक सॉफ्टवेयर डेवलपर ने अपने भारतीय पासपोर्ट को लेकर निराशा जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया है कि हर इंटरनेशनल ट्रिप के लिए उन्हें बहुत सारे कागजात की जरूरत पड़ती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में कुणाल कुशवाहा ने कहा कि भारतीय पासपोर्ट अब उनकी ज़िंदगी में कोई वैल्यू नहीं जोड़ता। कुणाल कुशवाहा भारतीय पासपोर्ट को लेकर निराश नजर आ रहे हैं। कुणाल के मुताबिक, पासपोर्ट होने के बावजूद यात्रा के दौरान कई तरह की बाधाएं होती है, जिसे देखते हुए लोग यात्रा ना करना ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं।

कुनाल ने बताया कि वह अपने दोस्त के जन्मदिन पर आयरलैंड जाना चाहते थे, लेकिन ऐसा कर नहीं सके। उन्होंने दावा किया, मेरा सबसे अच्छा दोस्त आयरलैंड में रहता है। हाल ही में उसका जन्मदिन था। आम तौर पर मैं टिकट बुक करके उसे सरप्राइज देता। लेकिन, इसके बजाय मैंने वीजा वेबसाइट खोलीं।

आयरलैंड न जा पाने की वजह यह थी कि जर्मनी की हाल की यात्रा के कारण शेंगेन नियमों के तहत उन्हें मिलने जरूरी दिनों की संख्या कम हो गई थी।

भारतीय पासपोर्ट से क्यों निराश हुए टेक प्रोफेशनल?

कुशवाहा ने कहा, मैं कुछ दिन पहले ही बर्लिन में था। उस एक छोटी सी बात की वजह से मैं क्रिसमस पर डबलिन में अपने दोस्तों के साथ शामिल नहीं हो सका, पैसे की वजह से नहीं, समय की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए कि मेरे पास दूसरे वीजा के लिए अप्लाई करने के लिए पर्याप्त दिन नहीं बचे थे। उन्होंने कहा कि ऐसा सिर्फ उनके साथ नहीं होता, बल्कि हजारों भारतीय पासपोर्ट धारकों के साथ ऐसा होता है। उन्होंने कहा कि मैं एयरपोर्ट पर लंबी कतारों में खड़ा रहा हूं, दूसरों को आसानी से जाते हुए देख रहा हूं, जबकि मैं उन डॉक्यूमेंट्स के फोल्डर निकालता हूं जिन्हें मैं पहले ही कई बार जमा कर चुका हूं। उन्होंने कहा कि शेंगेन एप्लीकेशन एक फुल-टाइम नौकरी जैसा लगता है, जिसमें बैंक स्टेटमेंट, कवर लेटर, बुकिंग देना होता है, वो भी सिर्फ एक सामान्य यात्रा के लिए। आपको बता दें कि शेंगेन वीजा एक ऐसा वीजा होता है जिसकी मदद से कोई भी व्यक्ति यूरोप के शेंगेन क्षेत्र में शामिल कई देशों में एक ही वीजा पर यात्रा कर सकता है। इसके अलावा कुशवाहा ने भारत के बैंकिंग सिस्टम को भी पुराना बताया। उन्होंने कहा, घर पर बैंकिंग और KYC अभी भी पुराने दशक में अटके हुए लगते हैं। अंतहीन कागजी कार्रवाई। देरी। फॉलो-अप। चक्कर लगाना। दोबारा सबमिट करना।

लंदन में रहने वाले इस प्रोफेशनल ने यह कहते हुए अपनी बात खत्म की कि उनकी पोस्ट देशभक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि परेशानी के बारे में है।

हाईकोर्ट बोला- 'आई लव यू' कहकर हाथ पकड़ना अपराध

पीड़िता की उम्र साबित नहीं, आरोपी पॉक्सो एक्ट से बरी, सजा घटकर एक साल हुई

बिलासपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि 'आई लव यू' कहकर किसी लड़की का हाथ पकड़ना या अपनी ओर खींचना महिला की मर्यादा भंग करना है। हालांकि, पीड़िता की उम्र नाबालिग है या नहीं, यह साबित नहीं होने के कारण आरोपी को पॉक्सो एक्ट से बरी कर दिया गया। जस्टिस एनके चंद्रवंशी की सिंगल बेंच ने 3 साल की सजा को घटाकर 1 साल कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, रायगढ़ जिले के भूपदेवपुर थाना क्षेत्र में रहने वाली लड़की 28 नवंबर 2019 को स्कूल से लौट रही थी। इस दौरान 19 साल का रोहित चौहान उसके पास पहुंचा। उसने लड़की का हाथ पकड़कर 'आई लव यू' कहा और उसे अपनी ओर खींचा। जब लड़की ने विरोध किया तो आरोपी ने गाली-गलौज की। लड़की की छोटी बहन और दोस्त ने बीच-बचाव किया। जिसके बाद वे डर से छिप गईं। घर पहुंचकर लड़की ने मां को बताया। इसके बाद पिता के साथ थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। रायगढ़ के फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 20 मई 2022 को आरोपी को आईपीसी की धारा 354 और पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत दोषी ठहराया था। दोनों धाराओं में 3-3 साल की सजा और एक-एक हजार रुपए जुर्माना लगाया गया था। आरोपी ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। हाईकोर्ट ने सजा को 3 साल से घटाकर 1 साल कर दिया। आरोपी फिलहाल जमानत पर है और उसे बाकी सजा काटने के लिए सरेंडर करने को कहा गया है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि पीड़िता की उम्र सही साबित नहीं हुई। स्कूल रिकॉर्ड में जन्मतिथि 15 जून 2005 दर्ज है, लेकिन पीड़िता के पिता ने गवाही में साल 2003 बताया।

कोई जन्म प्रमाणपत्र या आधार दस्तावेज नहीं पेश किया गया। कोर्ट ने इस पर सहमति जताई और कहा कि उम्र साबित न होने से पॉस्को एक्ट लागू नहीं होता।

सीकर-झुंझुनूं को 539 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

सीएम भजनलाल बोले- आमजन को मिलेगा सीधा लाभ

झुंझुनूं, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामगढ़ शेखावाटी में आयोजित कार्यक्रम से सीकर व झुंझुनूं जिलों को 539 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने सीकर जिले में 155 करोड़ तथा झुंझुनूं जिले में 384 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा कि ये परियोजनाएं शेखावाटी के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। जल, स्वास्थ्य, बिजली और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ होने से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने झुंझुनूं जिले में प्रधानमंत्री कुसुम योजना-ए के तहत 19.14 करोड़ रुपए की लागत से 5.88 मेगावॉट क्षमता के तीन सोलर संयंत्रों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही 2.28 करोड़ रुपए की लागत से 11 केवी जीएसएस, 191.54 करोड़ रुपए की लागत से आरडीएसएस योजना के अंतर्गत विभिन्न विद्युत कार्य, 3.09 करोड़ रुपए की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमसर, चुड़ेला, सोनसर व डुमरा तथा 3.65 करोड़ रुपए की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इस्लामपुर का लोकार्पण किया गया।

इसके अलावा 3.76 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न सड़कों के निर्माण, 4.20 करोड़ रुपए की लागत से सात स्थायी मरम्मत कार्य, 2.46 करोड़ रुपए की लागत से राजकीय अल्पसंख्यक बालक छात्रावास तथा 4.19 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में झुंझुनूं जिले में 40.42 करोड़ रुपए की लागत से उप जिला चिकित्सालय के निर्माण, 35.87 करोड़ रुपए की लागत से 132 केवी जीएसएस छावसरी एवं संबंधित लाइनों के निर्माण, 33.41 करोड़ रुपए की लागत से नवलगढ़ में शहरी सौंदर्यीकरण कार्य, 18.34 करोड़ रुपए की लागत से नगर पालिका मलसीसर व सुल्ताना में 15 केएलडी एफएसटीपी के दो कार्य तथा 8.18 करोड़ रुपए की लागत से नगर पालिका बुहाना में 10 केएलडी एफएसटीपी निर्माण का शिलान्यास किया गया।

इसी क्रम में 5.75 करोड़ रुपए की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण, 4.50 करोड़ रुपए की लागत से राजकीय महाविद्यालय सूरजगढ़ के विकास कार्य तथा 0.42 करोड़ रुपए की लागत से झुंझुनूं में ग्रास मैदान से संबंधित कार्यों का शिलान्यास किया गया।

अरावली में नए खनन पट्टों पर रोक

सीएम ने बताया एतिहासिक फैसला

गहलोत बोले- इसमें कुछ भी नया नहीं

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अरावली क्षेत्र में नए खनन पट्टों पर रोक लगा दी है। केंद्र ने राज्य सरकारों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्र सरकार के इस फैसले को एतिहासिक बताया है। वहीं, पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि केंद्र के फैसले में कुछ भी नया नहीं है।

बता दें कि अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा को लेकर आलोचनाओं से घिरी केंद्र सरकार ने अब इसके संरक्षण के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अरावली क्षेत्र

को अवैध खनन से बचाने के लिए रणनीति तैयार की है। इसके तहत राज्यों को अरावली क्षेत्र में किसी भी नए माइनिंग लीज के आवंटन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस फैसले का असर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली क्षेत्र पर पड़ेगा।

उन्होंने आगे लिखा कि इस फैसले के अंतर्गत सम्पूर्ण अरावली पर्वतमाला में नए खनन पट्टों पर पूर्ण प्रतिबंध लगेगा, पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त इको सेंसिटिव जोन चिन्हित किए जाएंगे तथा विज्ञान-आधारित सतत खनन योजना तैयार किया जाएगा। कांग्रेस ने दशकों तक अवैध खनन माफिया को संरक्षण दिया है, 'झूठ' और 'भ्रम' फैलाकर जनता को गुमराह करने वाली कांग्रेस को अब आत्ममंथन करना चाहिए और नकारात्मक राजनीति छोड़कर राजस्थान की सम्मानित जनता के साथ ईमानदारी से पेश आना चाहिए।

केंद्र के फैसले में कुछ भी नया नहीं: अशोक गहलोत

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा कि भारत सरकार द्वारा राज्यों को अरावली में आईसीएफआरई के माध्यम से 'मैनेजमेंट प्लान फॉर सस्टेनेबल माइनिंग' बनने तक नए पट्टे जारी करने पर रोक लगाना, केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बिंदु 50 के उप-बिंदु (v) की पालना है। इसमें कुछ भी नया नहीं है।

केंद्र सरकार केवल हेडलाइन मैनेजमेंट के लिए इसका प्रचार कर रही है, पर इंटरनेट के इस दौर में जनता को भ्रमित करना आसान नहीं है।

नए साल में 3 राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल होगा पूरा

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल में राज्यसभा में राजस्थान के तीन सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। राज्यसभा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, राजेंद्र गहलोत और नीरज डांगी का कार्यकाल जून 2026 में पूरा होने वाला है। ऐसे में जून से पहले यानी अप्रैल या मई में राजस्थान में तीन सदस्यों के लिए फिर से चुनाव होने तय हैं। जिन तीन सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने वाला है। उनमें दो भाजपा के हैं और एक कांग्रेस से हैं। राजस्थान विधानसभा में राजनैतिक दलों के हिसाब से सदस्यों की संख्या के मुताबिक नए तीन सदस्यों में भी दो भाजपा से और एक कांग्रेस से चुना जाना तय है।

एक नए चेहरे के साथ बिट्टू को रिपीट कर सकती है भाजपा

भाजपा के दो सदस्यों रवनीत सिंह बिट्टू और राजेंद्र गहलोत का कार्यकाल पूरा होने पर उनके स्थान पर दो नए नेताओं को राज्यसभा भेजा जाना है। यह तय माना जा रहा है कि रवनीत सिंह बिट्टू को भाजपा फिर से राज्यसभा भेज सकती है। बिट्टू वर्तमान में केंद्र सरकार में रेल राज्यमंत्री के पद पर कार्यरत हैं। मंत्री पद पर बने रहने के लिए उनका सदस्य रहना अनिवार्य है। ऐसे में भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व बिट्टू को रिपीट कर सकता है। दूसरे सदस्य के तौर पर पार्टी किसी नए नेता को राज्यसभा भेज सकती है।

राज्यसभा में 5 सदस्य कांग्रेस के 5 भाजपा के

राजस्थान के दस राज्यसभा सदस्यों में से वर्तमान में 5 सदस्य भाजपा से हैं जबकि 5 कांग्रेस से हैं। कांग्रेस के सदस्यों में नीरज डांगी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक, प्रमोद कुमार और सोनिया गांधी हैं जबकि भाजपा से राजेंद्र गहलोत, रवनीत सिंह बिट्टू, घनश्याम तिवाड़ी, चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ हैं। जून 2020 में हुए चुनाव में भाजपा के राजेंद्र गहलोत, केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस के नीरज डांगी सदस्य निर्वाचित हुए थे।

बाद में केसी वेणुगोपाल लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए तो उन्होंने राज्यसभा सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके स्थान पर बाद में अगस्त 2024 में रवनीत सिंह बिट्टू राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। गहलोत, डांगी और बिट्टू का कार्यकाल 21 जून 2026 को पूरा होने वाला है।

दीवार फांदकर पहुंचे राजेंद्र गुढ़ा

बोले- राजपूत हॉस्टल तुम्हारे बाप का है क्या?

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र गुढ़ा गुरुवार को राजपूत हॉस्टल पहुंचे। उनके आने की सूचना मिलने पर हॉस्टल के वार्डन ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। राजेंद्र गुढ़ा ने गेट खोलने के लिए कहा, लेकिन वार्डन ने गेट नहीं खोला। इसके बाद गुढ़ा लकड़ी की सीढ़ियों और दीवार के सहारे छत पर चढ़े और फिर अंदर की ओर भी सीढ़ियों के सहारे उतरे। हॉस्टल का गेट बंद करने पर उन्होंने वार्डन को भला-बुरा कहा। उन्होंने राजपूत सभा के अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई को भी फोन पर हड़काया।

राजेंद्र गुढ़ा ने हॉस्टल का निरीक्षण किया। इस दौरान कई छात्र और वार्डन योगेश सिंह भी मौजूद थे। गेट बंद किए जाने पर गुढ़ा काफी नाराज हुए। उन्होंने राजपूत सभा के अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई को फोन किया और पूछा कि उनके आने पर गेट क्यों बंद किया गया। इस पर चंदलाई ने कहा कि कोई भी व्यक्ति हॉस्टल में आए तो समिति से अनुमति लेकर आए। इस बात पर राजेंद्र गुढ़ा भड़क गए और कहा कि तुमने ताला क्यों लगवाया, हॉस्टल तुम्हारे बाप का है क्या।

गुढ़ा ने कहा कि वे स्वयं इस हॉस्टल में रह चुके हैं और सीनियर छात्र होने के कारण यहां आते रहते हैं। समाज के हॉस्टल में किसी सीनियर को आने से रोकना सही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 40-50 वर्षों में राजपूत सभा ने हॉस्टल में कोई विकास कार्य नहीं कराया। वही फर्श, वही छत, वही पंखे और वही दीवारें आज भी हैं। मरम्मत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। गुढ़ा ने बताया कि वे हॉस्टल के रूम नंबर एक में रहते थे और वह कमरा आज भी 30-40 साल पहले जैसा ही है।

गुढ़ा ने हॉस्टल के छात्रों से रहने का शुल्क पूछा, जिस पर छात्रों ने बताया कि 25,000 रुपये लिए जाते हैं। इस पर गुढ़ा ने कहा कि हर छात्र से 25-25 हजार रुपये वसूले जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि समिति में 50-60 हजार रुपये वेतन पाने वाले कर्मचारी रखे गए हैं, जो कोई काम नहीं करते। विकास के नाम पर पैसे लिए जाते हैं, लेकिन पिछले 30-40 वर्षों में न तो कोई विकास हुआ और न ही मरम्मत कराई गई। गुढ़ा ने कहा कि हॉस्टल में गरीब परिवारों के छात्र रहते हैं और समिति उन्हें लूट रही है।

पुलिस और तस्करों में सांठगांठ

एसपी ने चार पुलिसकर्मियों को सिखा दिया तगड़ा सबक

पाली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एसपी का बड़ा एक्शन सामने आया, जहां उन्होंने एक तस्कर से सांठगांठ करने के मामले में चार पुलिसकर्मी को बर्खास्त कर दिया। इन पुलिसकर्मियों ने डोडा-पोस्त से भरी कार लेकर जा रहे एक तस्कर को पकड़ने के बाद दो लाख रुपए में डील कर उसे छोड़ दिया था। मामले में दोषी पाएं जाने पर पाली एसपी आदर्श सिंदू ने अपना कड़ा एक्शन दिखाया।

18 दिसम्बर को देसूरी पुलिस थाने के हेड कॉन्स्टेबल सोहनलाल (691), कॉन्स्टेबल बंशीलाल (470) सादड़ी थाने के हेड कॉन्स्टेबल रामकेश (912) और कॉन्स्टेबल नच्छुराम (152) राजकार्य से पाली आए थे। उसी दिन वापस जाते समय बूसी-सोमेसर के बीच इन्होंने डोडा पोस्त से भरी कार को रूकवाया। लेकिन इन्होंने बीच में ही तस्कर से मिली भगत कर ली। इस दौरान उच्चाधिकारियों को बताने की बजाय 2 लाख रुपए की डील कर तस्कर को छोड़ दिया। जिसे नाकाबंदी के दौरान कुछ देर बाद सदर थाना पुलिस ने पाली के पणिहारी चैराहे पर पकड़ लिया। बाद में पकड़े गए तस्कर जोधपुर निवासी धीरेन्द्र ने सदर थानाप्रभारी को बताया कि कुछ देर पहले ही उसने पुलिसकर्मियों ने दो लाख की डील होने पर उसे छोड़ा है। यह बात उन्होंने एसपी आदर्श सिंधु को बताई। मामला उजागर होने के बाद एसपी चारों पुलिसकर्मियों से बर्खास्त कर दिया है।

मामला उजागर होने के एसपी ने चारों के खिलाफ मामले में जांच करवाई। इसमें दोषी पाएं जाने पर चारों पुलिसकर्मियों को निलंबित किया। बाद में उनके खिलाफ सदर थाने में मामल भी दर्ज करवाया। अब चारों पुलिसकर्मी देसूरी थाने के हेड कॉन्स्टेबल सोहनलाल (691), कॉन्स्टेबल बंशीलाल (470) सादड़ी थाने के हेड कॉन्स्टेबल रामकेश (912) और कॉन्स्टेबल नच्छुराम (152) को एसपी ने राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार तस्कर धीरेंद्र के मोबाइल से पुलिसकर्मियों ने भंवर खिलेरी से संपर्क किया। इस दौरान बातचीत में 2 लाख रुपए में मामला निपटाने की डील तय हुई। बाद में भंवर ने पैसे जुटाने के लिए समय मांगा तो पुलिसकर्मियों ने जोधपुर में ही रुपए दिलाने को कहा। इसके बाद भदवासिया पुलिया के पास श्रीराम हॉस्पिटल के नजदीक एक बेयरिंग की दुकान पर पुलिसकर्मियों के परिचित को 2 लाख रुपए दिलवाए गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने तस्कर को छोड़ दिया।

शेखावाटी में सर्दी का प्रकोप

न्यूनतम तापमान 1 डिग्री पर

कोल्डवेव को लेकर अलर्ट जारी

सीकर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में उत्तरी हवाओं का दबाव बढ़ने के कारण लगातार सर्दी बढ़ती जा रही है। केवल दो दिनों में यहां न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से घटकर 1 डिग्री पर आ गया है। सुबह के समय 1 डिग्री तापमान में ग्रामीण एरिया के कई खेतों में फसलों पर बर्फ इस कदर जम गई कि ऐसा लग रहा था जैसे रात को फसल को फ्रीजर में रखा गया हो। इसके अलावा खेतों में रखे प्लास्टिक के सामान पर भी पत्थर जैसी बर्फ जम गई देखने को मिली।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले दिनों प्रदेश में सक्रिय रहे वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर खत्म होने के बाद उत्तरी हवाओं का दबाव बढ़ा, जिससे तेज सर्दी बढ़ गई। इसका परिणाम यह हुआ कि केवल दो दिनों में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से घटकर 1 डिग्री हो गया। अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री की और गिरावट होने की संभावना है, जिससे शेखावाटी में तापमान जमाव बिंदु से नीचे जाने का अंदेशा जताया जा रहा है।

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में अगले सात दिन मौसम सूखा और ठंडा रहने का अनुमान है। अगले 48 घंटों में तापमान में 4 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है, लेकिन इसके बाद तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। शेखावाटी के सीकर जिले में 25 और 26 दिसंबर को कोल्डवेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार ईयर एंडिंग और न्यू ईयर के मौके पर तेज सर्दी रहने वाली है क्योंकि उत्तरी हवाओं का दबाव बना रहेगा। इसके अलावा, यदि देश के पहाड़ी इलाकों से सर्द हवाएं चलती हैं तो सर्दी और भी बढ़ सकती है।

गैंगवार की साजिश नाकाम

छह बदमाश हथियारों सहित गिरफ्तार, दो वाहन जब्त

झुंझुनूं, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। खेतड़ी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगवार की योजना बना रहे दो हिस्ट्रीशीटर सहित छह बदमाशों को अवैध हथियारों और जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो हरियाणा नंबर की गाड़ियां, एक अवैध 12 बोर डबल बैरल बंदूक और जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजावत व फूलचंद मीणा के मार्गदर्शन और पुलिस उपाधीक्षक राम खिलाड़ी मीणा के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि हरियाणा नंबर की दो गाड़ियों में 8-10 बदमाश हथियारों के साथ खेतड़ी कस्बे में घूम रहे हैं और गैंगवार की फिराक में हैं।

सूचना पर पुलिस टीम ने बस स्टैंड से पहले घेराबंदी की, जहां संदिग्ध वाहन खड़े मिले। पुलिस को देखकर बदमाश भागने लगे, लेकिन टीम ने छह लोगों को डिटेन कर लिया। तलाशी के दौरान एक एसयूवी वाहन से एक अवैध 12 बोर डबल बैरल गन और 12 बोर के आठ जिंदा कारतूस बरामद हुए, जबकि दूसरी गाड़ी से सात जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में आरोपियों के पास हथियारों का कोई लाइसेंस नहीं पाया गया।

डिटेन किए गए बदमाशों ने बताया कि वे खेतड़ी कोर्ट में पेशी के बाद अपने पुराने विरोधियों से बदला लेने के लिए हथियारों के साथ घूम रहे थे। उन्होंने बताया कि उनके साथ गोठड़ी निवासी वीरेंद्र, टहला निवासी विक्रम सिंह और संजय गनमैन भी थे, जिनके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं।

साइबर ठगों ने बुजुर्ग महिला को सात दिन तक डिजिटल डर में रखा, फिर ठग लिए करोड़ों रुपये

अलवर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर में साइबर ठगों ने 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला को सात दिन तक डिजिटल धमकी में रखा और मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर 1.25 करोड़ रुपये ठग लिए। पुलिस ने 55 लाख रुपये होल्ड कर जांच शुरू की। अलवर शहर में साइबर ठगों ने 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डिजिटल रूप से 7 दिन तक डराकर नियंत्रण में रखा और नई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी देकर उससे 1 करोड़ 25 लाख रुपये ठग लिए। पीड़िता ने एसपी से मिलकर अपनी आपबीती साझा की। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान विभिन्न खातों में ट्रांसफर की गई करीब 55 लाख रुपये की रकम होल्ड करवा दी। पीड़िता रीटा ने सोबर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके व्यवसायी पति की कई साल पहले मृत्यु हो चुकी है। दोनों बेटियां दिल्ली में ससुराल में रहती हैं, जबकि वह अकेली अलवर में रहती हैं। साइबर थाना पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर संदिग्ध साइबर ठगों की लोकेशन ट्रेस कर ली गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है।

पुष्कर के किशनपुरा मोड़ पर निजी बस पलटी

20 से अधिक यात्री घायल; पांच की हालत गंभीर इलाज जारी

अजमेर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर जिले के पुष्कर क्षेत्र के किशनपुरा मोड़ पर गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। गोविंदगढ़ से पुष्कर आ रही एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 20 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें मजदूर और स्थानीय ग्रामीण शामिल हैं। दुर्घटना सुबह करीब 8:30 बजे पेट्रोल पंप के पास हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस तेज गति में थी। किशनपुरा मोड़ पर पहुंचते ही चालक का संतुलन बिगड़ गया और बस सड़क किनारे पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुष्कर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। 108 एंबुलेंस के माध्यम से सभी घायलों को पुष्कर के राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पांच यात्रियों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया।

पुष्कर थाने के एएसआई छीतरमल वैष्णव ने बताया कि बस गोविंदगढ़ से पुष्कर की ओर आ रही थी। किशनपुरा मोड़ पर चालक का नियंत्रण बिगड़ने से बस अनियंत्रित होकर पलट गई।

कार की टक्कर से ननद-भाभी की मौत

बाड़मेर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे-68 पर गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में ननद-भाभी की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार थार वाहन ने दोनों महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे वे उछलकर सड़क के दोनों ओर करीब 50 मीटर दूर जा गिरीं। रास्ते में बस को हाइवे किनारे खड़ा किया गया और चालक डीजल लेने चला गया। इसी दौरान बस में सवार प्रेमी बहन (55) पत्नी दलश्योंगजी और उनकी भाभी तारा बहन (50) पत्नी अमृत बस से उतरकर हाइवे के दूसरी ओर जाने के लिए सड़क पार कर रही थीं। तभी धोरीमन्ना से सांचौर की ओर जा रही तेज रफ्तार थार ने दोनों महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों महिलाएं उछलकर सड़क पर गिर पड़ीं और थार उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गई। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर काफी दूर तक खून फैल गया।

कबाड़खाने में लगी भीषण आग

धमाकों से दहला इलाका

जोधपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर शहर के कायलाना रोड क्षेत्र में बहुचर्चित बबलू कबाड़ी के नाम से संचालित एक कबाड़खाने में गुरुवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। यहां बड़ी संख्या में पुरानी गाड़ियां, लोहे के स्क्रैप, वाहन पार्ट्स और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसमान में काले धुएं का गुबार उठने लगा। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोगों को तेज धमाकों की आवाजें भी सुनाई दीं।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अहिल्या मिश्र का निधन

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अहिल्या मिश्र का आज प्रातः 7:40 बजे, 77 वर्ष की आयु में, यहाँ एआईजी अस्पताल में निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। दो दिन पहले साँस लेने में कठिनाई के चलते अस्पताल में भर्ती हुईं तो पता चला कि महत्वपूर्ण आंतरिक अंगों ने काम करना बंद कर दिया था।

डॉ. अहिल्या मिश्र का जन्म 16 दिसंबर , 1948 को मिथिला के एक संभ्रांत परिवार में हुआ। विवाहोपरांत हैदराबाद आने पर वे साहित्य, स्त्री शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जुड़ीं और बहुत जल्दी संगठन और नेतृत्व की अपनी क्षमता के बूते समूचे हिंदी जगत की एक अहम आवाज़ बनकर उभरीं। उन्होंने नवजीवन महाविद्यालय, कादंबिनी क्लब, ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और पुष्पक साहित्यिकी के माध्यम से विविध भाषाभाषी समुदायों को एक दूसरे के समीप लाने का राष्ट्रीय महत्व का अत्यंत महनीय कार्य किया। साथ ही, महिला साहित्यकारों के निमित्त साहित्य गरिमा पुरस्कार की स्थापना करके वे रचनाकारों की कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गईं।

डॉ. अहिल्या मिश्र को एक बहुमुखी प्रतिभासंपन्न लेखिका और कवयित्री के रूप में भी याद किया जाएगा। उन्होंने विभिन्न विधाओं में प्रभूत लेखन किया। खासकर उन्हें अपने आत्मकथापरक उपन्यास दरकती दीवारों से झांकती जिंदगी, संस्मरण ग्रंथ सांची कहूं, मील का पत्थर कहानी संग्रहों मेरी इक्यावन कहानियां, फांस की काई और कविता संग्रहों पत्थर पत्थर पत्थर , कैक्टस पर गुलाब के लिए अपार ख्याति और लोकप्रियता मिली। गौरतलब है कि डॉ. अहिल्या मिश्र की सेवाओं को समाज, साहित्य जगत और सरकार सभी ने खुले दिल से मान्यता प्रदान की। वे कई मंत्रालयों की राजभाषा सलाहकार समितियों की मनोनीत सदस्य तो थीं ही, उनके साहित्य पर कई शोधकार्य भी संपन्न हुए। कई समीक्षाग्रंथों और पत्रिकाओं के विशेषांकों के अलावा उनके मित्रों और प्रशंसकों ने उनके सम्मान में 2 अभिनंदन ग्रंथ भी प्रकाशित किए। उनकी 75वीं वर्षगाँठ पर प्रकाशित लगभग 600 पृष्ठ का अभिनंदन ग्रंथ वटवृक्ष की छाँव उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का विलक्षण आईना है। डॉ. अहिल्या मिश्र बिहार एसोसिएशन के फाउंडर मेंबर में से एक थीं। उन्होंने लगातार इस संस्था को अपना मार्गदर्शन दिया। डॉ. अहिल्या मिश्र अपनी साहित्यिक विरासत के अलावा अपने पीछे पुत्र-पुत्रवधू और पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका जाना हिंदी जगत की एक अपूरणीय क्षति है।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के अध्यक्ष हरे राम सिंह और महासचिव प्रभाष कुमार , हैदराबाद गुजराती मोढ वणिक समाज, हैदराबाद के अध्यक्ष शैलेन्द्र प्रसाद, ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद के उपाध्यक्ष अनीता राय, महासचिव सुनील सिंह, कादम्बिनी क्लब हैदराबाद की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती मीना मुथा और महासचिव प्रवीण प्रणव, ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया की अध्यक्ष डॉ सरोजिनी प्रीतम और महासचिव डॉ शिवशंकर अवस्थी आदि ने स्व. डॉ. अहिल्या मिश्र के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रगट कीं । परिवार के सदस्यगण, बंधु-बांधव और साहित्यिक- सामाजिक संस्थाओं के जुड़े सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को अश्रुपूरित अंतिम विदाई दी।

अयोध्या में कमरा बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी, श्रद्धालु रहें सतर्क

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध तीर्थस्थल अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का फायदा उठाकर साइबर ठग अब कमरा बुकिंग के नाम पर लोगों को ठग रहे हैं। फर्जी वेबसाइटों के जरिए एडवांस बुकिंग का झांसा देकर ऑनलाइन भुगतान कराया जा रहा है। एक सेवानिवृत्त एसबीआई प्रबंधक ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर अपने साथ हुई ठगी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अयोध्या स्थित बिरला धर्मशाला में ठहरने के लिए इंटरनेट पर बुकिंग के दौरान एक वेबसाइट मिली, जिसमें 1075 से 4075 रुपये तक किराया दर्शाया गया था।

कोंडारेड्डीपल्ली के सरपंच मल्लेपाकुला वेंकटैया, वार्ड मेंबर और गांव के नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स घर पर मुलाकात की। सीएम रेवंत रेड्डी का होमटाउन कोंडारेड्डीपल्ली है। वेंकटैया को निर्विरोध कोंडारेड्डीपल्ली का सरपंच चुना गया। मुख्यमंत्री ने वेंकटैया और वार्ड मेंबर को बधाई दी।

जयशंकर बोले-अंतर्राष्ट्रीय हीरे व्यापार में बढ़ेगा भरोसा

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के लिए साल 2026 कई मायनों में खास रहने वाला है। इसकी शुरूआत तब हो गई जब भारत 2026 से संयुक्त राष्ट्र समर्थित किम्बर्ली प्रोसेस (केपी) का अध्यक्ष चुना गया। ऐसे में अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत का 2026 से संयुक्त राष्ट्र समर्थित किम्बर्ली प्रोसेस (केपी) का अध्यक्ष चुना जाना देश की अंतर्राष्ट्रीय हीरे के व्यापार में नेतृत्व क्षमता का संकेत है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि भारत का यूएन-समर्थित किम्बर्ली प्रोसेस का अध्यक्ष चुना जाना खुशी की बात है।

राकेश जयसवाल नगरसेवक जामबाग ने भारत रत्न, पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101 वीं जयंती के अवसर पर ईएनटी अस्पताल जामबाग डिवीजन में मरीजों को ब्रेड, फल वितरित किए। अमर सिंह, महेश, अनिल, संदीप, हरिनाथ, वेंकट रेड्डी, बबलो सिंह, शब्बीर, सहित बडी संख्या में वरिष्ठ भाजपा नेता, कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए।

मां-बेटे को मौत के घाट उतारा गया

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक सनसनीखेज घटना में, गुरुवार को कोल्लूर स्थित अपने घर में एक महिला और उसके बेटे की हत्या कर दी गई। मृतक चंद्रकला (32) और उसका बेटा रेवंत (14) थे। उनके शरीर पर चाकू के कई घाव थे। एक अन्य व्यक्ति भी मृत शरीरों के पास खून से लथपथ पड़ा मिला, जिसके शरीर पर चाकू के घाव थे। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए पटनचेरु के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

बंजारा हिल्स स्थित आइकॉन आर्ट गैलरी में डॉ. सरोज तपाड़िया द्वारा चित्र कलाकृतियों की आर्ट एग्ज़िबिशन संपन्न हुआ।

बालाजी नगर सीरवी समाज बडेर स्थित संत श्री गुलारामजी महाराज के समाधि दिवस पर आयोजित शोभा यात्रा में पुजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर, नाचते-गाते हुए सेवा संघ एवं समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व भक्तगण।

हिंदू टू हिंदू बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग एच2एच प्रगति (विशाखापत्तनम चैप्टर) ने होटल रॉकडेल में सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक बिजनेस मीट का आयोजन किया। इस मीट का उद्देश्य विशाखापत्तनम के हिंदू व्यापारियों की सहायता और उन्हें प्रोत्साहित करना था। इसके मुख्य अतिथि प्रख्यात उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष निर्मला वोम्मी और अन्य सदस्यों जैसे डॉ. राधिका, जीवीपी रामकृष्ण और एम श्रीकांत की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। मीट अध्यक्ष निर्मला वोम्मी के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे भी टीम प्रगति का उत्साहवर्धन करने के लिए उपस्थित थे।

अरावली पर कितना खतरा : कांग्रेस बोली-नई परिभाषा के बाद खतरे में 90 प्रतिशत हिस्सा, संरक्षण को लेकर सरकार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पहाड़ियों की नई परिभाषा के तहत अरावली पर्वत श्रृंखला का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। इससे यहां खनन और अन्य गतिविधियों का रास्ता साफ हो सकता है।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पर्यावरण के मुद्दे पर पीएम मोदी की 'वैश्विक मंचों पर बड़ी बातें' और 'जमीनी स्तर पर कार्रवाई' के बीच कोई तालमेल नहीं है।

क्या है नई परिभाषा :

नई परिभाषा के अनुसार अरावली पहाड़ी एक ऐसी भू-आकृति है जिसकी ऊंचाई उसके आसपास के भूभाग से कम से कम 100 मीटर अधिक हो और अरावली पर्वतमाला एक दूसरे से 500 मीटर के भीतर स्थित ऐसी दो या दो से अधिक पहाड़ियों का समूह है।

रमेश ने सरकार पर लगाए कई गंभीर आरोप :

रमेश ने कहा कि मोदी सरकार अब केवल उन्हीं अरावली पहाड़ियों की रक्षा करने जा रही है, जिनकी ऊंचाई 100 मीटर से अधिक है। भारतीय वन सर्वेक्षण के प्रामाणिक आंकड़ों के अनुसार, अरावली पहाड़ियों का केवल 8.7 प्रतिशत हिस्सा ही 100 मीटर से अधिक ऊंचा है।

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इसका मतलब यह है कि अरावली पर्वतमाला के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को नई पुनर्परिभाषा द्वारा संरक्षित नहीं किया जाएगा और इसे खनन, रियल एस्टेट और अन्य गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है जो पहले से ही तबाह हो चुके पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक नुकसान पहुंचाएंगे। इस स्पष्ट और सरल सत्य को छिपाया नहीं जा सकता।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 15%वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 28 को

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मुन्नूरूकापू (कापू) विद्यार्थी वसतिगृह के सहयोग से 15% वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप काचीगुडा स्टेशन रोड स्थित मुन्नूरूकापू (कापू) विद्यार्थी वसतिगृह में रविवार 28 दिसंबर को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच.आरबीएस की सेवा दी जाएगी। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा रोगियों के नेत्रों की जांच कर निशुल्क चश्मे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर सामान्य जांच डॉ अखिल क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी और डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा दी जाएगी।अवसर पर दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज द्वारा की गई। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा दी जाएगी।

शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक रोगी को कृत्रिम अंग व रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा दी जाएगी। इसके लिए रोगी को अपने पूर्व के चिकित्सा रिपोर्ट लानी होगी ताकि उनको सही परामर्श दिया जा सके। यह शिविर सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होगा लेकिन शिविर में नाम पंजीकरण दोपहर 12 बजे तक ही किया जाएगा। शिविर के लिए संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, मुन्नूरूकापू विद्यार्थी वसतिगृह ट्रस्ट व होस्टल से संपर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पत्नी जशोदाबेन मोदी ने हैदराबाद में माँ भाग्यलक्ष्मी मंदिर में दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला उपस्थित रहीं।

बी. मोहन सिंह तेलंगाना के महासचिव बने

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कहवाहा (कुशवाहा) क्षत्रिय महासभा द्वारा किए गए सामाजिक मूल्यांकन एवं सर्वेक्षण के उपरांत बी. मोहन सिंह को तेलंगाना प्रदेश महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। यह दायित्व सौंपते हुए संगठन के उम्मीद जताया है कि वे पूर्ण विश्वास, समर्पण और समाजसेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए समाज को मजबूती प्रदान करेंगे। बी. मोहन सिंह ने कहा कि वे महासभा के राष्ट्रीय नेतृत्व को विश्वास दिलाता हूँ कि तेलंगाना में समाज के कल्याण, संगठन की मजबूती एवं सकारात्मक विकास हेतु पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्विटर@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट www.scr.indianrailways.gov.in भी देख सकते हैं।

ई-निविदा सूचना सं.डीआरएम/ वर्क्स/एससी/180-187/2025/ओटी, दि.23-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.21-01-2026 के 14.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 01, ई-निविदा संख्याः 180_सीआर एससी 25 ओटी, कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एससी सेक्शन के तहत विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.6,47,50,281.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,73,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

क्रम संख्याः 02, ई-निविदा संख्याः 181_सीआर_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः डब्ल्यूडी-एससी-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एससी सेक्शन के तहत विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,51,30,374.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,75,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

क्रम संख्याः 03, ई-निविदा संख्याः 182_सीआर एससी 25 ओटी, कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/सीआर/केजेडजे सेक्शन के तहत विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,56,06,150.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,78,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

क्रम संख्याः 04, ई-निविदा संख्याः 183_एन_एससी _25 _ ओटी, कार्य विवरणः केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शनः एसआर.डीइएन/नार्थ/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू 1) केओएलआर-पीटीकेपी स्टेशनों के बीच किमी 307/15-13 (आरयुबी 81ए) पर अप्रोच रिटेनिंग वॉल्स की जैकेटिंग आदि सहित एलसी नं.33 के लिए प्रस्तावित सहायक कार्य। एसडब्ल्यू 2) ओइए-पीटीकेपी स्टेशनों के बीच किमी 311/15-17 (आरयुबी 74ए) पर अप्रोच रिटेनिंग वॉल्स की जैकेटिंग आदि सहित एलसी नं.30 के लिए प्रस्तावित सहायक कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.5,38,39,042.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,19,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम संख्याः 05, ई-निविदा संख्याः 184_एनडब्ल्यू _एससी _25_ ओटी, कार्य विवरणः वीकेबी-पीआरएलआई सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) एसएसइ/पी.वे/युडीजीआर क्षेत्राधिकार के तहत विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। एसडब्ल्यू 2) एसएसइ/पी.वे/पीआरएलआई क्षेत्राधिकार के तहत विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.3,25,14,980.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,12,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

क्रम संख्याः 06, ई-निविदा संख्याः 185_एनडब्ल्यू _एससी _25 _ ओटी, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) वीकेबी-पीआरएलआई सेक्शनः एसएसइ/ पी.वे/ बीआईडीआर क्षेत्राधिकार के तहत विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। एसडब्ल्यू 2) बीआईडीआर-जीआर सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एचएमबीडी क्षेत्राधिकार— विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,72,84,458.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,86,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

क्रम संख्याः 07, ई-निविदा संख्याः 186_एनडब्ल्यू _एससी _25 _ ओटी, कार्य विवरणः पीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) एसएसइ/पी.वे/एआरएमयु क्षेत्राधिकार- विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। एसडब्ल्यू 2) बीआईडीआर-जीआर सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/केआरएमआर क्षेत्राधिकार-विभिन्न यार्डस् पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य तथा उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.3,00,63,943.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,00,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

क्रम संख्याः 08, ई-निविदा संख्याः 187_एनडब्ल्यू _एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः एडीइएन/बीआयडीआर क्षेत्राधिकार- सडक की सतहों तथा सर्विस बिल्डिंग्स की मरम्मत का कार्य तथा एफओबीज की पेन्टिंग। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,72,02,313.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,86,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधि महिनों मेः 06

1. निविदाकारों को केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग लेना चाहिए तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।
2. निविदा शर्तें/अन्य कार्य विवरण जोकि आईआरईपीएस वेबसाइटः www.irep s.gov.in पर उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है एवं इसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसका अवलोकन किया जा सकता है।
3. सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को केवल आनलाइन पेमेन्ट्स/बीजी के माध्यम से ही जमा करें।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा इसे अपने प्रस्ताव या आफर सहित प्रस्तुत करें।

सीनियर डीइएन/को-ऑर्डिनेशन /सिकंदराबाद

संख्याः एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2025-26, दि.22-12-2025

निविदा के विवरण को पहले ही वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है

क्रम संख्याः01 निविदा संख्याः टी-202526-2-093 प्राधिकरणः को-ऑर्ड कार्य विवरणः नांदेड स्टेशन (रोड 1-720एम, रोड 2-720एम तथा रोड 3-700एम) पर बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक 03 नंबर्स का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.195551147.64 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1127800.00 निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः अठारह महिने

क्रम संख्याः02 निविदा संख्याः टी-202526-2-094 प्राधिकरणः को-ऑर्ड कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन-डीइएन/एनइ/एनएडी क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू-।-अकोला-पूर्णा (एसएल)-11.213 टीकेएम. (अनुमोदित स्थान संलग्नक के रूप में संलग्न) (आईआरपीएसएम आयडीः11.04.31.25.3.53.012 & 2025-26 का पीडब्ल्यूपी) का टीआरआऱ (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-।।-मनमाड-मुदखेड (अप)-5.721 टीकेएम. (अनुमोदित स्थान संलग्नक के रूप में संलग्न) (आईआरपीएसएम आयडीः11.04.31.25.3.53.023 & 2025-26 का पीडब्ल्यूपी) का टीआरआऱ (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-।।।-मुदखेड—पिम्पलकुटी (एसएल)-5.716 टीकेएम. (अनुमोदित स्थान संलग्नक के रूप में संलग्न) (आईआरपीएसएम आयडीः11.04.31.25.3.53.017) का टीआरआऱ (पी) कार्य। एसडब्ल्यू- IV - अकोला—पूर्णा (एसएल)-1.500 किमी सिंगल लाइनः 758.300-759.800= 1.500 टीकेएम. (अनुमोदित स्थान संलग्नक के रूप में संलग्न) (आईआरपीएसएम आयडीः11.04.31.24.4.53.006 & 2024-25 का एलएसडब्ल्यूपी) का टीआरआऱ (पी) कार्य। एसडब्ल्यू- V - मनमाड—मुदखेड (अप लाइन)-1.300 टीकेएम. (अप लाइन 337.600.-338.9000-1.300 टीकेएम) (अनुमोदित स्थान संलग्नक के रूप में संलग्न) (आईआरपीएसएम आयडीः11.04.31.24.4.53.011 & 2024-25 का एलएसडब्ल्यूपी) का टीआरआऱ (पी) कार्यः कुल टीआरआऱ (पी) -25.450 टीकेएम। निविदा मूल्य रु. 11609042.70 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.208100.00 निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने

क्रम संख्याः1 निविदा संख्याः टी-202526-2-093 तत्समान स्वभाव का कार्य (रुपये 50 लाख मूल्य से अधिक)-पैसेंजर रन्निंग लाइन्स पर, इंडियन रेलवेज या वर्ल्ड रेलवे सिस्टम्स या मेट्रो रेलवे परियोजनाओं के बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक (बीएलटी) के निर्माण से जुडा कोई भी सिविल अभियांत्रिकी कार्य।

क्रम संख्याः2 निविदा संख्याः टी-202526-2-094 तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोईभी रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त सभी निविदाएं दि.16-01-2026 के 15.00 बजे बंद होंगी।

एसआर.डीइएन/को-ऑर्ड/नांदेड

निविदा सूचना संख्याः एनडी/ई-36,36 & 38/2025-26 दि.23-12-2025

निम्न ई-निविदाओं हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर आफर्स आमंत्रित हैं

क्रम संख्याः01 निविदा संख्याः एनडी/ई-36/2025-26 कार्य विवरणः 1. युएमएम स्टेशन पर हॉट एक्सल एण्ड हॉट व्हील डिटेक्टर सिस्टम (एचएएडी) का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। 2. एमक्यूएल स्टेशन पर हॉट एक्सल एण्ड हॉट व्हील डिटेक्टर सिस्टम (एचएएडी) का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.10,76,086.80 बोली सुरक्षा (रु.) 21,500.00 आफर वैधः 60 दिनोंतक, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, विवरण नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 15-01-2026 के 15.00 बजे

क्रम संख्याः02 निविदा संख्याः एनडी/ई-37/2025-26 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः नांदेड स्टेशन (रोड 1-720एम, रोड 2-720एम तथा रोड 3-700एम) पर बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक 03 नंबर्स का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.57,86,168.00 बोली सुरक्षा (रु.) 1,15,700.00 आफर वैधः 60 दिनोंतक, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, विवरण नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत वेबसाइटः www.ireps.gov.in उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 15-01-2026 के 15.00 बजे

क्रम संख्याः03 निविदा संख्याः एनडी/ई-38/2025-26 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन में अमृत भारत स्टेशंस के सीओपी क्षेत्र में सोलार पैनेल्स का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.9,09,39,577.00 बोली सुरक्षा (रु.) 6,04,700.00 आफर वैधः 60 दिनोंतक, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, विवरण नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत वेबसाइटः www.ireps.gov.in उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 15-01-2026 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, योग्यता मानदंड, खास शर्तें आदि विवरण हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, यह चेक करें कि, इस आफर की प्रस्तुति के पहले, आनलाइन पर क्या कोई शुध्दिपत्र प्रकाशित हुवा है।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नांदेड

ए2100

निविदा नियम शर्तों/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं. VSKP-ELECTG-25-26-WC-28, दिनांक : 15.12.2025

कार्य का नाम : (1) "वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता / पूर्व / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन मवेशियों, पैदल चलने वालों एवं छोटे वाहनों को रास्ता पार करने में सुविधा प्रदान करने के लिए अतिक्रमण वाले जगहों पर पडेस्ट्रीअन सबवे का प्रावधान" से संबंधित रोशनीकरण। (2) 36 स्टेशनों के EI से संबंधित उपकरणों के संरक्षण एवं विश्वसनीयता में सुधार के लिए ACs की व्यवस्था एवं स्टेशनों के पैनल रूम का रूपान्तरण।

निविदा मूल्य : ₹ 34,85,484.12, EMD : ₹ 69,700/-

(2) निविदा सूचना सं. VSKP-ELECTG-25-26-WC-34, दिनांक : 15.12.2025

कार्य का नाम : (1) वाल्टियर मण्डल में KK लाइन, KR लाइन एवं NG लाइन पर नॉन-इंटरलॉक्ड समपार फाटकों के गेट लॉज आदि को स्टैंडबाई विद्युत आपूर्ति का प्रावधान। (2) सिह्माचलम-सहायक मण्डल अभियन्ता/ MYD/ वाल्टियर के अधीन प्लेटफॉर्म नं. 2 से चन्द्रनगर गांव की तरफ 3 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज के विस्तार के लिए प्रस्ताव से संबंधित विद्युतीकरण कार्य से संबंधित 20KWP सोलर रूफटॉप (Solar Rooftop) का प्रावधान।

निविदा मूल्य : ₹ 96,99,797.81, EMD : ₹ 1,94,000/-

पुरा होने की अवधि : 240 दिन (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 07.01.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

निविदा खुलने की तिथि व समय : 07.01.2026 को 1600 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सा), वाल्टियर

PR-933/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-HQ-WAT-29-2025, दिनांक : 19.12.2025

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियंता / ईस्टेट / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ मण्डल अभियंता / कार्य / दक्षिण / वाल्टियर सेक्शन पर सेंट्रलाइज्ड स्टोर का निर्माण और वॉली बॉल कोर्ट में प्रैक्टिस वॉल की व्यवस्था, मौजूदा स्टोर रूम की मरम्मत, शौचालयों की व्यवस्था आदि द्वारा खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 99,86,674.84, EMD : ₹ 1,99,700.00, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 (छह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 12.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-936/Q/25-26

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्विटर@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट www.scr.indianrailways.gov.in भी देख सकते हैं।

जनवरी & फरवरी-2026 हेतु ई-नीलामी प्रोग्राम

PUB/1668

जनवरी ई-नीलामी 2026		फरवरी ई-नीलामी 2026	
तिथि	डिवीजन/डिपोट्स	तिथि	डिवीजन/डिपोट्स
01.01.26	सिकंदराबाद, रायनापाडू	02.02.26	सिकंदराबाद, तिरुपति
02.01.26	हैदराबाद, तिरुपति	03.02.26	हैदराबाद, रायनापाडू
05.01.26	गुंतकल, लल्लागुडा	04.02.26	गुंतकल, लल्लागुडा
06.01.26	गुंटूर, नांदेड	05.02.26	गुंटूर, नांदेड
07.01.26	विजयवाडा	06.02.26	विजयवाडा
08.01.26	सिकंदराबाद, तिरुपति	09.02.26	सिकंदराबाद, तिरुपति
09.01.26	हैदराबाद, रायनापाडू	10.02.26	हैदराबाद, रायनापाडू
12.01.26	गुंतकल, लल्लागुडा	11.02.26	गुंतकल, लल्लागुडा
13.01.26	विजयवाडा, गुंटुर	12.02.26	गुंटूर, नांदेड
16.01.26	नांदेड	13.02.26	विजयवाडा
19.01.26	सिकंदराबाद, तिरुपति	16.02.26	सिकंदराबाद, तिरुपति
20.01.26	हैदराबाद, रायनापाडू	17.02.26	हैदराबाद, रायनापाडू
21.01.26	गुंतकल, लल्लागुडा	18.02.26	गुंतकल, लल्लागुडा
22.01.26	गुंटूर, नांदेड	19.02.26	गुंटूर, नांदेड
23.01.26	विजयवाडा	20.02.26	विजयवाडा
27.01.26	सिकंदराबाद, तिरुपति	23.02.26	सिकंदराबाद, तिरुपति
28.01.26	हैदराबाद, रायनापाडू	24.02.26	हैदराबाद, रायनापाडू
29.01.26	गुंतकल, लल्लागुडा	25.02.26	गुंतकल, लल्लागुडा
30.01.26	गुंटूर, विजयवाडा	26.02.26	गुंटूर, नांदेड
		27.02.26	विजयवाडा

ए2123 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

हार्दिक खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामित

दिव्या, तेजस्विन और मेहुली अर्जुन अवॉर्ड की दौड़ में

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह को इस वर्ष के मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चयन समिति ने एकमात्र नामित किया है। वहीं, युवा शतरंज स्टार दिव्या देशमुख और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाले डेकैथलीट तेजस्विन शंकर सहित 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है।

योगासन खिलाड़ी आरती अर्जुन अवॉर्ड की दौड़ में

27 वर्षीय हार्दिक सिंह भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्ड के प्रमुख स्तंभ रहे हैं। वह 2021 टोक्यो और 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा, उन्होंने इस वर्ष एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी अहम भूमिका निभाई। इस साल

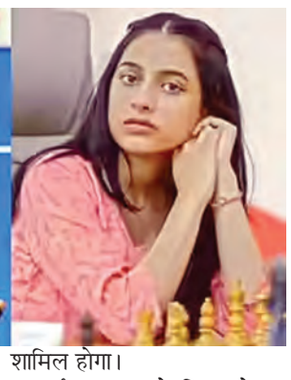

एक और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए चयन समिति ने योगासन खिलाड़ी आरती पाल को अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया है। खेल मंत्रालय से औपचारिक मान्यता मिलने के पांच साल बाद यह पहला मौका है जब किसी योगासन खिलाड़ी को यह सम्मान मिलने जा रहा है। आरती वर्तमान में राष्ट्रीय और एशियाई चैंपियन हैं, और यह खेल 2026 एशियाई खेलों में प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल होगा।

अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए अन्य प्रमुख नामों में शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती, एशियाई खेल 2023 के रजत पदक विजेता तेजस्विन शंकर, निशानेबाज मेहुली घोष, जिमनास्ट प्रणति नायक, और भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन जोड़ी त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद शामिल हैं। गायत्री, राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच और पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन पुलेला गोपीचंद की बेटी हैं।

किसी भी क्रिकेटर का नाम शामिल नहीं

इस सूची में इस बार किसी भी क्रिकेटर को शामिल नहीं किया गया है। आखिरी बार 2023 में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन पुरस्कार मिला था। गौरतलब है कि, खेल रत्न देश का सर्वोच्च खेल सम्मान है, जिसमें पदक, प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रुपये की नकद राशि दी जाती है, जबकि अर्जुन पुरस्कार के तहत 15 लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं। पिछले वर्ष खेल रत्न सम्मान डी. गुकेश, हरमनप्रीत सिंह, प्रवीण कुमार और मनु भाकर को दिया गया था।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की सिफारिशें

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न
हार्दिक सिंह (हॉकी)
अर्जुन पुरस्कार
तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स)
प्रियंका (एथलेटिक्स)
नरेंद्र (बॉक्सिंग)
विदित गुजराथी (शतरंज)
दिव्या देशमुख (शतरंज)
धनुष श्रीकांत (डेफ शूटिंग)
प्रणति नायक (जिम्नास्टिक्स)
राजकुमार पाल (हॉकी)
सुरजीत (कबड्डी)
निर्मला भाटी (खो-खो)
रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा शूटिंग)
एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स)
पद्मनाभ सिंह (पोलो)
अरविंद सिंह (रोइंग)
अखिल शेरॉन (शूटिंग)
मेहुली घोष (शूटिंग)
सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस)
सोनम मलिक (कुश्ती)
आरती (योगासन)
त्रीसा जॉली (बैडमिंटन)
गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन)
लालरेम्सियामी (हॉकी)
मोहम्मद अफसल (एथलेटिक्स)
पूजा (कबड्डी)

दौड़कर आया नन्हा फैन और छूने लगा रोहित शर्मा का पैर

फिर हिटमैन ने ऐसा कुछ किया कि जीत लिया सबका दिल

मुंबई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की जीत के बाद एक बार फिर अपने विनम्र स्वभाव से सबका दिल जीत लिया। मैच के बाद एक युवा प्रशंसक ने सम्मान के तौर पर उनके पैर छूने की कोशिश की, लेकिन रोहित ने तुरंत उसे रोक दिया और गर्मजोशी से उसका अभिवादन किया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल होने के बाद फैंस रोहित की खूब तारीफ कर रहे हैं।

यह घटना मुंबई के विजय हजारे ट्रॉफी अभियान के पहले मैच के बाद हुई, जिसमें रोहित शर्मा की शानदार बल्लेबाजी ने टीम को जीत दिलाई। जयपुर में खेले गए इस मैच में मुंबई ने सिक्किम को 8 विकेट से हराया। सिक्किम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 236 रन बनाए थे। सिक्किम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज आशीष थापा ने 87 गेंदों में 79 रनों की अहम पारी खेली। के साईं सत्विक और क्रांति कुमार ने भी 34-34 रन का योगदान दिया, जबकि रॉबिन लिंबू 31 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें शार्दुल ठाकुर ने दो विकेट लिए।

मैच के बाद एक फैन रोहित के पैर छू रहा था, लेकिन तभी रोहित ने उन्हें रोक दिया। रोहित ने बेहद गर्मजोशी से उस फैन को गले लगा लिया। कुछ ही देर बार यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया। फैंस उनकी इस सादगी और विनम्रता की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब रोहित ने अपने व्यवहार से फैंस का दिल जीता हो। वह अक्सर मैदान पर और मैदान के बाहर अपने मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते हैं।

मुंबई की बड़ी जीत

237 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत अच्छी रही। युवा अंगक्रिश रघुवंशी ने 38 रन बनाए। लेकिन रोहित शर्मा ने अपने बल्ले से तहलका मचा दिया। उन्होंने सिर्फ 94 गेंदों में 155 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 18 चौके और 9 छक्के जड़े। रोहित ने सिर्फ 62 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनके करियर का सबसे तेज लिस्ट ए शतक था। सिक्किम के गेंदबाज रोहित के सामने बेबस नजर आए।

रोहित का साथ देते हुए मुशीर खान 27 रन बनाकर नाबाद रहे। सरफराज खान ने भी 8 रनों की तेज पारी खेलकर मैच खत्म किया। मुंबई ने यह लक्ष्य सिर्फ 30.3 ओवरों में हासिल कर लिया और आसानी से मैच जीत लिया।

बावुमा बोले, बुमराह-पंत ने माफी मांगी थी

मैदान की बात नहीं भूलते, लेकिन दुश्मनी नहीं रखते; दोनों ने कोलकाता टेस्ट के दौरान बौना बोला था

जोहानिसबर्ग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत के हालिया दौरे के दौरान की गई टिप्पणियों के बारे में बात करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत ने एक आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी।

उन्होंने साथ ही माना कि दक्षिण अफ्रीका के कोच शुकरी कॉनराड को 'भारत को घुटने पर लाने' जैसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए था।

दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच वाले इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत में लंबे प्रारूप में 25 साल बाद जीत दर्ज की लेकिन फिर सफेद गेंद की श्रृंखला गंवा बैठा।

बावुमा ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' पर अपने कॉलम में लिखा, ''मुझे पता है कि मेरे साथ एक घटना हुई थी जहां उन्होंने अपनी भाषा में मेरे

बारे में कुछ कहा था। पर दिन के आखिर में दो सीनियर खिलाड़ी ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह आए और उन्होंने माफी मांग ली।''

उन्होंने कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान हुई घटना का जिक्र किया जिसमें बुमराह और पंत ने उन्हें उनके कद पर टिप्पणी करते हुए 'बौना' कहा था। उन्होंने कहा, ''जब माफी मांगी गई तो मुझे नहीं पता था कि यह किस बारे में था। मैंने उस समय इसे नहीं सुना था और मुझे इसके बारे में अपने मीडिया मैनेजर से बात करनी पड़ी।''

बावुमा ने कहा, ''जो मैदान पर होता है, वह मैदान पर ही रहता है, लेकिन आप यह नहीं भूलते कि क्या कहा गया था। आप इसे प्रेरणा के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कोई दुश्मनी नहीं है।''

उन्होंने फिर गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के दौरान कॉनराड की टिप्पणी के बारे में बात की जिसमें कोच ने कहा था कि मेहमान टीम भारतीय टीम को घुटने के बल लाना चाहती है।

कॉनराड ने बाद में माफी मांगी और बावुमा ने कहा कि उन्हें भी लगा कि उनके कोच को बेहतर शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए था।

उन्होंने कहा, ''शुकरी को भी अपनी टिप्पणी के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। मुझ पर मीडिया से काफी दबाव था और मुझसे टिप्पणियों को स्पष्ट करने के लिए पूछा जा रहा था। मुझे लगा कि शुकरी ही वह व्यक्ति थे जो इन सब बातों का संदर्भ देने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में थे।''

बावुमा ने कहा, ''जब मैंने पहली बार इसके बारे में सुना तो मुझे यह अच्छा नहीं लगा। लेकिन इसने मुझे बस यह याद दिलाया कि टेस्ट श्रृंखला कितनी मुश्किल और प्रतिस्पर्धी थी। और टीम के कुछ खिलाड़ियों के लिए इसका क्या मतलब था।''

उन्होंने कहा, ''शुकरी ने वनडे श्रृंखला के बाद बात की और उस मुद्दे को खत्म कर दिया। बाद में उन्होंने कहा कि वह बेहतर शब्द चुन सकते थे और मैं उनसे सहमत था।''

सीएसके ने खेला 14.2 करोड़ का दांव

अब प्रशांत वीर ने डेब्यू पर किया धमाका

चेन्नई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के लिए हाल ही में ऑक्शन का आयोजन हुआ था। इन ऑक्शन में 10 टीमों ने मिलकर जमकर पैसा खर्च किया था और स्टार खिलाड़ी को अपनी टीम में शामिल किया था। लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स एक अलग ही प्लान के साथ ऑक्शन में उतरी थी। उसने युवा खिलाड़ियों पर जमकर बोली लगाई थी, जिसमें यूपी के ऑलराउंडर प्रशांत वीर का नाम भी शामिल रहा। प्रशांत वीर को चेन्नई सुपर किंग्स ने 14।2 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस खिलाड़ी ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के पहले दिन लिस्ट ए क्रिकेट में डेब्यू किया और दमदार प्रदर्शन करके सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

प्रशांत वीर ने डेब्यू मैच में किया धमाल

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26

के पहले राउंड में उत्तर प्रदेश की टीम का सामना हैदराबाद से हुआ। इस मैच में प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश की ओर से खेलने उतरे। इस मैच में उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 324 रन बनाए।

इस दौरान प्रशांत वीर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे, लेकिन उन्हें ज्यादा गेंदें खेलने का मौका नहीं मिला। प्रशांत वीर ने कुल 4 गेंदों का सामना किया और 7 रन बनाए, जिसमें 1 चौका शामिल रहा।

हालांकि, टारगेट को डिफेंड करते हुए प्रशांत वीर ने कमाल की गेंदबाजी की। प्रशांत वीर ने अपने 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 47 रन खर्च किए और 3 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इस दौरान उन्होंने एलगनी वरुण गौड, प्रग्नाय रेड्डी और नितिन साई यादव को अपना शिकार बनाया, जिसके चलते हैदराबाद की टीम 43 ओवर में ही 240 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और उत्तर प्रदेश की टीम ने 84 रनों से ये मैच अपने नाम क्या।

टी20 में प्रशांत वीर का प्रदर्शन

प्रशांत वीर ने अपने छोटे से करियर में अभी तक 2 फर्स्ट क्लास और 9 टी20 मैच भी खेले हैं। टी20 में उन्होंने 167।16 के स्ट्राइक रेट से 112 रन ठोके हैं। जिसमें नाबाद 40 रन उनका बेस्ट स्कोर है। इसके साथ-साथ उन्होंने 12 विकेट भी चटकाए हैं। दूसरी ओर, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में प्रशांत वीर ने 2 विकेट चटकाए हैं और 7 रन बनाए हैं।

अब किस बात का इंतजार है?' वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में शामिल करने की अपील कर रहे शशि थरूर

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के टीनएज बैटिंग टैलेंट वैभव सूर्यवंशी ने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में विस्फोटक बल्लेबाजी से हर किसी का दिल जीत लिया. उन्होंने बिहार के लिए खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ सिर्फ 84 गेंदों में शानदार 190 रन बनाए. ये पारी अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में एक खराब पल के कुछ दिनों बाद आई है. अब एक बार फिर इस बात पर बहस छिड़ गई कि क्या ये युवा खिलाड़ी भारतीय सीनियर टीम में जल्दी शामिल होने के लिए तैयार है. सूर्यवंशी की अग्रेसिव बैटिंग ने बिहार को चौंका देने वाले स्कोर 574 रन पर 6 विकेट तक पहुंचाया, जो विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा टीम टोटल है. इस पारी ने फैंस, एक्सपर्ट्स और साथी प्रोफेशनल खिलाड़ियों को हैरान कर दिया, और कई लोगों ने इसे भारतीय क्रिकेट में एक टीनएज की तरफ से किए गए सबसे असाधारण डोमेस्टिक परफॉर्मेंस में से एक कहा.

कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी वैभव सूर्यवंशी की परफॉरमेंस से काफी इम्प्रेस हुए. उन्होंने कहा कि इंडियन क्रिकेट वाकई खुश खास लम्हों की गवाह बन रही है. उन्होंने 16 साल में सचिन के इंटरनेशल डेब्यू को भी याद किया. उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'आखिरी बार जब किसी 14 साल के क्रिकेटर ने इतनी असाधारण प्रतिभा दिखाई थी, वो तेंदुलकर थे, और उन्होंने सवाल उठाया कि सिलेक्टर्स किस बात का इंतजार कर रहे हैं.' ये पारी उन क्रिटिक्स को करारा जवाब भी थी जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अंडर-19 एशिया कप फाइनल में नाकाम होने के बाद सूर्यवंशी के खेल पर सवाल उठाए थे. उस निराशा में दबने के बजाय, इस टीनएजर ने जबरदस्त समझदारी, टाइमिंग और ताकत दिखाई, सीनियर डोमेस्टिक बॉलिंग अटैक पर आसानी से दबदबा बनाए रखा और इस यकीन को मजबूत किया कि वो अपनी उम्र से कहीं आगे खेल रहे हैं.

ड्रीम-11 हटने के बावजूद बीसीसीआई की कमाई पर असर नहीं

वित्तीय वर्ष 26 में कमाई 8,963 करोड़ रहने का अनुमान, 1500 करोड़ सिर्फ ब्याज से आएंगे

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने ड्रीम-11 के स्पॉन्सरशिप से बाहर होने और आईसीसी से मिलने वाले रेवेन्यू में कमी के बावजूद अपनी फाइनेंशियल कंडीशन मजबूत रखी है। अपेक्स काउंसिल की मीटिंग में प्रेजेंट किए गए ड्राफ्ट बजट के मुताबिक, 2025-2026 के लिए बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया की कुल इनकम 8,963 करोड़ रहने का अनुमान है।

ड्रीम-11 ने अगस्त में अपनी 358 करोड़ की जर्सी स्पॉन्सरशिप डील खत्म कर दी थी। वजह थी सरकार का प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025, जिसने रियल मनी गेमिंग पर बैन लगा दिया। ड्रीम-11 का बिजनेस इसी पर टिका था, इसलिए डील खत्म करना जरूरी हो गया था।

बीसीसीआई पर आईसीसी रेवेन्यू में कमी का असर नहीं

बीसीसीआई को आईसीसी से 38.5% शेयर मिलता है। इस साल आईसीसी इवेंट्स से कम रेवेन्यू आने की वजह से कुल इनकम पिछले साल से कम रहने का अनुमान है, लेकिन बीसीसीआई ने इसे बैलेंस कर लिया है।

बीसीसीआई की नई स्पॉन्सरशिप डील्स से भरपाई

ड्रीम-11 के बाहर होने के बाद

बीसीसीआई ने एडिडास के साथ हायर वैल्यूएशन में जर्सी स्पॉन्सरशिप डील साइन की है। अपोलो टायर्स के साथ भी अलग से डील हुई।

अपेक्स काउंसिल नोट के मुताबिक, ड्रीम-11 जैसे स्पॉन्सर्स के बाहर होने के बावजूद बीसीसीआई ने हायर वैल्यूएशन में नई जर्सी स्पॉन्सरशिप डील अगले 2.5 साल के लिए सिक्योर कर ली है।

बोर्ड के जनरल फंड और सरप्लस में बढ़ोतरी

2024-2025 में बीसीसीआई का जनरल फंड 7,988 करोड़ से बढ़कर 11,346 करोड़ हो गया। वहीं सरप्लस 3,358 करोड़ रहा। मजबूत ट्रेजरी मैनेजमेंट की वजह से इंटरेस्ट इनकम भी बढ़ी है।

चुनौतियों के बावजूद बीसीसीआई की ग्रोथ जारी

बीसीसीआई आईपीएल, इंटरनेशनल मैच, आईसीसी शेयर और स्पॉन्सरशिप से मजबूत रेवेन्यू स्ट्रीम्स पर निर्भर है। मजबूत फाइनेंशियल मैनेजमेंट की वजह से चुनौतियों के बावजूद बीसीसीआई की ग्रोथ जारी है।

टीम में खेलने के लिए डॉक्यूमेंट्स में हेराफेरी!

आरोपी क्रिकेटर सात्विक देसवाल की बीसीसीआई से शिकायत

खेल डेस्क, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। किसी टूर्नामेंट या टीम में खेलने के लिए गलत दस्तावेज पेश करने का चलन कोई नया नहीं है। हाल ही में पुदुचेरी नेटिव क्रिकेट प्लेयर एसोसिएशन ने बीसीसीआई की एंटी-करप्शन यूनिट को एक लेटर लिखकर आरोप लगाया है कि सात्विक देसवाल नामक खिलाड़ी ने पुदुचेरी क्रिकेट टीम के लिए खेलने के लिए अपने डॉक्यूमेंट्स में हेराफेरी की है।

जाली दस्तावेज सौंपने का आरोप

शिकायत वाले ईमेल में लिखा गया, 'हमें बीसीसीई की एंटी-करप्शन यूनिट को सात्विक देसवाल द्वारा पुदुचेरी टीम के लिए क्वालिफाई करने और खेलने के लिए जाली डॉक्यूमेंट्स के इस्तेमाल के बारे में औपचारिक शिकायत किए हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है। इस मामले को

आपके ध्यान में लाने के बावजूद, हम देखते हैं कि कई खिलाड़ी कथित तौर पर इसी तरह के तरीकों का इस्तेमाल करके पुदुचेरी के लिए मैचों में हिस्सा ले रहे हैं। इससे एलिजिबिलिटी वेरिफिकेशन प्रोसेस की ईमानदारी और अब तक की गई सुधारात्मक कार्रवाई की इफेक्टिवनेस पर गंभीर सवाल उठते हैं, अगर कोई कार्रवाई की भी गई है।'

जल्द कार्रवाई की मांग

ईमेल में आगे कहा गया, 'हम बीसीसीआई एसीयू से गुजारिश करते हैं कि हमारी शिकायत की तुरंत समीक्षा करें और हमें इस मामले में स्थिति और शुरू की गई कार्रवाई के बारे में बताएं। हमारा मानना है कि एसीयू की जिम्मेदारी है कि वो मिली शिकायतों को स्वीकार करे और जांच के नतीजे या प्रगति के बारे में बताए।' हम इस हफ्ते के आखिर तक आपके जवाब का इंतज़ार करेंगे। बीसीसीई एसीयू से किसी भी जवाब या सफाई के अभाव में, हम इस मुद्दे को उचित मीडिया चैनलों के जरिये जनता की जानकारी के लिए आगे बढ़ाने के लिए मजबूर होंगे।'

कौन हैं सात्विक?

सात्विक देसवाल 18 साल का लेफ्ट-आर्म स्पिनर है और शिकायत के मुताबिक, वो 'कम से कम एक साल के लिए पुदुचेरी का निवासी और बोनाफाइड' होने की एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा नहीं करता है। ईमेल में यह्भी आरोप लगाया गया है कि क्रिकेटर '10 अगस्त 2025 तक हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन लीग में खेला था।'

'आरोप झूठे हैं'

हालांकि, क्रिकेट एसोसिएशन पुदुचेरी के पूर्व अध्यक्ष पी दामोदरन ने इन आरोपों को खारिज किया उन्होंने 'रेवस्पोर्ट्स' से कहा, "ये पूरी तरह से झूठी कहानी है, हम उन पर (पुदुचेरी नेटिव क्रिकेट प्लेयर एसोसिएशन) पर 50 करोड़ रुपये का मुकदमा करेंगे। हमारे वकील उनके खिलाफ केस की तैयारी कर रहे हैं।'

वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स: फूडकोर्ट चालू करने के नाम 1.48 करोड़ की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर के वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फूडकोर्ट खोलने के नाम पर 1.48 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को रामगढ़ताल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान झारखंड के परशूडीह, टाटानगर निवासी विभांशु वैभव मिश्रा के रूप में हुई है, जो वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-16 में रह रहा था।

आरोप है कि उसने कूटरचित खाद्य ब्रांडों के एग्रीमेंट दिखाकर मेसर्स अदीप लीजर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर से राशि हड़प ली। मेसर्स अदीप लीजर के प्रबंधक शुभम बथवाल ने बताया कि उन्होंने वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लीज मेसर्स ई बायोस्कोप इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड से लिया था। परिसर में

नौका विहार, रेल विहार और अन्य सुविधाओं का विकास करना था।

इसी क्रम में मेसर्स वीवीएम 21 हॉस्पिटैलिटी ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड के मालिक विभांशु मिश्रा के साथ 13 अक्तूबर 2024 को लेटर ऑफ इंडेंट और फूडकोर्ट लीज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। एग्रीमेंट के अनुसार विभांशु को विभिन्न ब्रांड्स लाकर फूडकोर्ट चालू करना था। इसके एवज में आरटीजीएस के माध्यम से उसे 1.48 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

आरोपी ने कुछ ब्रांड्स के नाम और लेटर ऑफ इंडेंट दिखाए, जिनमें नजीर फूड्स, बास्किन-रॉबिंस, हाउस ऑफ कैंडी, रोल्स सिंह, द बेल्जियन वाफल कंपनी, फ्लेवर्स ऑफ लखनऊ, चाय का, द वाफल कंपनी और एनएस फूड्स शामिल थे। जब संबंधित ब्रांड्स से संपर्क किया गया, तो पता चला कि कोई भी ब्रांड आरोपी के साथ समझौता नहीं कर रहा था। चाय का के मालिक शाहिल जुनेजा ने भी पुष्टि की कि उनके साइन का जाली दस्तावेजों में इस्तेमाल किया गया।

काम में लगातार विलंब और आश्वासन न मिलने पर ग्रुप डायरेक्टर अमित बथवाल ने 13 अगस्त 2025 को आरोपी से मुलाकात की। इस दौरान आरोपी ने 44.04 लाख रुपये का चेक दिया लेकिन चेक खाते में नहीं लगा। उसने शुभम से व्यक्तिगत रूप से 10 लाख रुपये और लिए और मोबाइल फोन बंद कर दिया।

इसके बाद एसपी सिटी अभिनव त्यागी के आदेश पर रामगढ़ताल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। सीओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

डिप्टी सीएम ने सड़क कार्य का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने मधिरा चुनाव क्षेत्र के बोनाकल मंडल के मुष्टिकुंटला गांव में मुष्टिकुंटला से चिरुनोमुला तक बनने वाली बीटी सड़क के काम का शिलान्यास किया। इस पर लगभग 3 करोड़ 45 लाख खर्च होंगे। ग्रामीण इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हमारी सरकार का मुख्य मकसद है। अगर सड़क की सुविधाएं बेहतर होंगी, तो लोगों का जीवन स्तर और बेहतर होगा। इस सड़क के बनने से गांवों के बीच ट्रांसपोर्टेशन आसान हो जाएगा। खेती, बिजनेस, शिक्षा और मेडिकल जैसे सेक्टर को नई रफ्तार मिलेगी। लोगों की जरूरतें हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता हैं। हम इस सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि गांवों का विकास ही राज्य का विकास है।

42 प्रतिशत बीसी आरक्षण कमजोर करने की साजिश का आरोप

> एर्रा सत्यनारायण ने बुलाई आपात बैठक

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष एर्रा सत्यनारायण ने आरोप लगाया कि सभी बड़े राजनीतिक दल, जिसमें राज्य की सत्ताधारी कांग्रेस भी शामिल है, 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। सत्यनारायण ने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में ज़ेडपीसी और एमपीटीसी चुनावों का मुद्दा अचानक उठाना लंबे समय से वादे किए गए बीसी आरक्षण में पीछे हटने का प्रयास है।

इसे रोकने के लिए उन्होंने 27 दिसंबर को हैदराबाद के होटल अभिनंदन ग्रैंड में सभी पार्टी बीसी नेताओं की आपात बैठक बुलाने की घोषणा की। उन्होंने हाईकोर्ट के सरपंच चुनाव के फैसले को बहाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अन्य स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कोई कानूनी बाधा नहीं है। उन्होंने संसद में बीसी आरक्षण विधेयक पर निर्णय होने से पहले ज़ेडपीसी और एमपीटीसी चुनावों पर चर्चा को आपत्तिजनक बताया और केंद्र तथा बीआरएस नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठाया। बैठक का उद्देश्य 42 प्रतिशत आरक्षण की रक्षा के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करना है। इसमें विभिन्न दलों के बीसी नेता, जाति संघटन, बुद्धिजीवी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक में वरिष्ठ नेता और पूर्व अधिकारी जैसे बंडारू दत्तात्रेय, इटेला राजेंद्र, आर. कृष्णैया, मधुसूदन चारी, गंगुला कमलाकर, श्रीनिवास गोड, वी. हनुमंता राव, डॉ.पी. विनय, न्यायमूर्ति चंद्रकुमार, न्यायमूर्ति ईश्वरैया गोड और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी टी. चिरंजीवुलु, जगन्मोहन, बालराज गोड आदि की मौजूदगी की संभावना है।

भाजपा का आरोप : कांग्रेस और बीआरएस ने गिराया राजनीतिक स्तर

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने गुरुवार को कांग्रेस और बीआरएस पर राज्य में राजनीतिक स्तर गिराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों ने मूल्यों और संयम को छोड़ दिया है और नेताओं द्वारा दिए गए अपमानजनक बयानों से जनता की भावना आहत हुई है।

वाजपेयी की 101वीं जयंती पर राज्य भाजपा मुख्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद राव ने कहा कि राष्ट्र "सुशासन दिवस" मना रहा है, जो भारत रत्न वाजपेयी की विरासत को सम्मानित करता है। उन्होंने वाजपेयी को मूल्य-आधारित राजनीति और गरिमापूर्ण बहस का प्रतीक बताया, जबकि राज्य में कांग्रेस और बीआरएस नेताओं की भाषा "प्रतिशोधी और अशिष्ट" है। राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस ने पिछले दशक में राज्य को कर्ज में डुबो दिया और कांग्रेस सरकार विकास नहीं कर पाई और विदेशी दौरे तथा "तेलंगाना राइजिंग" अभियान के बावजूद निवेश आकर्षित करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों ने राज्य को कर्ज में डुबो दिया है और निवेश या कंपनियां आकर्षित नहीं कर पाई। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार और वरिष्ठ भाजपा नेता भी उपस्थित थे।

टीटीडी हिमायतनगर मंदिर में वैकुंट एकादशी तैयारियों का निरीक्षण

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) हिमायतनगर लोकल एडवाइजरी कमिटी (एलएसी) के अध्यक्ष एन. शंकर गौड़ ने गुरुवार को स्थानीय टीटीडी मंदिर में वैकुंट एकादशी उत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने श्रद्धालुओं के लिए कतार प्रबंधन, स्वच्छता, सुरक्षा, पेयजल सुविधाएं और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने मंदिर अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत कर सुनिश्चित किया कि इस शुभ अवसर पर दर्शन और संबंधित अनुष्ठान सुचारू रूप से संपन्न हों। शंकर गौड़ ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को पहले से पूरी करने का निर्देश दिया। मंदिर अधिकारियों ने अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि वैकुंट एकादशी पर श्रद्धालुओं के निर्बाध दर्शन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सहायक कार्यकारी अधिकारी (एईओ) रमेश बाबू और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

क्रिसमस प्रेम, शांति और सेवा का संदेश देता है : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सड़क एवं भवन तथा सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह के उपदेश आज भी मानवता को प्रेम, शांति, त्याग और सेवा का मार्ग दिखाते हैं। नलगोंडा के ऐतिहासिक सेंटेनरी बैपटिस्ट चर्च में आयोजित क्रिसमस समारोह में उन्होंने केक काटा और विशेष प्रार्थनाएं कीं। उन्होंने कहा कि ईसाई मिशनरियों और संस्थानों ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समाज की निस्वार्थ सेवा की है।

टीटीडी चेयरमैन बी.आर. नायुडू ने लड्डु काउंटर का निरीक्षण किया

तिरुमला, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी चेयरमैन बी.आर. नायुडू ने गुरुवार को तिरुमला में श्रीवारी लड्डू बिक्री काउंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने लड्डू वितरण प्रक्रिया, कर्मचारियों का प्रदर्शन और लड्डू के वजन की जांच की। इसके बाद उन्होंने कियोस्क मशीन का निरीक्षण किया, जहां बिना दर्शन के श्रद्धालु आधार और यूपीआई भुगतान द्वारा लड्डू प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने भक्तों से फीडबैक लिया और बूंदी पॉटू की तैयारी का निरीक्षण किया। वैकुंट द्वार दर्शन (30 दिसंबर से 8 जनवरी) की तैयारियों के तहत किया गया। वर्तमान में टीटीडी प्रतिदिन 4 लाख लड्डू और 8,000 कल्याणोत्सवम लड्डू बेच रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वैकुंट द्वार दर्शन के दौरान लड्डू की कमी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि भक्तों ने लड्डू की गुणवत्ता, स्वाद और कतार में प्रतीक्षा समय में कमी की पूरी संतुष्टि व्यक्त की है। आने वाले दिनों में उत्पादन बढ़ाया जाएगा और लड्डू जल्दी वितरित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन के साथ श्रीवारी मंदिर के डिप्टी ईओ लोकनाथम, पॉटू पीष्कर श्री मुनि रत्नम और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

एनएच-44 पर कॉलेज बस पलटी, कई छात्र घायल

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर जिले के बालानगर मंडल में एनएच-44 पर गुरुवार को एक कॉलेज बस पलट जाने से कई छात्र घायल हो गए। यह हादसा पेद्दापल्ली जियो पेट्रोल पंप के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, नारायणपेट जिले के मारिकल स्थित मणिकांता प्राइवेट कॉलेज के 43 छात्र बस में सवार होकर हैदराबाद के जलविहार जा रहे थे। दूसरे वाहन से बचने के प्रयास में बस चालक का संतुलन बिगड़ गया और बस पलट गई। घायलों को बालानगर सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां सभी की हालत स्थिर बताई गई है। घटना की सूचना पर मंत्री वकीति श्रीहरी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सभी धर्मों का समान सम्मान करती है कांग्रेस : टीपीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में किसी भी धर्म का अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त कानून लाया जाएगा। गुरुवार को गच्चीबावली क्षेत्र में आयोजित क्रिसमस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए उन्होंने ईसाई समुदाय को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु केवल ईसाइयों के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में एआईसीसी सचिव संपत कुमार, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता राव सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

हरि ॐ हरि ॐ

विनम्र श्रद्धांजलि

स्व. डॉ.अहिल्या मिश्र

(धर्मपत्नी: स्व. श्री राजदेव मिश्र)

स्वर्गवास: 25 दिसम्बर 2025

(प्रतिष्ठित समाज सेवी, हिंदी सेवी, लेखिका, कवयित्री, शिक्षिका एवं प्रेरणापुंज, जिन्होने महिलाओं के सशक्तीकरण और साहित्य की लोकप्रियता के लिए अप्रतिम कार्यों द्वारा दिगंतव्यापी यश अर्जित किया)

छाया मिलें आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो।
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो।।

उठावना

कल शनिवार दि.27 दिसम्बर 2025
मध्यान् 12 बजे से 1 बजे तक हमारे निवास स्थान:
शांडिल्य सार्त्रम, ई-54, मधुरानगर,
अमीरपेट, हैदराबाद पर होगा ।

: शोकाकुल :

मानवेन्द्र मिश्र - डॉ.आशा मिश्र (पुत्र-पुत्रवधु), दिव्या - प्रणीतजी शर्मा (पौत्री-दामाद),
आर्यव मिश्र (पौत्र), अक्षिति मिश्र (पौत्री), अमित कुमार मिश्र, मधुकर मिश्र, आदर्श, पंखुड़ी, रेयांश
एवं समस्त मिश्र परिवार । मो.9849029064, 9908855400

P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.